राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 अमीनों के स्थानांतरण में पारदर्शिता और ... | थलपति विजय का दांव पड़ा ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 118 | पटना, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएम सम्राट की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक, कुल 17 एजेंडों पर लगी मुहर

सौगात: राज्य के 16 मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों का पीपीपी मोड पर होगा संचालन

- राज्य में पहली बार स्थापित होने जा रहा स्पोर्ट्स साइंस सेंटर

प्रात : किरण

पटना। राज्य में आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। इसके तहत सूबे के 16 नवनिर्मित और निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का संचालन पीपीपी (लोक-निजी भागीदारी) मोड के अंतर्गत किया जाएगा। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर निर्णय लिया गया। इस दौरान कुल 17 एजेंडों पर मुहर लगी। कैबिनेट में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि जिन 16 ब्राउनफील्ड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों (डेंटर कॉलेज एवं अस्पताल समेत) का संचालन

पीपीपी मोड पर किया जाएगा। इनमें चार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल संचालित हैं, जिसमें नालंदा स्थित पावापुरी एवं रहुई के अतिरिक्त मधेपुरा और पूर्णिया शामिल हैं।

जबकि, 12 अन्य चिकित्सा संस्थानों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें समस्तीपुर, सारण, भोजपुर, मधुबनी, वैशाली, बक्सर, सीवान, बेगूसराय, सीतामढ़ी, जमुई, मुंगेर और सुपौल शामिल हैं। इन सभी संस्थानों के संचालन के लिए प्राइसवॉटर हॉउस कूपर प्राइवेट लिमिटेड (पीडब्ल्यूसी) के साथ एलओए (लेटर ऑफ एग्रीमेंट) निर्गत कर दी गई है। इस पर व्यय होने वाली 8 करोड़ 27 लाख रुपये के योजना की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में गठित खेल विभाग के अंतर्गत स्पोर्ट्स साइंस सेंटर (उच्च प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण एवं इंजुरी सेंटर) का गठन किया जाएगा। यह पहला मौका है, जब बिहार इस तरह के केंद्र की स्थापना हो रही है। इसकी मदद से वैज्ञानिक प्रशिक्षण, खेल चिकित्सा, पुनर्वास, पोषण, मनोवैज्ञानिक सहायता तथा प्रदर्शन विश्लेषण जैसी आधुनिक सुविधाएं बहाल हो सकेंगी। इसके लिए चार करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

हर घर तिरंगा अभियान के लिए 6 करोड़ 12 लाख रुपये की स्वीकृति : अपर मुख्य सचिव ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत वंदे मातरम थीम पर आधारित देशभक्ति तिरंगा कंसर्ट, तिरंगा एवं वंदे मातरम पर प्रदर्शनी, जनजागरूकता कार्यक्रम समेत अन्य के आयोजन के लिए 6 करोड़ 12 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

इस आयोजन के तहत तिरंगा एवं वंदे मातरम पर प्रदर्शनी, तिरंगा रैली या यात्रा, सेल्फी विद तिरंगा अभियान समेत ऐसे अन्य कार्यक्रम आयोजित कराने की योजना है। एसीएस श्री चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आयुर्वेदिक चिकित्सा पदाधिकारी की नियुक्ति के लिए वर्ष 2003 तक के वैध जीएएमएस (ग्रेजुएट इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी) में उतीर्ण छात्रों की डिग्री भी मान्य होगी। आयुष चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से की जाएगी। इसकी मंजूरी भी कैबिनेट की बैठक में दी गई। इस मामले में पटना हाईकोर्ट के फैसले के बाद विभाग के स्तर से यह निर्णय लिया गया है।

पटना स्थित बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए पहले से सृजित पदों के अतिरिक्त उप-कुल सचिव के एक, सहायका कुलसचिव के दो, उप-परीक्षा नियंत्रक के एक तथा सहायक परीक्षा नियंत्रक के दो यानी कुल 6 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना, 2026 के तहत पर्यटकों के उड़ान को संपन्न कराने के लिए एक हेलीकॉप्टर की सेवा बिहार वित्त (संशोधन) नियमावली, 2024 के तहत प्रतिमहीने 60 लाख रुपये के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त पूर्वी चंपारण के पीपराकोठी में 5 एकड़ जमीन केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए केंद्र सरकार के केंद्रीय विद्यालय संगठन को 30 वर्षों की लीज पर देने की मंजूरी दी गई है।

विशेष न्यायालयों में 171 विभिन्न पदों के सृजन की मंजूरी

राज्य में एनडीपीएस अधिनियमों के अंतर्गत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष कोर्ट की स्थापना के लिए पूर्णिया, भागलपुर और गयाजी में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के कोर्ट में अराजपत्रित कोटि के 27 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) के अंतर्गत लंबित मामलों का निष्पादन के लिए 19 अतिरिक्त विशेष न्यायालयों में अराजपत्रित कोटि के 171 विभिन्न पदों के सृजन की मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत-2.0) के तहत जमालपुर जलापूर्ति परियोजना के लिए 122 करोड़ 22 लाख तथा मुंगेर जलापूर्ति (फेज-1) के अंतर्गत 177 करोड़ 72 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। नवादा के रजौली में बिहार औद्योगिक सुरक्षा बल की स्थापना के लिए 43.98 एकड़ जमीन का हुआ आवंटन : नवादा जिले के रजौली मौजा में बिहार औद्योगिक सुरक्षा बल (बीआईएसएफ) की स्थापना के लिए गृह विभाग (आरक्षी शाखा) को 43.98 एकड़ जमीन मुफ्त हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई है। 330 गृह रक्षकों के तैनाती की अनुमति। उन्होंने कहा कि बिहार किशोर न्याय अधिनियम, 2015 तथा नियमावली, 2017 के तहत समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत वर्तमान में विभिन्न तरह के गृहों (पर्यवेक्षण गृह, विशेष गृह समेत अन्य) में सुरक्षा के दृष्टिकोण से 330 गृह रक्षकों के तैनाती की अनुमति प्रदान की गई है।

पश्चिम चंपारण में 15 हजार रुपये रिश्वत लेते पंचायत सचिव गिरफ्तार

- 2026 में अब तक 85 ट्रैप मामलों में 87 आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार को पश्चिम चंपारण जिले के मालदहिया मदरसा में आयोजित सहयोग शिविर के दौरान 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए एक पंचायत सचिव को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह जानकारी सतर्कता विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। ब्यूरो ने पश्चिम चंपारण जिले के नरकटियागंज प्रखंड अंतर्गत डुमरिया पंचायत में पदस्थापित पंचायत सचिव शंकर प्रसाद को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। आरोप है कि वह नल-जल योजना के तहत कराए गए मरम्मत कार्य का शेष भुगतान जारी करने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के मालदहिया निवासी परवेज कौसर ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी कि पंचायत सचिव शंकर प्रसाद नल-जल योजना के तहत कराए गए मरम्मत कार्य का बकाया भुगतान जारी करने के लिए रिश्वत मांग रहे हैं।

शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए जाने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने पटना के पुलिस उपाधीक्षक कृपाल चंद्र जायसवाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर ट्रैप की कार्रवाई की। पूछताछ के बाद आरोपी को मुजफ्फरपुर स्थित विशेष सतर्कता न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ब्यूरो ने बताया कि वर्ष 2026 में यह बिहार में भ्रष्टाचार से संबंधित 92वीं एफआईआर है, जबकि यह 85वां ट्रैप मामला है। ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक 85 ट्रैप मामलों में 87 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया जा चुका है। इन ट्रैप मामलों में अब तक 31.66 लाख रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई है। वर्ष 2025 में सतर्कता अन्वेषण ब्यूरो ने 101 ट्रैप मामलों में 37.80 लाख रुपये की रिश्वत राशि बरामद की थी।

संक्षिप्त खबरें

राशन कार्ड के ऑफलाईन आवेदनों को जल्द ही किया जाएगा ऑनलाईन

पटना। राज्य के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को राशन कार्ड के लिए प्राप्त ऑफलाईन आवेदन को यथाशीघ्र ऑनलाईन करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश बुधवार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में दिया गया है। वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में कहा गया है कि सभी प्राप्त आवेदनों को प्रमाणित करने के बाद ही ऑनलाइन ईन्ट्री करना है। अनुमंडल पदाधिकारी सहरसा सदर, अररिया, बिरौल, दरभंगा सदर, नवादा सदर, गया सदर के द्वारा ऑनलाइन इन्ट्री में बेहतर कार्य किया गया है। जबकि मुंगेर, दानापुर, पुर्णियां सदर आदि अनुमंडलों को कार्य में प्रगति लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये। इस बैठक में विभाग के विशेष सचिव, उपेन्द्र कुमार के द्वारा कहा गया कि लॉगइन के लिए लगातार प्रयास करते रहे।

मंत्री दीपक प्रकाश बने एमएलसी, राज्यपाल ने जारी किया नोटिफिकेशन

प्रात : किरण

पटना/एजेसी। बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की कुर्सी पर मंडरा रहा संवैधानिक संकट अब पूरी तरह टल गया है। राज्यपाल द्वारा उन्हें बिहार विधान परिषद का सदस्य मनोनीत कर दिए जाने के बाद उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। राजभवन की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के बाद दीपक प्रकाश अब विधान परिषद के सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

दरअसल, बिना किसी सदन (विधानसभा या विधान परिषद) का सदस्य बने मंत्री पद पर बने रहने की 6 महीने की संवैधानिक समयसीमा खत्म होने को लेकर विपक्ष लगातार उन पर हमलावर था। मामला तूल पकड़ने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी उनके मंत्री पद पर बने रहने की वैधता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया था। कानूनी व संवैधानिक संकट को देखते हुए राज्य सरकार ने त्वरित कदम उठाने का फैसला लिया।

संवैधानिक गतिरोध को दूर करने के लिए विधान पार्षद देवेश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए राज्यपाल ने देवेश कुमार द्वारा खाली की गई सीट पर दीपक प्रकाश को विधान परिषद के लिए मनोनीत कर दिया। इस मनोनयन के साथ ही मंत्री पद की पात्रता को लेकर उठ रहे सभी राजनीतिक और कानूनी सवालों पर पूर्णविराम लग

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या अब 38 होगी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाले विधेयक को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा के बाद ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस विधेयक को चर्चा और लौटाने करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। उपसभापति हरिवंश ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन हंगामा नहीं थमा।

उपलब्धि | 12 वर्षों में भारत में रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि

पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल निवेश क्षेत्रों में 3.4 लाख करोड़ रुपये का हुआ निवेश

प्रात : किरण

नई दिल्ली। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीन रसायन एवं पेट्रोकेमिकल विभाग ने पिछले बारह माह में रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए नीतिगत सुधार, अवसंरचना विकास, क्षमता निर्माण, कौशल विकास, गुणवत्ता संवर्धन और निवेश प्रोत्साहन संबंधी पहल की हैं। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण, नवाचार, रोजगार सृजन, निवेश और विकसित भारत-2047 तथा आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान दिया है।

रसायन संवर्धन एवं विकास योजना के अंतर्गत सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अध्ययनों और जागरूकता निर्माण पहलों के माध्यम से रसायन और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के विकास में सहयोग किया गया है। डीसीपीसी, विभाग के अधीन एक सार्वजनिक

क्षेत्र की कंपनी एचआईएल लिमिटेड और विभाग के अधीन एक स्वायत्त निकाय, इंस्टीट्यूट ऑफ पेस्टिसाइड फॉर्मूलेशन टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से फसलों में कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा दे रही है। सीपीडीएस के अंतर्गत ये दोनों संगठन किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं और खाद्यान्न, खाद्य तेल, फल और सब्जियों में कीटनाशक अवशेषों को कम करने के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। देश भर में अब तक, 250 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इनसे एक लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ है।

विभाग ने विकसित भारत@2047 कार्य योजना के अंतर्गत कार्यस्थल पर खतरनाक रसायनों का सुरक्षित संचालन और खतरनाक रसायनों से जुड़े जोखिम को कम करना विषय पर प्रमुख दुर्घटना जोखिम (एमएएच) इकाइयों के कर्मचारियों के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम 5 वर्षों की अवधि में सभी 2,393 एमएएच इकाइयों के लिए बनाया गया है।

3.7 लाख नौकरियों का सृजन: पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स निवेश क्षेत्रों ने 3.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, 3.7 लाख नौकरियां सृजित की हैं और 2,200 से अधिक रासायनिक विनिर्माण इकाइयों की स्थापना को सुगम बनाया है। उपभोक्ताओं की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण को बढ़ावा देने और निम्न स्तर के आयात पर अंकुश लगाने के लिए विभाग ने समय-समय पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी किए हैं। वर्तमान में कुल 37 क्यूसीओ लागू हैं। भारत की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति के अंतर्गत अधिकांश रसायन क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग से 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति है। जिसने इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया है। 2014-2026 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 1,04,895 करोड़ रुपये रहा, जो 2004-2014 के दौरान प्राप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (45,240 करोड़ रुपये) से दोगुने से भी अधिक है। रसायन एवं पेट्रोकेमिकल विभाग ने प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योगों के लिए अवसंरचनात्मक सहायता का विस्तार किया है।

अब बिहार में ही मिलेगा अमेरिका जैसा इलाज, आसान होगा कूल्हा-घुटना प्रत्यारोपण

एम्स पटना की बड़ी छलांग: डॉ. सुदीप कुमार ने अमेरिका से ली जॉइंट रिप्लेसमेंट की एडवांस ट्रेनिंग, बिहार के मरीजों को मिलेगा विश्वस्तरीय इलाज

अभय आर्या

पटना। बिहार के मरीजों के लिए एक बहुत बड़ी और खुशखबरी सामने आई है! जोड़ों के दर्द, कूल्हा और घुटना बदलने की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या विदेश भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक झंडा गाड़ दिया है। एम्स पटना के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के प्रोफेसर एवं यूनिट हेड *डॉ. सुदीप कुमार* ने अमेरिका के पेन मेडिसिन सेंटर, फिलाडेल्फिया (पेनसिल्वेनिया) में *3 सप्ताह की हाई-टेक अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल फेलोशिप* सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। जून-जुलाई 2026 के दौरान आयोजित इस फेलोशिप के बाद अब एम्स पटना में जॉइंट रिप्लेसमेंट का पूरा ढांचा बदलने वाला है!

●अमेरिका के टॉप सर्जन से सीखा सुपर-एडवांस्ड फॉर्मूला

डॉ. सुदीप कुमार ने यह अंतरराष्ट्रीय ट्रेनिंग दुनिया के सबसे मशहूर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जनों में से एक *डॉ. नील पेरी शेठ* के मार्गदर्शन में हासिल की। ट्रेनिंग के दौरान उन्होंनेः 50 से ज्यादा* जटिल हिप और घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी में सीधी भागीदारी निभाई। * *रिवीजन हिप व नी रिप्लेसमेंट* (पुराने/खराब हो चुके इम्प्लांट को दोबारा बदलना) की बारीकियाँ सीखीं। नवीनतम इम्प्लांट टेक्नोलॉजी* और ओपीडी में आधुनिक जांच प्रक्रियाओं का गहरा अध्ययन किया।

●डायरेक्ट एंटीरियर एप्रोचः बिना मांसपेशियों को काटे होगी सर्जरी!

इस ट्रेनिंग की सबसे बड़ी खासियत रही *डायरेक्ट एंटीरियर एप्रोच* तकनीक। यह एक ऐसी क्रांतिकारी सर्जिकल पद्धति है जिसमें:1. मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाए बिना ऑपरेशन किया जाता है।2. ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत *कम दर्द* होता है। 3. मरीज *सुपर-फास्ट रिकवरी* करता है और चंद दिनों में अपने पैरों पर खड़ा होकर सामान्य जिंदगी में लौट सकता है।

●क्यों बेहद अहम है यह उपलब्धि

आजके समयमें ऑस्टियोआर्थराइटिस, गठिया और जोड़ों के घिसने से लाखों लोग परेशान हैं। दुनिया भर में हर साल *35 लाख से अधिक* हिप और नी रिप्लेसमेंट सर्जरी होती हैं। एम्स पटना का यह कदम न केवल बिहार, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के मरीजों के लिए वरदान साबित होने जा रहा है, जहाँ अब कम खर्च में अंतरराष्ट्रीय स्तर का सुरक्षित और सटीक इलाज संभव होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के ऐसे प्रशिक्षण से डॉक्टरों को दुनिया की सबसे लेटेस्ट तकनीकों की जानकारी मिलती है। इसका सीधा और बड़ा फायदा बिहार और पूर्वी भारत के मरीजों को मिलेगा। अब उन्हें अपने ही राज्य में वर्ल्ड-क्लास इलाज उपलब्ध होगा:

प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल कार्यपालक निदेशक, एम्स पटना

यह फेलोशिप सीखने का एक अद्भुत अनुभव रहा। अमेरिका में जटिल रिप्लेसमेंट सर्जरी और मरीजों की आधुनिक देखभाल को बहुत करीब से देखने का मौका मिला। अब इस अनुभव का पूरा लाभ एम्स पटना आने वाले हर एक मरीज को मिलेगा:

डॉ. सुदीप कुमार, ऑर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स पटना

पांच फाइलेरिया मरीजों को प्रदान किया गया यूडीआईडी कार्ड

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । सरकार फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी कार्ड) बनाने की पहल पिछले दो साल से शुरू की है। इसी मुहिम के तहत पटना जिले के दुल्हिनबाजार प्रखंड के सोनियामा पंचायत स्थित जमुई आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर बुधवार को सीएचओ-पीएसपी सदस्य सह मुखिया अंजू देवी और बीसीएम सुनैना देवी और सीएचओ अर्चना कुमारी ने संयुक्त रूप से पांच फाइलेरिया मरीजों के बीच यूडीआईडी कार्ड का वितरण किया। इस दौरान में बीसीएम सुनैना कुमारी ने बताया कि राज्य सरकार फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की दिशा में सार्थक पहल शुरू की है। इसी अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर, जमुई पर पांच फाइलेरिया मरीजों का यूडीआईडी कार्ड बनाया गया है। उन्हें बुधवार को पंचायत की मुखिया अंजू देवी के हाथों

यूडीआईडी कार्ड प्रदान किया गया है। बीसीएम ने कहा कि करीब एक माह पहले शिविर लगाकर पांचों फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की स्टेज की जांच की गयी थी। उसी के आधार पर यूडीआईडी कार्ड बनाया गया है। अब इन्हें सरकार के द्वारा दिव्यांगजनों को मिलने वाले पेंशन की राशि 11 सौ रुपए का लाभ मिल सकता है। घातक व लाइलाज है फाइलेरिया बीमारी इस संबंध में सीएचओ अर्चना कुमारी ने कहा कि फाइलेरिया बीमारी जिसे हो जाता है। उसके बाद वह पूर्णतः ठीक नहीं हो पाता है। इस बीमारी से राहत पाने के लिए नियमित व्यायाम और एमएमडीपी किट के माध्यम से घर पर ही दो बार अपने प्रभावित अंगों की साफ-सफाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि एमएमडीपी प्रशिक्षण से काफी हद तक हाथीपांव के सूजन को कम किया जा सकता है। इस मौके पर पीएसपी सदस्य सह मुखिया अंजू देवी ने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए फाइलेरिया मरीजों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक लाने में सीफार संस्था की भूमिका काफी सराहनीय रही। इस मुहिम को सफल बनाने में सिफार तकनीकी रूप से काफी अहम भूमिका निभा रहा है। साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सिफार के माध्यम से किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम काफी असरदार साबित हो रहा है। जांच शिविर में बीसीएम, सिफार के प्रोजेक्ट एसोसिएट विकास चौहान, पीएसपी सदस्य सह वार्ड पार्षद पुष्पांजलि कुमारी तथा फाइलेरिया मरीज राजवीर कुमार, ताल बाबू पासवान,श्यामा देवी, पूजा देवी और रूबी देवी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण के विरोध विशेष अभियान चलाया गया

दानापुर नगर के अंतर्गत सगुना-खगौल रोड में विशेष अभियान चलाया। बुधवार को नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ दस्ता सगुना मोड़ से अभियान की शुरुआत की। इस दौरान सड़क के दोनों किनारे अवैध रूप से किए हुए अतिक्रमण को उखाड़ फेंका। बुधवार को अतिक्रमण हटाओ दस्ता दलबल के साथ सगुना मोड़ पहुंची। जिसको देख अतिक्रमण कारियों में हड़कंप मच गया। सभी सामान लेकर इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान अतिक्रमण हटाओ दस्ता अतिगमन को हटाते हुए खगौल रोड की ओर बढ़ी। सड़क के किनारे बालू एवं भवन निर्माण की सामग्री गिरकर अतिक्रमण करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनके विरुद्ध आर्थिक दंड लगाया। अतिक्रमणकारियों से 18000 रुपए जुमार्ना वसूल किए गए। सगुना मोड़ से आर के पुरम मोड तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई हुई।

वाहन जांच के दौरान टेंपो से 240 लीटर देसी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने सिक्स लेन के पास वाहन जांच अभियान के दौरान एक टेंपो (रजिस्ट्रेशन संख्या [illegible]166) की तलाशी ली, जिसमें परिवहन कर ले जाई जा रही करीब 240 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से टेंपो चालक पंकज कुमार (23 वर्ष), पिता का नाम उपलब्ध नहीं, निवासी जगदीशपुर, थाना राघोपुर, जिला वैशाली को गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब और टेंपो को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

खगौल गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल नगर के अंतर्गत बुधवार को गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय,सह-सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल में सहकारिता मंत्री-सह विधायक एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामकृपाल यादव की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानाध्यापक-सह सदस्य सचिव त्रिभुवन प्रसाद सिन्हा, विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्य सरोज राम एवं प्रीतम कुमार, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा अन्य सदस्यों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त खगौल नगर मंडल अध्यक्ष अमन कुमार चन्दवंशी, आशुतोष श्रीवास्तव विशाल सिंह भी बैठक में उपस्थित रहे।बैठक के दौरान विद्यालय की विभिन्न विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने विद्यालय के समग्र विकास तथा विद्यार्थियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव एवं प्रस्ताव प्रस्तुत किए, जिन्हें विद्यालय विकास अनुश्रवण समिति के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री रामकृपाल यादव ने गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किए जाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विद्यालय की आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ करने, शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रात्रि गश्ती में बैटरी चोर गिरफ्तार चोरी की बैटरी बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान पार्किंग में खड़े ट्रकों की निगरानी करते हुए बैटरी चोरी कर रहे एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नकुल राय (22 वर्ष), पिता नसीब राय, निवासी गढ़ोंचक, थाना नदी, जिला पटना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अन्य ट्रक से चोरी की गई बैटरी भी बरामद कर ली है। नदी थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

हरित क्रांति की ओर बिहार : 15 अगस्त से शुरू होगा महर्षि चरक हरित-औषधीय अभियान, हर परिवार लगाएगा 5 पौधे : वैद्य (प्रो). दिनेश्वर प्रसाद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जलवायु परिवर्तन, बाढ़ और सुखाड़ जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे बिहार को हरित और स्वस्थ बनाने के लिए एक बड़े अभियान का शंखनाद किया गया है। आगामी विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) और स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के अवसर पर पूरे राज्य में महर्षि चरक हरित-औषधीय अभियान का आगाज होने जा रहा है। आयुर्वेद के महान प्रवर्तक महर्षि चरक के दर्शन से प्रेरित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बिहार को औषधीय पौधों के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। हर घर 5 पौधे, हर स्कूल में ह्यचरक वाटिका इस महाअभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए एक विस्तृत खाका तैयार किया गया है:प्रत्येक परिवारः न्यूनतम 5

औषधीय पौधे लगाएगा। विद्यालय व महाविद्यालयः अपने परिसरों में चरक औषधीय वाटिकाविकसित करेंगे। ग्राम पंचायतेंः सामुदायिक औषधीय उद्यानों की स्थापना करेंगी।### *नीम, आंवला और सहजन से बदलेगी गांव की तस्वीर अभियान के तहत नीम, सहजन, आंवला, अर्जुन, बेल, गिलोय, तुलसी, अशोक, शतावरी, कालमेघ, ब्राह्मी, हरड़, बहेड़ा और बांस जैसे 14 प्रमुख औषधीय एवं गुणकारी पौधों के संरक्षण और रोपण पर विशेष जोर दिया जाएगा। ये पौधे न केवल पर्यावरण संतुलन और जल संरक्षण में मददगार साबित होंगे, बल्कि जनस्वास्थ्य को सुधारने में भी मील का पत्थर बनेंगे। पर्यावरण सुरक्षा के साथ बहेगी आर्थिक समृद्धि की बयार यह पहल केवल पर्यावरण सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल देने का भी एक बड़ा जरिया बनेगीः 1.किसानों की आय में वृद्धिःऔषधीय पौधों की खेती से किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। 2. औषधीय उद्योग को बढ़ावाःस्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और कच्चे माल की आपूर्ति आसान होगी। 3. युवाओं को रोजगारः हरित आधारित स्थानीय उद्योगों और नर्सरियों के माध्यम से नए रोजगार सृजित होंगे। 4. आत्मनिर्भर बिहारःआत्मनिर्भर भारत के सपने को धरातल पर उतारने के लिए यह अभियान रीढ़ की हड्डी साबित होगा। ### *अभियान से जुड़ने का आह्वान राज्य सरकार, पंचायत प्रतिनिधियों, स्कूलों-कॉलेजों, स्वयंसेवी संस्थाओं (NGOs), किसान संगठनों, महिला स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और युवाओं से अपील की गई है कि वे अभी से तैयारियां पूरी करें ताकि 15 अगस्त से राज्य के कोने-कोने में पौधारोपण का यह महायज्ञ शुरू किया जा सके। कहा गया है कि प्रकृति का यह वरदान आगामी 5 वर्षों में बिहार की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल सकता है।

रूट्स ऑफ होप परियोजना के तहत रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी ने लगाए 100 पौधे

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । गोपाल विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण को लेकर रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी ने बुधवार को जिले के सबलपुर में रूट्स ऑफ होप परियोजना के अंतर्गत जापानी पद्धति से अर्जुन, सखुआ, शीशम, अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के 100 पौधे लगाए। क्लब के अध्यक्ष पंकज किशोर सिंह ने बताया कि मियावाकी तकनीक के माध्यम से कम स्थान में घना एवं प्राकृतिक वन विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सेंट फ्रांसिस लिटिल जीनियस स्कूल के परिसर में विद्यालय के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, वैशाली के दो विद्यालय में विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाटर कूलर, आरओ सिस्टम एवं वाटर टैंक का लोकार्पण किया गया। इस पहल की स्थानीय लोगों एवं विद्यालय परिवार ने सराहना की। रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी के अध्यक्ष रोटेरियन पंकज किशोर सिंह ने कहा कि क्लब ने अगले 60 दिनों में 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि रूट्स ऑफ होप परियोजना केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण देने का संकल्प है। प्रत्येक नागरिक को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। साथ ही उन्होंने ने प्रोजेक्ट चेयरमैन रो.मनीष सिंह एवं रो.विशाल कुमार की प्रशंसा की ।रोटेरियन अनंत अरोड़ा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। समाज और संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से ही हरित भविष्य का निर्माण संभव है। क्लब के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी अमित सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार जनहितकारी परियोजनाएँ संचालित कर रहा है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम में अध्यक्ष रोटेरियन पंकज किशोर सिंह, रोटेरियन अनंत अरोड़ा, कोषाध्यक्ष रोटेरियन जगन्नाथ कुमार, रो.कृष्ण कुमार यादव, एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी अमित सिंह, संयुक्त सचिव रोटेरियन अमित कुमार सिंह, रोटेरियन अंशु गौतम, रोटेरियन सचिन शर्मा, रोटेरियन विजय कुमार यादव, रोटेरियन शोभा शर्मा एवं विक्की साह सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बीएस कॉलेज की प्रांगण में राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दानापुर। नगर के अंतर्गत विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा रसायन विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से बी एस कॉलेज की प्रांगण में राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्राचार्य प्रो श्याम देव पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, पर्यावरण और राष्ट्र के समग्र विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा में रसायन विज्ञान की भूमिका विषयक प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक पोस्टरों के माध्यम से औषधि निर्माण, रोगों के निदान, टीकों के विकास तथा आधुनिक चिकित्सा में रसायन विज्ञान की अहम भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी वैज्ञानिक समझ और ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष शनीश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के शिक्षकों परशुराम राम, सोनम कुमारी एवं नीलिमा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्विज प्रतियोगिता के परिणाम में बंटी कुमार केशरी ने प्रथम, विकाश कुमार ने द्वितीय तथा रिचा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में 23 अक्टूबर से

पटना। एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया शाखा का वार्षिक अधिवेशन बेसिकॉन -2026 का आयोजन इस बार पटना के उर्जा ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। इस अधिवेशन का डिजिटल वेबसाइट एवं ऑनलाईन पंजीकरण आज से विधिवत शुरू किया जा रहा है। उक्त बातें एसोसिएशन के बिहार शाखा सचिव सह आईजीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल ने बुधवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहीं इस दौरान उन्होंने बताया कि इस बार ऑनलाईन पंजीकरण के माध्यम से शल्य चिकित्सक इस सम्मेलन के लिए अपने मोबाईल एवं कम्प्यूटर के माध्यम से ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों मोड़ में पंजीकरण कर सकते हैं। डॉ० मंडल ने बताया कि इस बार का अधिवेशन अभूतपूर्व एवं अद्वितीय होने वाला है ।बेसिकॉन -2026 का आयोजन आगामी 23 अक्टुबर से 25 अक्टुबर 2026 तक जिले के शास्त्रीनगर स्थित उर्जा ऑडिटोरियम, में किया जा रहा है।

7 अगस्त तक विभागीय पोर्टल रहेगा लाइव, अब गृह जिला छोड़कर पाँच जिलों का विकल्प चुन सकेंगे अमीन

●अमीनों के स्थानांतरण में पारदर्शिता और सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता : डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार पदस्थापन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और कर्मचारी हितैषी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत अमीनों को स्थानांतरण के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान करते हुए विभागीय पोर्टल को पुनः लाइव करने का निर्णय लिया गया है। माननीय मंत्री ने बताया कि अब अमीन 1 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर गृह जिला को छोड़कर पाँच जिलों का विकल्प दर्ज कर सकेंगे। इससे पहले तीन जिलों का विकल्प लिया गया था, लेकिन विभाग के अन्य संवर्गों के साथ पदस्थापन की प्रक्रिया में व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आने के कारण दो अतिरिक्त विकल्प देने का निर्णय लिया गया है। डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, ताकि प्रशासनिक आवश्यकताओं के साथ-साथ कर्मचारियों की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जा सके। उन्होंने सभी समाहताओं, अपर समाहताओं, भूमि सुधार उपसमाहताओं एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीनस्थ सभी अमीनों को निर्धारित अवधि के भीतर विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन विकल्प चयन करने के संबंध में समय पर सूचित करें, ताकि कोई भी पात्र अमीन इस अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि इससे पहले पहली बार राज्य में पारदर्शी तरीके से रेंडमाइज्ड कंप्यूटर सिस्टम से राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरण संपन्न किया गया है। माननीय मंत्री ने कहा कि विभाग डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग के माध्यम से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार विधान मंडल के सदस्यों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवेदीकरण एवं मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के कार्यान्वयन हेतु आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार विधान मंडल के माननीय सदस्यों के लिए सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार सरकार द्वारा अक पर संवेदीकरण तथा योजना एवं विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के प्रभावी संचालन, पारदर्शिता एवं सतत अनुश्रवण हेतु विकसित / संचालित के कार्यान्वयन से संबंधित प्रबोधन कार्यक्रम कल दिनांक-06 अगस्त, 2026 को बिहार विधान सभा के विस्तारित भवन स्थित 500 क्षमता वाले ऑडिटोरियम में 11:00 बजे पूर्वाह्न सेङ्क 2 बजे तक दो सत्रों में आयोजित किया जायेगा। सर्वप्रथम 11:00 बजे पूर्वाह्न में कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से किया जाएगा। तत्पश्चात माननीय अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार का स्वागत संबोधन होगा। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी द्वारा मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना से संबंधित वेब पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री भी इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों को संबोधित करेंगे। आज बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को सारी तैयारियां ससमय पूरी करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रही डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस युग में जनप्रतिनिधियों का नवीन तकनीकों एवं डिजिटल प्रशासनिक प्रणालियों से परिचित होना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से बिहार विधान मंडल के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित यह प्रबोधन कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी एवं प्रासंगिक साबित होगा। यह कार्यक्रम सदस्यों की तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ डिजिटल सुशासन, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं परिणामोन्मुख विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे विधायी दायित्वों के निर्वहन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच तकनीक आधारित समन्वय और अधिक प्रभावी बनेगा।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को लेकर रेलवे कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू करेगी

हाजीपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में सुपौल और नई दिल्ली के मध्य सहरसा-मानसी- खगड़िया-बरौनी-शाहपुर पटोरी-हाजीपुर-बलिया-गाजीपुर सिटी-वाराणसी-प्रयागराज के रास्ते गाड़ी संख्या 04072/04071 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल के परिचालन का निर्णय लिया गया है । इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 08 कोच, साधारण श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआरडी के 02 कोच सहित कुल 16 कोच होंगे । गाड़ी संख्या 04072 नई दिल्ली-सुपौल स्पेशल 06.08.2026 से 30.09.2026 तक प्रतिदिन को नई दिल्ली से 21.35 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए दूसरे दिन 20.53 बजे सोनपुर, 21.05 बजे हाजीपुर, 22.10 बजे शाहपुर पटोरी, तीसरे दिन 00.35 बजे बरौनी, 01.03 बजे बेगुसराय, 02.18 बजे खगड़िया, 02.40 बजे मानसी, 03.10 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 03.45 बजे सहरसा रूकते हुए 06.35 बजे सुपौल पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 04071 सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल 08.08.2026 से 02.10.2026 तक प्रतिदिन सुपौल से 07.45 बजे खुलकर 09.35 बजे सहरसा, 10.08 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 10.53 बजे मानसी,11.05 बजे खगड़िया, 11.38 बजे बेगुसराय, 12.20 बजे बरौनी, 13.30 बजे शाहपुर पटोरी, 14.50 बजे हाजीपुर, 15.05 बजे सोनपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

7 अगस्त को एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन एवं यूथ एजेंडा की ओर से 7 अगस्त 2026 को एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन फाउंडेशन परिषर गोविंदपुर पटना में किया जा रहा है । फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक व लाइफ लाइन ऑक्सीजन बैंक के सचिव शिशुपाल ने बताया कि हम लोग विगत कई वर्षों से शहीदों के सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे है । कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी के परिजन एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया जाता है साथ लोक कलाकारों की ओर से राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति किया जाता है । कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, पत्रकारो, समाज सेवक, वॉलेंट्रीयर को आमंत्रित किया गया है ।

CSR के तहत ऊर्जा सचिव अजय यादव ने 12 जिलों के आवासीय कन्या विद्यालयों को सौंपे 72 स्मार्ट टीवी

पटना। ऊर्जा सचिव एवं बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव (भा.प्र.से.) ने बुधवार को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत साउथ बिहार के 12 जिलों के अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय (+2) उच्च विद्यालयों के लिए 72 स्मार्ट टीवी सौंपे। उन्होंने स्मार्ट टीवी पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के निदेशक को प्रदान किए। इस अवसर पर साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री सौरव जोरवाल (भा.प्र.से.) भी उपस्थित रहे। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। कंपनी ने पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधीन संचालित 12 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय (+2) उच्च विद्यालयों को 65 इंच के कुल 72 स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए हैं। इस परियोजना पर कंपनी ने करीब 54 लाख रुपए खर्च किए हैं। इस योजना के अंतर्गत अरवल, पटना, भागलपुर, गया, जहानाबाद, कैमूर, मुंगेर, नालंदा, नवादा, रोहतास, शेखपुरा एवं औरंगाबाद जिले के विद्यालयों को 6-6 स्मार्ट टीवी दिए गए हैं। इन स्मार्ट टीवी के माध्यम से विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की सुविधा विकसित होगी और छात्राओं को आधुनिक डिजिटल शिक्षण सामग्री तक सीधी पहुंच मिलेगी। इसके साथ ही साथी प्रोजेक्ट के माध्यम से मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की ऑनलाइन तैयारी, विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा ई-लर्निंग कंटेंट का लाभ भी छात्राओं को मिलेगा। ऊर्जा सचिव एवं के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव (भा.प्र.से.) ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक का उपयोग विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने और उन्हें आधुनिक संसाधनों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उरफके माध्यम से एसबीपीडीसीएल की यह पहल छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने और डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास और डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता से छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा तथा वे आधुनिक शिक्षण प्रणाली से जुड़ सकेंगी। इस अवसर पर एसबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री सौरव जोरवाल (भा.प्र.से.) ने कहा कि कंपनी गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा उपलब्ध कराने के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

स्वराज पोस्ट अचिचवर्स कानक्लेव 2026 में रालोमो प्रवक्ता सिम्मी कुमारी सम्मानित

बिहटा । स्थानीय अम्हारा गाँव की बहू पूर्व जिला परिषद सदस्य व रालोमो के प्रदेश प्रवक्ता सिम्मी कुमारी को पटना में आयोजित स्वराज पोस्ट एचीवरस कॉन्क्लेव 2026 में सम्मानित किया गया । मौके पर बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने उन्हें उक्त सम्मान से सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम में बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रसाद, खाद्य उपभोक्ता मंत्री अशोक चौधरी सहित कई अतिथि और चिकित्सक गण उपस्थित थे। सिम्मी कुमारी ने आयोजक को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान हमें समाज सेवा क्षेत्र में और अधिक समर्पण निष्ठा के साथ काम करने में सबल प्रदान करेगी। इसके लिए सभी का शुक्रगुजार हूँ। वहीं बिहटा और अम्हारा सहित पूरे बिहार में सिम्मी कुमारी के चाहने वालों में खुशी की लहर है ।कई लोगों ने बधाई दी है इनमें वार्ड पार्षद 19 सन्नी कुमार, अमन राज, मनमोहन, हिमांशु, अशोक कुमार, साकेत कुमार, जितेंद्र कुमार ,सन्नी ,चीकू आदि शामिल है ।

अमीनों के स्थानांतरण में पारदर्शिता और सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता : मंत्री

■ 7 अगस्त तक विभागीय पोर्टल रहेगा लाइव, अब गृह जिला छोड़कर पाँच जिलों का विकल्प चुन सकेंगे अमीन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार पदस्थापन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और कर्मचारी हितैषी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत अमीनों को स्थानांतरण के लिए अतिरिक्त अवसर प्रदान करते हुए विभागीय पोर्टल को पुनः लाइव करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब अमीन 1 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर गृह जिला को छोड़कर पाँच जिलों का विकल्प दर्ज कर सकेंगे। इससे पहले तीन जिलों का विकल्प लिया गया था, लेकिन विभाग के अन्य संवर्गों के साथ पदस्थापन की प्रक्रिया में व्यावहारिक कठिनाइयाँ सामने आने के कारण दो अतिरिक्त विकल्प देने का निर्णय लिया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि सरकार की मंशा है कि स्थानांतरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, ताकि प्रशासनिक आवश्यकताओं के साथ-साथ कर्मचारियों की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जा सके। उन्होंने सभी समाहताओं, अपर समाहताओं, भूमि सुधार उपसमाहताओं एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधीनस्थ सभी अमीनों को निर्धारित अवधि के भीतर विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन विकल्प चयन करने के संबंध में समय पर सूचित करें, ताकि कोई भी पात्र अमीन इस अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि इससे पहले पहली बार राज्य में पारदर्शी तरीके से रेंडमाइज्ड कंप्यूटर सिस्टम से राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरण संपन्न किया गया है। उन्होंने कहा कि विभाग डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग के माध्यम से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

24 घंटे के अंदर योगदान नहीं देने वाले राजस्व कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने अंतर-जिला स्थानांतरित एवं पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा है कि जिन कर्मचारियों ने अब तक अपने नव पदस्थापित जिला में योगदान समर्पित नहीं किया है, वे अगले 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से योगदान दें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आदेश संख्या-298(4) दिनांक 14 जुलाई से, आदेश संख्या-326(4) 23.जुलाई तथा आदेश संख्या-336(4) 28 जुलाई के माध्यम से अंतर-जिला स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया गया था। इसके बावजूद कुछ राजस्व कर्मचारियों द्वारा अब तक योगदान नहीं किया गया है, जो विभागीय आदेशों की अवहेलना है। सचिव श्री जय सिंह ने स्पष्ट कहा कि 24 घंटे की निर्धारित अवधि के भीतर योगदान नहीं करने वाले राजस्व कर्मचारियों के विरुद्ध बिना किसी अतिरिक्त अवसर के विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। स्थानांतरण आदेशों की अवज्ञा को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभी जिला पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 24 घंटे की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद योगदान नहीं देने वाले कर्मचारियों की सूची विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सचिव श्री सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा प्रशासन को जवाबदेह, अनुशासित एवं जनोन्मुख बनाना है। इसलिए प्रत्येक राजस्व कर्मचारी का दायित्व है कि वह विभागीय आदेशों का समयबद्ध पालन करते हुए अपने नव पदस्थापित स्थल पर तत्काल योगदान समर्पित करें।

कृषि का भविष्य प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर निर्भर: श्रवण

■ बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के 17वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए ग्रामीण विकास मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है, तब जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग पर ही कृषि का भविष्य निर्भर करेगा। भागलपुर जिला स्थित सबौर का बिहार कृषि विश्वविद्यालय इन सभी क्षेत्रों में गंभीरता से काम कर रहा है। ये बातें ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कही। कार्यक्रम में कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और किसान के पवित्र संबंध को मजबूती देने में इस विश्वविद्यालय का बड़ा योगदान है। इसने ज्ञान को खेतों तक पहुंचाया और विज्ञान को किसानों का सच्चा साथी बनाया है। उन्होंने कहा कि 16 वर्ष किसी संस्थान के इतिहास में बहुत लंबा समय नहीं होता, लेकिन यदि मजबूत संकल्प, दूरदर्शी नेतृत्व और उद्देश्य किसान की सेवा हो तो 16 वर्ष भी इतिहास रच देते हैं।

विज्ञान और किसान के जुड़ने पर होगा परिवर्तन: मंत्री ने आगे कहा कि भारत की पहचान उसकी कृषि और किसान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का संकल्प दिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। सरकार की योजनाओं और संसाधनों में वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब विश्वविद्यालय का विज्ञान किसान की मेहनत से जुड़ता है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल सैयद अता हसनैन सह कुलाधिपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता, अनुशासन और उत्तरदायित्व की नई संस्कृति विकसित हुई है। यहां शिक्षा, अनुसंधान, कृषि प्रसार और किसान केंद्रित विकास की दिशा में उल्लेखनीय काम हुए हैं। आने वाले वर्षों में यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

ज्ञान को खेतों तक पहुंचाएं छात्र

छात्र-छात्राओं को विकसित बिहार का निमार्ता बताते हुए मंत्री ने कहा कि उनके हाथों में कल की कृषि है और विचारों में आने वाले भारत का भविष्य है। उन्होंने उनसे अपील की कि शिक्षा को सिर्फ नौकरी तक सीमित न रखें, बल्कि इसे गांवों और किसानों के बीच जाकर खेतों तक पहुंचाएं। यही सबसे बड़ी सफलता होगी। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, प्रिसिजन फार्मिंग, प्राकृतिक खेती, कृषि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह, डीन पी.जी.एस. डॉ संजय कुमार, प्राचार्य डॉ. रूबी रानी, सहित अतिथिगण, जनप्रतिनिधिगण, कुलसचिव, निदेशकगण, वैज्ञानिकगण, शिक्षकगण, कर्मचारीगण, किसान भाई-बहन, छात्र-छात्राएं, मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

हरित बिहार की ओर बढ़ रहे कदम, पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे जरूरी: मंत्री

■ 17 प्रतिशत हरित आवरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पौधरोपण के साथ जनजागरूकता अभियान होगा तेज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हरित बिहार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पौधरोपण के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाना समय की आवश्यकता है। वर्ष 2028 तक राज्य के हरित आवरण को 17 प्रतिशत तक पहुंचाने के लक्ष्य की प्राप्ति में आमजन की सक्रिय भागीदारी निर्णायक भूमिका निभाएगी। चतुर्थ कृषि रोड मैप में भी इसे प्रमुखता से शामिल किया गया है। ये बाते पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने बुधवार को पटना स्थित अरण्य भवन में 'जल-जीवन-हरियाली दिवस' के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान आज पौधशाला, कल वन–भविष्य का हरित निवेश' विषय पर जल-जीवन-हरियाली अभियान से जुड़े सभी 15 क्रियान्वयन विभागों के साथ विस्तृत परिचर्चा भी आयोजित की गई।

वित्तीय वर्ष 2012-13 से 2025-26 तक राज्यभर में 46.07 करोड़ पौधों का रोपण किया जा चुका है, जिसके परिणामस्वरूप बिहार का हरित आवरण बढ़कर 15.05 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने बताया कि तृतीय कृषि रोड मैप के तहत 15 प्रतिशत हरित आवरण का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है, जबकि चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) के तहत इसे बढ़ाकर 17 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिला व्यापक जनसमर्थन मंत्री ने बताया कि भारत सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान को बिहार में उल्लेखनीय जनसहयोग मिला है। मौके पर विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) अरविंदर सिंह, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक अभय कुमार, जल-जीवन-हरियाली मिशन के नोडल पदाधिकारी अमित कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के जल-जीवन-हरियाली मिशन के मिशन निदेशक सुमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

खेल संघों के सुझावों पर सरकार गंभीर, अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं के विकास पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में खेलों के समग्र विकास और खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने खेल संघों के साथ समन्वय बढ़ाने की पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में बुधवार को उद्योग विभाग स्थित विकास भवन में खेल विभाग की मंत्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में बिहार के विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खेल अवसंरचना के विस्तार, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी तथा आगामी खेल कैलेंडर को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की शुरूआत बिहार भारोत्तोलन संघ के साथ हुई, जिसमें प्रतिनिधियों ने आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं, खिलाड़ियों के लिए फर्स्ट एड एवं रिकवरी सेंटर तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप समर्पित वेटलिफ्टिंग हॉल के निर्माण की आवश्यकता रखी। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि वर्ष 2028 के कॉमनवेल्थ खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखकर राज्य में विश्वस्तरीय वेटलिफ्टिंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि खिलाड़ियों को अपने राज्य में ही उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिल सके।

वुशु को गांवों तक पहुंचाने की तैयारी: बिहार वुशु संघ के साथ हुई चर्चा में मंत्री ने राज्य के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उच्चस्तरीय प्रशिक्षकों के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पंचायत खेल क्लबों के माध्यम से वुशु जैसी विधाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक युवा इस खेल से जुड़ सकें।

2026-27 की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा: बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान खेल संघों की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की समीक्षा की गई। साथ ही वर्ष 2026-27 के खेल कैलेंडर, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी, प्रशिक्षण शिविरों के संचालन, प्रतिभा खोज अभियान, जिला स्तर से खिलाड़ियों के पारदर्शी चयन तथा बड़े खेल आयोजनों की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में खेल विभाग के सचिव दीपक आनंद, विभागीय अधिकारियों एवं विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मदरसा के संदर्भ में भाजपा नेता का उन्मादी भाषा कतई उचित नहीं : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के द्वारा मदरसा के संबंध में दिए गए वक्तव्य पर घोर आपत्ति प्रकट करते हुए कहा कि उनके इस तरह के वक्तव्य से यह स्पष्ट होता है कि बुनियादी शिक्षा और तालिमी माहौल से लोगों को दूर रखने के लिए ही भाजपा के नेता सोची समझी साजिश के तहत उत्तर प्रदेश में इस तरह के वातावरण का निर्माण चुनाव से पहले जानबूझ कर करना चाहती है, क्योंकि भाजपा जनता के आम जनों के मुद्दे से और बेहतर शिक्षा के माहौल से लोगों को दूर रखना चाहती है। एजाज ने आगे कहा की मदरसे से पढ़े भारत के कुछ महान विभूतियों के संदर्भ में जान लेते तो केशव प्रसाद मौर्य जैसे लोग इस तरह का वक्तव्य देने से पहले सौ बार सोचते उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के महान उर्दू हिंदी के महान कथाकार और उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद उर्दू-फारसी की प्रारंभिक शिक्षा मदरसा से ही प्राप्त की। उन्मादी भाषा इस्तेमाल कर भाजपा कहीं ना कहीं समाज में नफरत का वातावरण बनाकर राजनीतिक रोटी सीखना चाहती है और आम जनों को बुनियादी शिक्षा से वंचित रखना चाहती है यह कहीं से उचित नहीं है।

5 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगा बिहार युवा कांग्रेस का डिजिटल सदस्यता अभियान

पटना। बिहार युवा कांग्रेस के प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी रामाश्रय चौहान एवं जोनल निर्वाचन पदाधिकारी देवराज यादव ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार युवा कांग्रेस के सदस्यता अभियान एवं संगठनात्मक चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार युवा कांग्रेस का डिजिटल सदस्यता अभियान 5 अगस्त से प्रारंभ होकर 4 सितंबर तक चलेगा। इस अभियान के माध्यम से पूरे बिहार के 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए युवा कांग्रेस की सदस्य बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान राज्यव्यापी स्तर पर चलाया जाएगा। प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी रामाश्रय चौहान ने कहा कि सदस्यता अभियान के साथ-साथ युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू हो रही है। इस चुनाव के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव , जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्ष के पदों का निर्वाचन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस की चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह लोकतांत्रिक, पारदर्शी एवं डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे प्रत्येक पात्र सदस्य को मतदान एवं चुनाव लड़ने का समान अवसर मिलेगा।

भाकपा की गांव गाँव पदयात्रा 06 से 15 अगस्त तक

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत केंद्र व राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों, गिरती कानून व्यवस्था, बढ़ती महंगाई तथा बिहार सरकार की बुलडोजर नीति के खिलाफ 06 से 15 अगस्त 2026 तक बिहार के सभी गांव में पार्टी पदयात्रा निकालेगी। पद यात्रा की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस दौरान 01 सितंबर 2026 को दिल्ली में पार्टी द्वारा आयोजित बदलाव जरूरी है रैली की तैयारी भी चल रही है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि केन्द्र की भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार की कारपोरेट परस्त नीतियों तथा महंगाई से आम जनता त्रस्त है। बेरोजगारी तथा गलत शिक्षा नीति से छात्र और युवा परेशान है। आर.एस.एस और भाजपा सरकार की साम्प्रदायिक विभाजनकारी नीतियों से हमारा समाज लहूलुहान हो रहा है। विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं तथा एजेन्सियों को ध्वस्त कर उसे क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति का औजार बना दिया गया है, जिसके चलते लोकतंत्र तथा न्यायतंत्र खोखला हो रहा है।

एसआईपीपी के माध्यम से निवेशकों को मिलेगी गन्ना उद्योग प्रोत्साहन नीति की जानकारी: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने बुधवार को विकास भवन न्यू सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गन्ना निवेश प्रमोशन पोर्टल (एसआईपीपी) का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से गन्ना औद्योगिक क्षेत्र में रूची रखने वाले देश-विदेश के निवेशकों को गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति 2026 की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से निवेश प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनेगी। इस अवसर पर पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि गन्ना उद्योग विभाग द्वारा विकसित यह पोर्टल राज्य में चीनी मिलों, इथेनॉल, डिस्टिलरी इकाईयों, बिजली इकाईयों और कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्रों सहित गन्ना आधारित औद्योगिक इकाईयों की स्थापना पुनर्जीवित आधुनिकीकरण या विस्तार करने के इच्छुक संभावित निवेशकों की सहायता करने में एक डिजिटल प्लेटफार्म के रूप में मदद करेगा। इससे निवेश प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तेज होगी। बिहार शुगर, इथेनॉल, को-जनरेशन एवं कंप्रेस्ड बायोगैस उद्योगों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि बिहार गन्ना उद्योग निवेश संवर्धन नीति-2026 के तहत निवेशकों को कई आकर्षक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

नई शुगर मिलों की स्थापना के लिए 70 करोड़ रुपये तक आधार अनुदान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि गन्ना क्षेत्र विस्तार को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 10 रुपये प्रति क्विंटल की सहायता तथा निःशुल्क बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, सकरी, रैयाम और ससमूसा चीनी मिलों को पुनः संचालित करने की दिशा में राज्य सरकार प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। गन्ना उद्योग मंत्री ने देश-विदेश के निवेशकों से एसआईपीपी पोर्टल के माध्यम से बिहार में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि विभाग प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को समयबद्ध, पारदर्शी एवं निवेशक-अनुकूल वातावरण में आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर गन्ना उद्योग विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह, ईखायुक्त अनिल कुमार झा, संयुक्त ईखायुक्त, वेदव्रत, जनसंपर्क अधिकारी सत्येंद्र कुमार मांझी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मतधिकार की उम्र सीमा 16 वर्ष किया जाये: दीपंकर

पटना। बिहार में अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान सिवान पहुंचे भाकपा(माले) महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने बिहार बंद के दौरान 25 जुलाई को सिवान में पुलिस द्वारा गिरफ्तारी व बर्बर पिटाई के शिकार और आंदोलन के दबाव में रिहा व साजामुक्त हुए छात्र-युवा नेताओं पवन कुशवाहा, अरुण कुमार राम, विश्वकर्मा कुशवाहा व विशाल यादव को सम्मानित किया एवं उनसे मुलाकात की। उन्होंने कहा कि नीट-यूजीसी पेपर लीक के खिलाफ पिछले दिनों हुआ देशव्यापी जेन जी आंदोलन ने मोदी राज के अंत की शुरूआत कर दी है। आंदोलन के आगे मोदी सरकार का झुकना और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा तो महज झांकी है, देश के लोकतंत्र, संविधान, नागरिक अधिकार और शिक्षा तथा रोजगार पर हमला करनेवाली और साथ ही, मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और एनकाउंटर राज चलानेवाली सरकार के सरगना नरेंद्र मोदी और अमित साह को गद्दी से उतार फेंकना बाकी है।

संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से नीतीश कुमार की शिष्टाचार भेंट

■ दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान तथा जनसेवा के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच संसदीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता, संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा तथा जनहित एवं राष्ट्रहित से जुड़े समसामयिक विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक विचार-विमर्श हुआ। नीतीश कुमार ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला द्वारा सदन की गरिमा, संसदीय मयार्दाओं तथा लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाए रखने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। दोनों नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान तथा जनसेवा के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न यह शिष्टाचार भेंट भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ परंपराओं, संसदीय संवाद और राष्ट्रहित के प्रति साझा संकल्प का प्रतीक रही। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ललन सिंह, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा उपस्थित रहे।

पटना महानगर कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष, संगठनात्मक तैयारियों पर हुआ मंथन

■ 7 अगस्त को संत रविदास की 650वीं जयंती पर जिलों के लिए पवित्र कलश रवाना करेंगे मुख्यमंत्री : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के प्रदेश कार्यालय स्थित अटल सभागार में आज पटना महानगर के कार्यकताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। इस दौरान आगामी तिरंगा यात्रा, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के आयोजन, हाल ही में संपन्न बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की समीक्षा तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल चुनावी राजनीति तक सीमित संगठन नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और जनसेवा के मूल्यों पर आधारित एक सतत सक्रिय संगठन है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी 7 अगस्त को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर वाराणसी से लाए गए पवित्र कलश को बिहार के सभी जिलों के लिए रवाना करेंगे। ज्ञान भवन, पटना में आयोजित होने वाले विशेष समारोह में मुख्यमंत्री भाजपा के सभी जिला अध्यक्षों को यह पवित्र कलश सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद जिलों से मंडलों और मंडलों से गांव-गांव तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के जीवन, उनके सामाजिक समरसता, समानता, मानवता और सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संजय सरावगी ने कहा कि तिरंगा यात्रा भी राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक अभियान है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता इसे जनभागीदारी का उत्सव बनाते हुए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रही है। बैठक में हाल ही में संपन्न बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की विस्तृत समीक्षा भी की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक चुनाव संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करता है। कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी पहचान है। इस बैठक का संचालन महामंत्री सरोज रंजन पटेल ने किया। इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव, सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक एवं विधायक संजीव चौरसिया, प्रदेश महामंत्री राजेश झा, डॉ. प्रीति शेखर, धनराज शर्मा, जिला अध्यक्ष रूप नारायण मेहता सहित प्रदेश एवं महानगर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिवंगत डेहरी कार्यपालक पदाधिकारी की पत्नी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से की मुलाकात

■ मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को दी सांत्वना और हर हाल में न्याय दिलाने का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। दिवंगत डेहरी कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की पत्नी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और हर हाल में न्याय दिलाने का पूरा भरोसा दिया है।

साथ ही, इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाने और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजद का जनाधार और नेतृत्व दोनों संकट में : शंभूनाथ

पटना। प्रदेश जद यू प्रवक्ता शंभूनाथ सिन्हा ने आरजेडी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अपने अक्षम नेतृत्व के चलते राष्ट्रीय जनता दल अब राजनीतिक अवसान के कगार पर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब राजद पूरी तरह बिखर जाएगा। तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अपने माता-पिता की दी हुई राजनीतिक विरासत ने उन्हें अहंकारी बना दिया है। वो न तो अपने परिवार के साथ न्याय कर पाए और न ही पार्टी के साथ। जिसका परिणाम है कि बीते महीनों में पार्टी के कई कद्दावर नेताओं ने आरजेडी का साथ छोड़ दिया। उनकी पार्टी एवं कार्यकताओं को जब-जब तेजस्वी यादव की जरुरत महसूस हुई, उन्होंने न तो पार्टी का साथ दिया और न ही कार्यकताओं का। जनता के प्रति पूरी तरह पर गैर जिम्मेदार तेजस्वी यादव पिछले दिनों खत्म हुए विधानसभा के मानसून सत्र से पूरी तरह गायब रहे, ये दिखाता है कि वो जनता की समस्याओं को लेकर कितने अगंभीर हैं।

नाम परिवर्तन

क्रम संख्या: 895 दिनांक. 03/8/2026

मैं, शम्मी कुमारी, पत्नी विनय कुमार राय, आयु लगभग 46 वर्ष, निवासी ग्राम -रायघुरवा, डाक घर-बेत्तिया डिह, जिला-पश्चिम चंपारण, बिहार - 845438, निम्नलिखित कथन सत्यनिष्ठा एवं पूर्ण विश्वास के साथ शपथपूर्वक प्रस्तुत करती हूँ– कि मैं उपर्युक्त पते की स्थायी निवासी हूँ तथा जन्म से भारत की नागरिक हूँ। मेरा सही, वास्तविक एवं कानूनी नाम शम्मी कुमारी है, जो मेरे PAN कार्ड एवं आधार कार्ड में दर्ज है। मेरा आधार नंबर 549443349827 है। मेरे सभी प्रमाण-पत्रों एवं अन्य सार्वजनिक/आधिकारिक दस्तावेजों में मेरा नाम शम्मी राय दर्ज है। मैं स्पष्ट रूप से घोषणा एवं शपथपूर्वक कहती हूँ कि शम्मी कुमारी एवं शम्मी राय दोनों नाम एक ही व्यक्ति, अर्थात् मेरा ही प्रतिनिधित्व करते हैं। भविष्य में सभी कानूनी, आधिकारिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं सरकारी प्रयोजनों के लिए मेरा नाम शम्मी कुमारी ही माना एवं उपयोग किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सिंघिया बुजुर्ग के छात्र की उत्तराखंड में संदिग्ध मौत, परिजनों में मचा कोहराम

विभूतिपुर/समस्तीपुर। उत्तराखंड के गढ़वाल में उच्च शिक्षा ले रहे सिंघिया बुजुर्ग वार्ड संख्या 6 के 20 वर्षीय छात्र अनीश कुमार की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में जहां शोक की लहर दौड़ गई वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है मृतक अनीश कुमार मेधावी छात्र था।वह उत्तराखंड के प्रसिद्ध हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता वीरेंद्र कुमार महतो पेशे से शिक्षक हैं।अनीश की मौत की खबर मिलते ही माता संगीता कुमारी, छोटे भाई अश्विनी कुमार सहित परिजन रो -रो कर बेसुध हो रहे थे।वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण पीड़ित परिवार को सांत्वना देने में जुटे थे।फिलहाल मृतक का शव गांव नहीं पहुंचा है।

नियमों को ताक पर रख चल रहे अवैध कोचिंग संस्थान, कार्रवाई के लिए डीएम को दिया आवेदन

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के नरहन में सरकारी मानकों के विपरीत अवैध रूप से संचालित हो रहे निजी कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध पेशे से अधिवक्ता रंजीत कुमार ने समस्तीपुर जिला पदाधिकारी को एक लिखित आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।डीएम को सौंपे गए पत्र में अधिवक्ता ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में बिना किसी वैध रजिस्ट्रेशन और आवश्यक योग्यता के कोचिंग क्लास चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही मकान मालिक बिना किसी वैध किरायानामा के कोचिंग संचालकों को मकान आवंटित कर रहे हैं, जिससे नियमों का सरेआम उल्लंघन हो रहा है। आए दिन सोशल मीडिया के माध्यम से कोचिंग संचालकों और बच्चों के बीच होने वाले विवाद सामने आते रहते हैं। मकान मालिकों का नियंत्रण न होने के कारण किसी भी समय बड़ी अप्रिय घटना घटने की आशंका बनी रहती है, जिससे स्थानीय बच्चों में डर का माहौल है। अधिवक्ता ने डीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अनुमंडल पदाधिकारी रोसड़ा व विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी को भी भेजी है।

जल श्रमिक संघ की बैठक संपन्न,लिया कई निर्णय

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के खास टभका में जिला अध्यक्ष उमेश प्रसाद सहनी की अध्यक्षता में बिहार राज्य जल श्रमिक संघ की बैठक संपन्न हुई।बैठक में प्रदेश महासचिव रामबालक सहनी ने संघ के संविधान की जानकारी दी तथा आगामी 10 अगस्त को राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन में जिले से हजारों श्रमिकों के शामिल होने और 5000 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया।बैठक में उपस्थित लोगों ने 20 जुलाई के पेपर लीक मामले में दिल्ली में छात्रों के संसद मार्च और सीवान में एके-47 के प्रयोग की कड़े शब्दों में निंदा की। मौके पर जिला मंत्री छोटन कुमार सहनी, मंटून सहनी, कुंवर प्रसाद, रामविलास सहनी, लालो देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

10 महिला पर्यवेक्षिकाओं के बीच 15 सेक्टरों का आवंटन

विभूतिपुर/समस्तीपुर। बाल विकास परियोजना कार्यालय, विभूतिपुर में आंगनवाड़ी केंद्रों के सुचारू संचालन और बेहतर मॉनिटरिंग के लिए प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर के आदेश के आलोक में प्रखंड में 8 नई महिला पर्यवेक्षिकाओं की पदस्थापना की गई है।बदलाव के बाद वर्तमान में कार्यरत कुल 10 महिला पर्यवेक्षिकाओं के बीच प्रखंड के सभी 15 सेक्टरों का नए सिरे से आवंटन कर दिया गया है। रेखा कुमारी को कल्याणपुर उत्तर, मुस्तफापुर, विभा कुमारी को कल्याणपुर दक्षिण, टभका,अफसाना परवीन को महथी उत्तर,बोरिया,रेखा कुमारी को प्रभार कराई,चकहबीब,रोमा कुमारी को पतैलिया, साख मोहन,रेणु कुमारी को प्रभार गंगौली मंदा,खास टभका उत्तर,प्रीति कुमारी को सुरौली भुसवर,और प्रभार नरहन विभूतिपुर पूरब,सोनम प्रिया को सिंघिया बुजुर्ग उत्तर,आलमपुर कोदरिया,रिचा कुमारी को भरपुरा पटपारा,बेलसंडी तारा,सोनम प्रिया को प्रभार विभूतिपुर उत्तर,खास टभका दक्षिण,रेखा कुमारी को प्रभार महदपुर सकड़ा,चोरा टभका,नीतु कुमारी को महथी दक्षिण,सिंघिया बुजुर्ग दक्षिण, रजनी कुमारी को बाजिदपुर बम्बैया,महिषी और रेणु कुमारी को देशरी करंख पंचायत आवंटित किया गया है।बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को सख्त निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने आवंटित सेक्टर के अंतर्गत आने वाले सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित और गुणवत्तापूर्ण निरीक्षण व पर्यवेक्षण करें। इसके साथ ही, जांच के बाद तैयार की गई रिपोर्ट को समय पर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य किया गया है ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ धरातल पर सही ढंग से पहुंच सके इसकी प्रतिलिपि संबंधित को दी गई है।

हर्षोल्लास समारोह पूर्वक मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस एसडीएम दीपक कुमार

● बैठक आयोजित दिए गए कई आवश्यक दिशा निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाने व विधि व्यवस्था के मद्देनजर बुधवार को जयनगर अनुमण्डल कार्यलय परिसर स्थित एसडीएम कार्यलय कक्ष में एसडीएम दीपक कुमार के अध्यक्षता में एसएसबी और प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियो , विद्यालयों के प्रतिनिधियों व गणमान्य लोगो के साथ बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में ध्वजारोहण ,समय सारणी, मुख्य समारोह स्थल, साफ सफाई,रंग रोगन, विधिव्यवस्था, अन्य कार्यक्रम, समय सारणी, विधि व्यवस्था को लेकर उपस्थित लोगो से सुझाव लेते हुए विचार विर्मश कर सर्व सहमती कई अहम निर्णय लिए गए।ध्वजारोहण को लेकर झंडा को लेकर भी निर्देश देते हुए कहा गया कि झंडा फटा नहीं को साफ हो नियमानुसार ध्वजारोहण करने को दिशा निर्देश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के दिन डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यर्पण के साथ तय समय सारणी के तहत सरकारी और पदाधिकारियों के आवासीय कार्यलयों एवं विभिन्न जगहों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। चयनित विद्यालयों के छात्रों के द्वारा राष्ट्र गाण होगा। मुख्य समारोह स्थल अनुमण्डल कार्यलय परिसर होगा मंच संचालन विमल मस्करा और सुमन शर्मा संयुक्त रूप से करेंगे।पैरेड में विद्यालयों के छात्रगण भाग लेंगे और पैरेड को लेकर रिहर्सल कराया जाएगा। विध व्यवस्था को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।सुबह 07 बजे 01 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश बन्द रहेगा। समारोह पूर्वक हर्षोल्लास के साथ स्वंतत्रता दिवस मनाया जाएगा। बैठक में डीएसपी सदानन्द कुमार, सब रजिस्टार मिथलेश कुमार दास, डिप्टी कमांडेंट अमरनाथ गुप्ता, डिप्टी कमांडेंट हिमांशु मोहंती,अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी सौरभ कुमार, जेई सुनील कुमार, एमओ विपिन अंशु, मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, उप मुख्य पार्षद माला देवी, गौशाला सोसायटी सचिव कल्पना सिंह,अग्निशमन पदाधिकारी खुशबू कुमारी, एलएस अर्पणा कुमारी, एसडीएच प्रतिनिधि पल्लवी कुमारी, पीएचसी प्रतिनिधि प्रकाश कुमार, शम्भू कुमार, अनिरुद्ध ठाकुर, विमल मस्करा, राज कुमार सिंह, भूषण सिंह, कुमार राणा प्रताप सिंह,सुमन शर्मा, गुड्डू साह, सुभाष शर्मा, रंजीत पासवान, काली चरण, अनिल कुमार, लक्ष्मण कुमार,हरिहर महरा, सुनील कुमार समेत कई पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बघांत में युवक की हुई संदिग्ध मौत, पुलिस ने लाश को जब्त कर भेजा पोस्टमार्टम गृह

प्रात : किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा) ।थाना क्षेत्र के बघांत गांव के छरड़ा पट्टी टोला निवासी दया कांत यादव उम्र 48 वर्ष की मौत गत 4 अगस्त की देर शाम संदिग्ध हो गई। उसकी लाश घर से करीब आधा किलोमीटर दूर धान के खेत में पटवन के लिए गाड़े गए बोरिंग की झोपड़ी में मिली है। घटनास्थल पर पहुंचे उसके परिजनों द्वारा मिली सूचना पर वहां पहुंची मनीगाछी थाना की पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है। घटना की जानकारी पाकर एस डी पी ओ बेनीपुर वासुकी नाथ झा एवं एफ एस एल की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और आवश्यक साक्ष्यों का संग्रह कर इसकी तफ्तीश में जुट गई है। मनीगाछी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के अनुसार मृतक के शरीर पर कहीं भी किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। साथ ही इस संबंध में कोई साक्ष्य भी वहां नहीं पाए गए हैं।घटनास्थल का मुआयना कर रहे एस डी पी ओ बेनीपुर वासुकी नाथ झा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इसके कारणों के संबंध का खुलासा होगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में उसके परिजनों की ओर से किसी प्रकार का आवेदन नहीं दिया गया है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत खोए हुये मोबाइल को पुलिस ने कराया उपलब्ध

मनीगाछी(दरभंगा) ।बाजितपुर थाना क्षेत्र के माउंबेहट गांव निवासी हेमचंद्र झा के पुत्र पंडित झा को 6 माह पहले खोए मोबाइल को बुधवार को बाजितपुर थानाध्यक्ष ने मोबाइल धारक को उपलब्ध कराया। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत चलाए जा रहे इस कार्यक्रम में टेक्निकल सेल की मदद से इसका लोकेशन प्राप्त कर इसे रिकवर किया गया और सभी साक्ष्यों के आधार पर मूल मोबाइल धारक को बुधवार को उपलब्ध कराया गया है।

डीएम सीएच में कर्मचारी संघ का धरना 24वें दिन जारी, 6 अगस्त से भूख हड़ताल की घोषणा

दरभंगा। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, विशेष शाखा डीएमसीएच के बैनर तले अधीक्षक डॉ. जगदीश चन्द्र को पद से हटाने तथा डीएमसीएच की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चल रहा धरना-सत्याग्रह बुधवार को 24वें दिन भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल परिसर में जारी रहा। संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा एवं मंत्री अजय कुमार साह ने बताया कि स्थानीय स्तर की समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण 6 अगस्त से मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। संघ ने आरोप लगाया कि अधीक्षक की संवेदनहीनता के कारण कर्मचारियों को आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि महिला कर्मी संगीता कुमारी से संबंधित पत्र वापस नहीं लिया गया है, ब्लड बैंक से कथित अनियमितताओं से जुड़े कर्मियों को नहीं हटाया गया है, एसीपी बकाया का भुगतान लंबित है, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इंडोर सेवा शुरू नहीं की गई है तथा घूसखोरी, दलाली और वित्तीय अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। इन मामलों की जांच कर कार्रवाई की मांग स्वास्थ्य मंत्री से की गई है। धरना स्थल पर मो. जमील एवं रामानंद पासवान की संयुक्त अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई, जिसमें प्रकाश कुमार सहनी, अजय कुमार साह, रामावतार यादव, मधु महतो, बैद्यनाथ लाल देव, विजय कुमार, उषा कुमारी, संगीता कुमारी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने 6 अगस्त से प्रस्तावित भूख हड़ताल को सफल बनाने तथा मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया।

वैज्ञानिक तकनीक व उद्यमिता से बढ़ेगी मखाना किसानो की आय : विशेषज्ञ

● राइमा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर, वैज्ञानिको ने दी आधुनिक खेती, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के अंतर्गत क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (आरआरएस), झंझारपुर द्वारा बुधवार को मधुबनी जिले के राइमा गांव में मखाना उत्पादन एवं उद्यमिता विकास विषय पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 50 से अधिक किसानो ने भाग लिया।प्रशिक्षण में वैज्ञानिको ने मखाना की वैज्ञानिक खेती, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, आधुनिक उत्पादन तकनीक, पोषक तत्व एवं जल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा अधिक उत्पादन के उपायो की जानकारी दी। उन्होने बताया कि वैज्ञानिक तकनीको को अपनाने से उत्पादन लागत घटती है और उपज के साथ गुणवत्ता भी बढ़ती है। इस दौरान डॉ. संजय कुमार, डॉ. एस. के. गंगवार, डॉ. सुनील कुमार मंडल, डॉ. राहुल राजपूत एवं डॉ. आशीष राय ने मखाना फसल में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगो की पहचान, उनके नियंत्रण तथा समेकित कीट एवं रोग प्रबंधन (आईपीएम) की वैज्ञानिक जानकारी किसानो को दी। किसानो को नियमित फसल निरीक्षण और समय पर उपचार की भी सलाह दी गई। विशेषज्ञो ने कहा कि किसान केवल मखाना उत्पादन तक सीमित न रहे, बल्कि प्रसंस्करण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन के माध्यम से इसे लाभकारी उद्यम बना सकते है। साथ ही मखाना की खेती के साथ मछली पालन अपनाकर एक ही जलाशय से दोहरी आय प्राप्त की जा सकती है।प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने मखाना उत्पादन से जुड़ी समस्याओं और जिज्ञासाओं को वैज्ञानिको के समक्ष रखा, जिनका विशेषज्ञो ने व्यावहारिक समाधान बताया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों, पंचायत प्रतिनिधियो एवं स्थानीय गणमान्य लोगो ने भी भाग लिया। समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने किसानो से आधुनिक कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा मूल्य संवर्धन को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मखाना आधारित उद्यमिता और एकीकृत कृषि प्रणाली किसानो की आय बढ़ाने के साथ उन्हे आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक-पठन मानव मस्तिष्क को एकाग्रता के साथ गहन चिंतन की शक्ति भी प्रदान करता है : प्रो. मुश्ताक अहमद

दरभंगा। सीएम. कॉलेज, दरभंगा में नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी), इंडिया द्वारा आयोजित पांच दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का बुधवार को शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद ने कहा कि पुस्तक-पठन मानव मस्तिष्क को एकाग्रता के साथ गहन चिंतन और विचार-शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में भी पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।उन्होंने बताया कि 5 से 10 अगस्त 2026 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में साहित्य, विज्ञान, इतिहास सहित विभिन्न विषयों की हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मैथिली एवं अन्य भाषाओं की सैकड़ों मौलिक और अनूदित पुस्तकें उपलब्ध हैं। प्रो. अहमद ने कॉलेज में इस आयोजन के लिए एनबीटी तथा बिहार प्रभारी मोहम्मद महफूज आलम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. श्रीवास्तव, डॉ. अबसार आलम, डॉ. विजय सेन पांडेय, डॉ. मिर्जा रूहुल्लाह बेग, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. राठौर, डॉ. डेनिस शाह, डॉ. सरिता भवानी, डॉ. मसर्रत फैजी और डॉ. पूनम कुमारी सहित अन्य शिक्षकों ने पुस्तक प्रदर्शनी की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। अंत में एनबीटी के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद महफूज आलम ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसएसबी, एसटीएफ व साहरघाट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 200 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

भारत-नेपाल सीमा से सटे राइमा गांव में हुई कार्रवाई, तस्करी नेटवर्क की जांच जारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर ने बिहार पुलिस एसटीएफ (पटना) एवं साहरघाट थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 200 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक मोबाइल फोन, 300 नकद तथा आधार कार्ड भी बरामद किया गया।एसएसबी के अनुसार यह कार्रवाई 4 अगस्त को सीमा स्तंभ संख्या 291/14 से लगभग 6.3 किलोमीटर भारतीय क्षेत्र अंतर्गत राइमा गांव में की गई। विश्वसनीय सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर विशेष तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान चार पैकेटो में पैक कुल 200 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसके बाद एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपी राइमा गांव, थाना साहरघाट, जिला मधुबनी का निवासी बताया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में यह जानकारी सामने आई है कि बरामद मादक पदार्थ नेपाल से भारत लाया गया था और स्थानीय स्तर पर इसकी आपूर्ति की जानी थी। मामले में तस्करी नेटवर्क तथा सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।बरामद ब्राउन शुगर, मोबाइल फोन, नकदी एवं अन्य दस्तावेजों को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए साहरघाट थाना को सुपुर्द किया जा रहा है।48वीं वाहिनी एसएसबी, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने संयुक्त अभियान में शामिल सभी अधिकारियों एवं जवानों की सराहना करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों, हथियारो, नकली भारतीय मुद्रा, शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियो के विरुद्ध एसएसबी पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ लगातार अभियान चला रही है। उन्होने सीमावर्ती क्षेत्र के लोगो से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल एसएसबी अथवा स्थानीय पुलिस को देने की अपील की है।

जयनगर के बरही पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजित, कई आवेदनो का किया गया निष्पादन

मधुबनी। जयनगर प्रखंड क्षेत्र के बरही पंचायत में मंगलवार को सहयोग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन बीडीओ राजीव रंजन कुमार ने किया। शिविर में प्रखण्ड के विभिन्न विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और लाभ पहुंचना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओ से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, श्रम , राजस्व भूमि सुधार, अंचल, प्रखण्ड, आवास, स्वच्छता, जीविका,ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, श्रम, मनरेगा, बिजली, खाद , आसीडीएस समेत कई विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियो ने ग्रामीणो को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।इस दौरान ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं एवं जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर लाभुकों को राहत प्रदान की गई, जबकि अन्य आवेदनो को संबंधित विभागों को अग्रसारित कर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। शिविर में पहुंचे लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की। बीडीओ राजीव रंजन कुमार ने कहा कि सरकार व विभाग की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसी उद्देश्य से पंचायत स्तर पर सहयोग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही किया जा सके। उन्होने कहा कि प्रशासन आम जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है तथा प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।प्रशासन आम लोगों की सुरक्षा और सहायता के लिए हमेशा तत्पर है। उन्होंने लोगों से साइबर अपराध, नशा मुक्ति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। साथ ही किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं, अनुदान, बीज वितरण एवं आधुनिक खेती की तकनीकों की जानकारी दी। वहीं जीविका, स्वास्थ्य, श्रम, कृषि, आसीडीएस, पशु , वेटनरी, राजस्व, बिजली समेत अन्य विभागीय पदाधिकारीयो व कर्मियों ने भी अपने-अपने विभाग की योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी साझा की।

बांकीपुर की जीत बिहार की राजनीति की नई दिशा तय करेगी : डॉ. शोएब अहमद खान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जन सुराज पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. शोएब अहमद खान ने बांकीपुर समेत पूरे बिहार की जनता को बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक जनादेश बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि बिहार के बेहतर भविष्य और बदलाव की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण मोड़ है। डॉ. खान ने कार्यकताओं और आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता ने विकास, रोजगार और बेहतर व्यवस्था के पक्ष में अपना समर्थन देकर स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश आने वाले समय में बिहार की राजनीति की दिशा तय करेगा और जन सुराज का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जन सुराज का उद्देश्य बिहार से भय, गरीबी और बदहाली को समाप्त कर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य का निर्माण करना है। जनता ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ पार्टी की नीतियों का समर्थन किया है, उसकी गूंज पूरे राज्य में सुनाई दे रही है। इस अवसर पर स्थानीय नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी तथा इसे बिहार में नई राजनीतिक शुरूआत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

एलएनएमयू का 54वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया, शिक्षा, शोध व नवाचार पर दिया गया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (एलएनएमयू), दरभंगा का 54वां स्थापना दिवस बुधवार को जुबिली हॉल में भव्य समारोह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के कुलपति प्रो. बिमलेन्दु शेखर झा तथा विशिष्ट अतिथि बिहार सरकार के उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. नवीन कुमार अग्रवाल थे। समारोह में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. एच.के. सिंह, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. दिलीप कुमार चौधरी, डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कुमार मेहता, कुलसचिव डॉ. दिव्या रानी हंसदा एवं अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन तथा संगीत एवं नाट्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति से हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी कुलपति प्रो. अशोक कुमार मेहता ने कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी का संदेश पढ़ा। संदेश में कहा गया कि विश्वविद्यालय ने पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस दौरान 426 से अधिक नए शिक्षकों की नियुक्ति हुई है तथा शिक्षकों की प्रोन्नति की प्रक्रिया भी जारी है। सामाजिक विज्ञान के लिए नया शैक्षणिक भवन, खेल निदेशालय और 150 छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण हो रहा है। इसी सत्र से फॉरेंसिक साइंस की पढ़ाई शुरू की जा रही है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शोध, नवाचार, उद्यमिता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्य अतिथि प्रो. बिमलेन्दु शेखर झा ने विश्वविद्यालय की स्थापना के इतिहास और अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि किसी भी राज्य का विकास शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत युवाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य है और विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत के साथ अधिक से अधिक एमओयू कर समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देना चाहिए। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा को अधिक लचीला, बहुविषयक और रोजगारोन्मुख बनाया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नवाचार और व्यक्तित्व विकास भी है। समारोह में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका राय तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. विजय कुमार यादव ने किया।

पंचायतों में आयोजित सहयोग शिविर सरकार व जनता के बीच भरोसे का मजबूत स्तंभ : ईश्वर मंडल

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविरों में दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने बुधवार को दरभंगा सदर प्रखंड के अतिहर एवं खुटवाड़ा पंचायत तथा मनीगाछी प्रखंड के भंडारीसम एवं जगदीशपुर पंचायत में आयोजित शिविरों में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक श्री मंडल ने कहा कि बिहार सरकार प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। सहयोग शिविरों के माध्यम से लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से समाधान करना है। किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। श्री मंडल ने शिविर में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समन्वित प्रयास से ही सरकार के प्रति जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भूमि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य जनहित से जुड़े मामलों में आवेदन दिए। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन का भरोसा अधिकारियों द्वारा दिया गया।विधायक श्री मंडल ने उपस्थित ग्रामीणों से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के समाधान के लिए सहयोग शिविरों का सक्रिय रूप से उपयोग करने की अपील की।

तालाब में डूबने से अधेड़ की हुई मौत

बेनीपुर(दरभंगा)। प्रखंड क्षेत्र की देवराम अमैठी पंचायत अंतर्गत रामनगर गांव में तालाब में डूबने से एक 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान इंदर सदा के रूप में हुई है। घटना नमती-अमैठी मुख्य मार्ग के समीप स्थित तालाब की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, इंदर सदा पशुओं के लिए चारा काटने गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने या किसी अन्य कारण से वे तालाब में गिर गए और गहरे पानी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना बहेरा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर बहेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) भेज दिया गया। बहेरा थाना के एसआई दीपक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तालाब में डूबने से मौत की बात सामने आई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सहयोग शिविर में सुनी गई लोगों की समस्याएं, 57 आवेदन जमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा) ।बेनीपुर प्रखंड की माधोपुर एवं जरिसो पंचायत में बुधवार को आयोजित सहयोग शिविर में बरसात के कारण लोगों की उपस्थिति कम रही। बारिश के चलते दोनों पंचायतों में कुल 57 आवेदन ही जमा किए गए। जानकारी के अनुसार, माधोपुर पंचायत में आयोजित शिविर में 17 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि जरिसो पंचायत में 40 लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जमा किए। हालांकि, लगातार हो रही बारिश के कारण अपेक्षाकृत कम संख्या में लोग शिविर तक पहुंच सके। शिविर में स्थानीय विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी, प्रखंड प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार राय, अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार झा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बासुकीनाथ झा, थानाध्यक्ष पंकज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बीपीआरओ सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं से जुड़े आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही।

कांटी के सहयोग शिविर का डीएम ने किया निरीक्षण विद्यालय परिसर में किया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने बुधवार को कांटी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज मानिकपुर नरोत्तम स्थित मध्य विद्यालय श्रीसियाँ के प्रांगण में आयोजित ह्यसहयोग शिविरह्न का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से भी बातचीत कर योजनाओं के लाभ और उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम लोगों की शिकायतों एवं आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मध्य विद्यालय श्रीसियां परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान जिला एवं प्रखंड स्तर के कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

तिमुल डेयरी प्लांट का डीएम कुमार गौरव ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव ने बुधवार को तिरहुत दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट में दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों से डेयरी संचालन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली और दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अपनाई जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्लांट में स्वच्छता, तकनीकी संचालन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं तक उच्च गुणवत्ता वाला दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद समय पर उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण की पूरी प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों और उपभोक्ताओं दोनों का विश्वास कायम रहे। निरीक्षण के दौरान तिमुल के अधिकारियों ने जिलाधिकारी को डेयरी प्लांट की कार्यप्रणाली, दुग्ध संग्रहण क्षमता, प्रसंस्करण व्यवस्था तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की विस्तृत जानकारी भी दी।

पुलिस की छापेमारी में 211 लीटर से अधिक विदेशी शराब बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के बाघाखाल गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पुराने घर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार, बाघाखाल स्थित एक पुराने और बंद पड़े घर में अवैध रूप से विदेशी शराब का भंडारण किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। तलाशी के दौरान विभिन्न ब्रांडों की कुल 211.275 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई, जिसे जब्त कर थाना लाया गया। गायघाट पुलिस ने बताया कि मामले में शराब तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद शराब किसकी है और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

शिवदास घोष की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा में समाजवादी क्रांति के लक्ष्य पर आगे बढ़ने का आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। इस युग के महान मार्क्सवादी दार्शनिक, क्रांतिकारी चिंतक एवं एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के वैचारिक मार्गदर्शक शिवदास घोष के स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को पार्टी के जिला कार्यालय, मोतीझील, मुजफ्फरपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी ध्वजारोहण तथा कॉमरेड शिवदास घोष के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर राज्य कमिटी सदस्य अर्जुन कुमार ने कहा कि कॉमरेड शिवदास घोष ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से शोषण, अन्याय और पूंजीवादी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष का वैज्ञानिक एवं क्रांतिकारी मार्ग दिखाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूंजीवादी शोषण से आम जनता की वास्तविक मुक्ति केवल समाजवादी क्रांति के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि जब तक पूंजीवादी व्यवस्था कायम रहेगी, तब तक महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, सांप्रदायिकता, अश्लीलता, महिलाओं पर हिंसा तथा सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं समाप्त नहीं होंगी। संसदीय राजनीति इन जटिल समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती। इसलिए आज के दिन प्रत्येक कार्यकर्ता को व्यक्तिवाद और स्वार्थ से ऊपर उठकर जनहित के लिए संगठित, अनुशासित एवं निरंतर संघर्ष का संकल्प लेना होगा तथा पूंजीवाद-विरोधी समाजवादी क्रांति के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए स्वयं को समर्पित करना होगा श्रद्धांजलि कार्यक्रम के उपरांत पटना में आयोजित राज्यस्तरीय स्मृति सभा में भाग लेने के लिए मुजफ्फरपुर जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता रवाना हुए। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर जिला कमिटी (नगर) के सचिव अमन कुमार झा, लोकल कमिटी, नगर के सचिव अरविंद कुमार, काशीनाथ साहनी, प्रेम कुमार ठाकुर, शिव बालक कुमार, विजय कुमार, शिव कुमार, गौरव कुमार, प्रिंस कुमार, प्रियांशु कुमार, कंचन कुमारी, रूपा कुमारी, आशुतोष कुमार, शाहिद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

साइबर थाना पुलिस ने बीमा कराने के नाम पर ठगी के तीन लाख रुपए कराया वापस

मुजफ्फरपुर। साइबर थाने की पुलिस ने एक व्यक्ति से बीमा कराने के नाम पर साइबर अपराधियों द्वारा ठगी किए गये तीन लाख रुपये वापस कराया है। घटना के बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के कारण ठगों के खाते में पहुंची पूरी रकम को होल्ड कराया था और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित के बैंक खाते में वापस भेज दिया गया।सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले अशोक कुमार राय ने 29 जून को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 3 लाख रुपए की साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि एक निजी इंश्योरेंस कंपनी के नाम पर बीमा कराने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने उनसे 3 लाख रुपए की ठगी कर ली।शिकायत मिलते ही साइबर थाना पुलिस सक्रिय हो गई। बैंक खातों की पहचान की गई, जिनमें ठगी की रकम भेजी गई थी। साइबर पुलिस ने तत्काल संबंधित बैंक से राशि को होल्ड कराया। ऐसा समय से शिकायत करने के कारण किया जा सका। पुलिस का मानना है कि यदि साइबर ठगी का शिकार होने के तुरंत बाद शिकायत दर्ज कराई जाए तो राशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।साइबर डीएसपी ने आम लोगों से अपील की कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन ठगी होती है तो वह बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। जितनी जल्दी शिकायत दर्ज होगी, उतनी ही अधिक संभावना रहती है कि ठगी की रकम को फ्रीज कर पीड़ित को वापस कराया जा सके।साइबर पुलिस ने लोगों को अनजान कॉल, फर्जी इंश्योरेंस ऑफर, निवेश योजनाओं और किसी भी तरह के लालच देने वाले ऑनलाइन प्रस्तावों से सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही कहा है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंक खाते, ओटीपी, यूपीआई पिन या अन्य गोपनीय वित्तीय जानकारी साझा न करें।

उत्तर बिहार के जिलों में अगले 5 दिनों तक हल्की बारिश की संभावना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी 5 से 9 अगस्त तक के मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में इस अवधि के दौरान मेघगर्जन, वज्रपात तथा तेज हवा चलने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार वैशाली, मधुबनी, शिवहर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा एवं मुजफ्फरपुर जिलों में 5 से 7 अगस्त के बीच मेघगर्जन एवं वज्रपात की आशंका है। वहीं अन्य जिलों में भी पूरे पूर्वानुमान अवधि के दौरान ऐसी मौसमी परिस्थितियाँ बन सकती हैं। इस दौरान हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है, जबकि 5 अगस्त के आसपास सीवान, शिवहर, सीतामढ़ी तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है। पूर्वानुमान अवधि में अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा मुख्यतः पूर्वी एवं दक्षिणी दिशा से 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी गई है कि धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए मौसम साफ रहने पर ही ब्यूटाक्लोर, प्रीटिलाक्लोर अथवा पेंडीमेथालिन का अनुशंसित मात्रा में छिड़काव करें। मिश्रीकंद की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली ऊंची भूमि का चयन कर राजेन्द्र मिश्रीकंद-1 एवं राजेन्द्र मिश्रीकंद-2 किस्मों की बुआई करने की सलाह दी गई है। साथ ही संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं निर्धारित समय पर टॉप ड्रेसिंग करने की अनुशंसा की गई है। खरीफ प्याज की रोपाई अगस्त माह में ही पूरी करने, खेत की तैयारी में सड़ी गोबर की खाद का उपयोग करने, पौधशाला को खरपतवार मुक्त रखने तथा तेज धूप से बचाव के लिए शेड नेट लगाने की सलाह भी किसानों को दी गई है। किसानों से अपील की गई है कि मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्य करें तथा मेघगर्जन एवं वज्रपात के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें।

अपहृत युवती सकुशल बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवती को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।थानाध्यक्ष जेपी गुप्ता ने बताया कि गायघाट थाना कांड संख्या 225/26 दिनांक 23 जुलाई 2026 में धारा 137(2) बीएनएस के तहत दर्ज मामले की युवती को पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है।

रील्स का जानलेवा जुनून, उत्तर बिहार में 48 माह में 22 से अधिक युवाओं की गई जान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सोशल मीडिया पर रातों-रात लोकप्रिय होने की चाहत अब युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो रही है। उत्तर बिहार के कई जिलों में रील बनाने के दौरान चलती ट्रेन, नदी, पुल और हाईवे पर स्टंट करने जैसी खतरनाक गतिविधियों के कारण पिछले 48 महीनों में 22 से अधिक युवाओं की मौत हो चुकी है। मुजफ्फरपुर, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी और रक्सौल सहित कई क्षेत्रों में ऐसे हादसे लगातार सामने आए हैं। हाल के वर्षों में कई दर्दनाक घटनाओं ने इस बढ़ते खतरे की ओर ध्यान खींचा है। जनवरी 2026 में पश्चिमी चंपारण के साठी स्टेशन के पास अमृत भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई थी। इसी तरह समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और अन्य जिलों में भी रेलवे ट्रैक, पुल और सड़कों पर रील बनाने के दौरान कई युवाओं ने अपनी जान गंवाई। मनोचिकित्सक डॉ. ए.के. झा के अनुसार, सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स और हार्ट इमोजी मस्तिष्क में डोपामाइन का स्राव बढ़ाते हैं, जिससे युवाओं में बार-बार जोखिम उठाने की प्रवृत्ति विकसित हो सकती है। उन्होंने कहा कि अधिक लाइक्स पाने की चाह में कई युवा खतरे को नजरअंदाज कर देते हैं और यही मानसिकता हादसों का कारण बनती है। साइबर विशेषज्ञ एवं अधिवक्ता अनिकेत पीयूष ने युवाओं को सोशल मीडिया से समय-समय पर दूरी बनाने, जोखिम भरे स्थानों पर वीडियो न बनाने और खेल, संगीत तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में समय देने की सलाह दी। उनका कहना है कि कुछ सेकंड की ऑनलाइन लोकप्रियता के लिए जीवन को खतरे में डालना उचित नहीं है। मुजफ्फरपुर में भी सार्वजनिक स्थानों पर रील बनाने के कई चर्चित मामले सामने आ चुके हैं। सिटी पार्क में हथियार जैसी दिखने वाली वस्तु के साथ वीडियो, कचहरी परिसर में पेशी के दौरान रील, पुलिस वाहन में वीडियो और हाईस्पीड बाइक पर स्टंट जैसे मामलों में पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। पताही एयरपोर्ट, संगम घाट रेलवे पुल, अखाड़ाघाट पुल, न्यू बाइपास, सिटी पार्क तथा फोरलेन सड़कों को रील बनाने के लिहाज से संवेदनशील स्थान माना जा रहा है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, रेलवे ट्रैक, पुलों और सड़कों पर जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर है। ऐसे मामलों में वीडियो हटाने के साथ-साथ सार्वजनिक उपद्रव और जान जोखिम में डालने से संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि अभिभावकों को बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखनी चाहिए, घर में मोबाइल उपयोग के लिए अनुशासन तय करना चाहिए और सोशल मीडिया की बजाय वास्तविक जीवन की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। उनका मानना है कि समय रहते जागरूकता और सतर्कता ही इस बढ़ते डिजिटल खतरे को कम कर सकती है।

शिक्षक मोहम्मद शमीम के निधन से शोक की लहर, जनाजे में उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिले के सकरा प्रखंड के गंज गौरिहार निवासी शिक्षक मास्टर मोहम्मद शमीम के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। मोहम्मद शमीम के जनाजे में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। जनाजे में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष शाह आलम, शब्बू, पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक फरोग अहमद अता, पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक नसीबुल हक, मोहम्मद खुर्शीद आलम, फराज अनवर, वार्ड सदस्य मोहम्मद परवेज आलम, एसडीओ जीशान दानिश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मौजूद लोगों ने दिवंगत शिक्षक के व्यक्तित्व और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि मोहम्मद शमीम एक समर्पित, सरल और कर्मठ शिक्षक थे। उनके निधन से शिक्षा जगत और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। जनाजे में शामिल लोगों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत की मगफिरत और परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की दुआ की।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुराल वाले घर छोड़ कर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।हथौड़ी थाना क्षेत्र के बलूहा गांव में मंगलवार की शाम एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका की पहचान धीरज कुमार की 20 वर्षीय पत्नी अमृता कुमारी के रूप में हुई है। घटना के वक्त मृतका का शव घर के एक कमरे में पड़ा मिला। वारदात के बाद से ही ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़कर फरार हैं।मृतका के मायके वालों का आरोप है कि अमृता की गला घोंटकर हत्या की गई है। परिजनों का कहना है कि महज एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी और वह गर्भवती भी थी। शादी के बाद से ही ससुराल के लोग उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने कमरे और आसपास के इलाके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। फॉरेंसिक की टीम ने मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। मृतका के परिजनों के लिखित आवेदन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाट्य संवाद में सम्मानित हुए वरिष्ठ नाट्य अभिनेता अरुण कुमार वर्मा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सरला श्रीवास सोशल कल्चरल रिसर्च फाउंडेशन की ओर से मालीघाट चूना भट्टी रोड में वरिष्ठ रंगकर्मी कामेश्वर प्रसाद दिनेश की अध्यक्षता में नाट्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार राज्य जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा विकल्प की मालीघाट इकाई के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नाट्य अभिनेता अरुण कुमार वर्मा को रंगमंच के क्षेत्र में उनके लगभग 47 वर्षों के उल्लेखनीय योगदान के लिए अंगवस्त्र एवं लीचीया लाले लाल पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। 77 वर्षीय अरुण कुमार वर्मा, मीठनपुरा , मुजफ्फरपुर के निवासी हैं। वे मुखर्जी सेमिनरी तथा एल.एस. कॉलेज के छात्र रहे हैं और लगभग 29 वर्ष की आयु से रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने लंबे नाट्य जीवन में 500 से अधिक मंच प्रस्तुतियाँ दी हैं। उन्होंने ह्लमशीनह्व से अपने रंगमंचीय सफर की शुरूआत की। इसके बाद गाँव से शहर तक में मुख्य भूमिका, समरथ को नहीं दोष गोसाई में जमुरा, हत्यारे, सवा शेर गेहूँ, जंगी राम की हवेली, सड़क पर पागल, एक मुट्ठी भात इंकलाब ज़िंदाबाद, कफन तथा छः पैसा का रुपया सहित अनेक चर्चित नाटकों में प्रभावशाली अभिनय किया है।

नरकटियागंज पनियहवा रेलखंड पर 7 घंटे का मेगा पावर ब्लॉक, कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। समस्तीपुर रेल मंडल के अंतर्गत नरकटियागंज जंक्शनझ्र पनियहवा रेलखंड पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। हरिनगर और भैरोगंज स्टेशनों के बीच स्थित रेलवे पुल पर कटिंग एवं कनेक्शन कार्य के लिए रेलवे ने सात घंटे का विशेष मेगा ट्रैफिक सह पावर ब्लॉक लिया है। रेलवे के अनुसार पावर ब्लॉक की अवधि के दौरान संबंधित रेलखंड पर किसी भी ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तकनीकी कार्य पूरा होने तक इस मार्ग पर रेल यातायात पूरी तरह स्थगित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह कार्य रेल संरचना को अधिक सुरक्षित बनाने और भविष्य में परिचालन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य पूरा होने के बाद इस रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन और अधिक सुचारू रूप से किया जा सकेगा। पावर ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। ट्रेन संख्या 04013 लौकहा बाजारझ्रआनंद विहार टर्मिनल स्पेशल अपने प्रारंभिक स्टेशन से दो घंटे की देरी से रवाना होगी। वहीं 19038 बरौनीझ्रबांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस बरौनी जंक्शन से एक घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी। इसके अलावा 19726 दरभंगाझ्रखातीपुरा एक्सप्रेस तथा 15273 रक्सौलझ्र आनंद विहार टर्मिनल सत्याग्रह एक्सप्रेस को रक्सौलझ्रनरकटियागंज रेलखंड के बीच लगभग 45 मिनट तक नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन का नवीनतम समय अवश्य जांच लें। किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए यात्री स्टेशन पूछताछ काउंटर, रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा रेलवे के आधिकारिक ऑनलाइन माध्यमों से ट्रेनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर ने साइकिल सवार बच्चों को रौंदा, एक की हालत गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के हथौड़ी थाना क्षेत्र के भुताने चक्की के पास मिट्टी लदे ट्रैक्टर और साइकिल में सीधी भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में साइकिल सवार दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को आनन-फानन में इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। घायलों की पहचान बराई गांव निवासी 12 वर्षीय आर्यन और 13 वर्षीय विक्रम के रूप में हुई है। बचने के लिए सड़क से नीचे उतारी थी साइकिल घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनों बच्चे साइकिल पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में मिट्टी लदा ट्रैक्टर आ गया। ट्रैक्टर की रफ्तार देख बच्चों ने बचाव के लिए अपनी साइकिल सड़क से नीचे उतार ली। हालांकि, अनियंत्रित ट्रैक्टर भी उसी दिशा में उतर गया और दोनों बच्चों को चपेट में ले लिया।हादसे के तुरंत बाद चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए भाग रहे ट्रैक्टर को खदेड़कर जब्त कर लिया। हादसे के बाद पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की द्वितीय बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर। जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित सभागार में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ,अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की आयोजित की गई। बैठक मे विधायक बेबी कुमारी, एसएसपी ,कांतेश कुमार मिश्रा उप विकास आयुक्त निशांत सिहारा, सुधीर कुमार सिन्हा अपर समाहत्ता, विधि-व्यवस्था, अपर समाहर्त्ता (लोक शिकायत निवारण), जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमण्डल पदाधिकारी, पूर्वी/पश्चिमी सहित अन्य पदाधिकारी तथा समिति के सदस्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि अत्याचार का सम्पूर्ण निवारण एवं पीड़ितों को त्वरित गति से न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को इसके प्रति सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहने का निदेश दिया। साथ ही उन्होंने सभी स्टेकहोल्डर्स को इसके लिए दृढ़-संकल्पित रहने की आवश्यकता पर बल दिया।जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन, मुजफ्फरपुर द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रति अत्याचार के विरूद्ध शून्य सहिष्णुता के सिद्धान्त का अक्षरशः अनुसरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिनियम अंतर्गत सभी दर्ज मामलों में प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति, मुआवजा, पेंशन, यात्रा भत्ता आदि का भुगतान किया जा रहा है।

जिले के सभी 16 प्रखंडों के 47 पंचायतों में सहयोग शिविर का हुआ आयोजन

मुजफ्फरपुर ।जिला के सभी 16 प्रखंडों के 47 पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में हजारों की संख्या में आम लोगों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ उठाया तथा सरकार की सैकड़ों लोक-कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से लोगों के जीवन-स्तर में आए सकारात्मक परिवर्तन एवं सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक सशक्तिकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की। जिलाधिकारी ने स्वयं काँटी प्रखण्ड के ग्राम पंचायत राज मानिकपुर नरोत्तम अन्तर्गत मध्य विद्यालय श्रीसियां में आयोजित सहयोग शिविर में भाग लिया। उन्होंने शिविर स्थलों पर लगभग 19 विभागों द्वारा लगाए गए जनोपयोगी काउन्टर का निरीक्षण किया तथा लोगों से फीडबैक एवं सुझाव भी लिया। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, बासगीत पर्चा, यूनिक डिसएबिलिटि कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, राशन कार्ड, बिहार शताब्दी असंगठित कार्यक्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक सुरक्षा योजना, बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण योजना के अंतर्गत श्रम कार्ड सहित सरकार की जनहित की विभिन्न योजनाओं के लाभुकों से संवाद स्थापित किया। शिविरों में काफी अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया। उनलोगों ने जिला प्रशासन, मुजफ्फरपुर के उत्कृष्ट व्यवस्था की सराहना की। जिलाधिकारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योजनाओं की सफलता के लिए अधिकतम जन-भागीदारी आवश्यक है और आज उन्हें यह देखकर काफी खुशी हो रही है कि लोग जनहित की योजनाओं में स्व-प्रेरणा से एवं सहर्ष अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि अब पूरी सरकार आपके द्वार है। सरकार के सभी विभागों के अधिकारी आपके पास नियमित तौर पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के आदेशों के अनुसार सहयोग शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का 30 दिनों के अंदर निष्पादन अनिवार्य रूप से किया जाएगा अन्यथा शिथिलता या लापरवाही रतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध स्वतः अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ हो जाएगी। जिलाधिकारी ने शिविर में कांफी बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के आदेश का अनुपालन करते हुए 19 मई से मुजफ्फरपुर जिला में भी सहयोग शिविरों का शुभारंभ हुआ है। आज यह 47 पंचायतों के साथ-साथ विभिन्न नगर निकायों में लगाया जा रहा है।

पार्सल का ओटीपी बताते ही बैंक खाते से उडाए 75 हजार , थाने में शिकायत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।साइबर ठगी के नए-नए तरीकों से आम लोग लगातार शिकार बन रहे हैं। ताजा मामला बोचहां थाना क्षेत्र का है, जहां एक युवक को पार्सल डिलीवरी के नाम पर झांसे में लेकर साइबर ठगों ने 75 हजार रुपये का चूना लगा दिया। पीड़ित युवक बोचहां थाना क्षेत्र के पिरखपुर वार्ड संख्या 13 निवासी बिंदेश्वर सहनी का पुत्र रविंद्र सहनी है। घटना को लेकर पीड़ित ने मंगलवार को बोचहां थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की गुहार लगाई है। रविंद्र सहनी द्वारा पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, 03 अगस्त को शाम लगभग 4 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को कूरियर से बताते हुए कहा कि आपके नाम से एक पार्सल आया है, इसे कंफर्म करने के लिए आपके मोबाइल पर आया वन टाइम पासवर्ड बताएं।झांसे में आकर रविंद्र ने जैसे ही ठग को ओटीपी शेयर किया, कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से 75 कट गए। मैसेज देखते ही पीड़ित के होश उड़ गए। अकाउंट से पैसे कटने के तुरंत बाद पीड़ित ने इस ठगी की शिकायत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराई, जिसका शिकायत नंबर और इसके बाद उन्होंने संबंधित ट्रांजैक्शन आईडी एवं एकाउंट विवरण संलग्न कर बोचहां थाना में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु आवेदन सौंपा है।

शिक्षक के निधन पर शोकसभा दी गई श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

हथौड़ी थाना क्षेत्र के नरमा धनुषी निवासी 72 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक अवधेश प्रसाद शर्मा के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक दीनानाथ शर्मा ने की। दीनानाथ शर्मा ने कहा कि अवधेश बाबू का जीवन सेवा, समर्पण और ईमानदारी का प्रतीक था। भरथ कुमार शर्मा और विजय शंकर कुमार ने कहा कि उन्होंने जीवन भर ज्ञान का दीप जलाया और बच्चों के साथ अभिभावकों को भी संस्कार व अनुशासन का पाठ पढ़ाया। समाजसेवी उपेंद्र शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद वे अपना पूरा समय पर्यावरण संरक्षण और बागवानी में बिताते थे। शोकसभा में मनोज ठाकुर, अनिल कुमार, प्रकाश कुमार, वीरेंद्र शर्मा, राजेश कुमार, संजीवन शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, गुरुवार, 06 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

भावनाओं का अवसरवादी आहतपन

निर्मल रानी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे में कथित हेराफेरी के मुद्दे को उठाने के मकसद से गत 31 जुलाई को पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में साधू के वेश में एक प्रतीकात्मक नाटक किया था। इस दौरान विपक्ष के भी कई नेता वहां मौजूद रहे। इसी प्रदर्शन में राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से दानपात्र में पैसे डालने का प्रयास किया। इसके बाद पप्पू यादव ने दानपेटी लेकर भागने का नाटक किया और समाजवादी पार्टी के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने उन्हें पकड़ने का अभिनय किया। इस नाट्य मंचन रुपी प्रदर्शन के बाद भाजपा,विश्व हिंदू परिषद , बजरंग दल, व इसके समर्थक संत समाज ने इसे सनातन धर्म और साधु-संतों की छवि का अपमान बताया। सत्ता समर्थक कई संतों ने भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा संसद में ह्यइस प्रकार भगवा वस्त्र और साधू का रूप धारण कर व इसका नाट्य मंचन कर साधु वेश का मजाक उड़ाया गया है, जिससे सनातन धर्म और संतों की आस्था को ठेस पहुंची है। लिहाजा इस मामले के विरोध में भाजपा नेताओं और धार्मिक संगठनों ने कानूनी कदम उठाए। दिल्ली,वाराणसी,हरिद्वार,प्रयागराज,मथुरा,नागपुर,जम्मू सहित देश के अन्य कई शहरों में पप्पू यादव, राहुल गांधी और सपा सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने को लेकर कहीं पुलिस में शिकायतें व एफ आईआर दर्ज की गईं तो कहीं विरोध प्रदर्शन किये गये। कई मठों, मंदिरों और अखाड़ों ने पप्पू यादव के प्रवेश पर रोक लगाने और संसद से उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की। लोकसभा स्पीकर ने भी इसतरह का प्रदर्शन करने पर नाराजगी जताई और इसे संसदीय गरिमा के विरुद्ध बताया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर तो विभिन्न हिंदू संगठनों और अनेक साधु-संतों ने एकत्रित होकर सद्बुद्धि हवन और धार्मिक अनुष्ठान किया। इसके अलावा दिल्ली में पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन के आधिकारिक आवास के बाहर हिंदू संगठनों ने जोरदार नारेबाजी की और उनका सामाजिक व धार्मिक बहिष्कार करने की मांग की। इसी बीच सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर उन पर हमले की कोशिश हुई है, जहाँ गत 2 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दो युवकों ने पप्पू यादव पर चप्पल फेंकी और कथित तौर पर उनपर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि घटनास्थल पर मौजूद सांसद समर्थकों ने दो आरोपियों को तुरंत पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इन हमलावर आरोपियों का भी यही कहना था पप्पू यादव द्वारा सनातन धर्म, साधु-संतों और भगवा वस्त्रों का कथित तौर पर अपमान किया गया है और वे इसी पर आपत्ति जताने वहां गये थे। उधर पप्पू यादव ने भी दावा किया है कि उन्हें लगातार जान से मारने और जिंदा जलाने की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन वे इससे डरने वाले नहीं हैं। सांसद उदित राज व शिवसेना सांसद संजय राउत जैसे अनेक नेताओं ने पप्पू यादव से मिलकर उनके प्रति समर्थन भी व्यक्त किया है। इन नेताओं ने पप्पू यादव पर हुये हमले को ह्लकायरानाह्व करार देते हुए कहा कि पप्पू यादव ने राम मंदिर के चंदे में हुई कथित हेराफेरी का मुद्दा उठाकर कुछ भी गलत नहीं किया। इन नेताओं ने प्रदर्शन का पुरजोर समर्थन किया था। इन नेताओं ने कहा कि भगवा रंग किसी पार्टी के नाम रजिस्टर्ड नहीं है और पप्पू यादव ने चंदा चोरी की झांकी दिखाकर सही सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी संसद परिसर के भीतर और बाहर इस पूरे विवाद में पप्पू यादव की लड़ाई का समर्थन किया। पप्पू यादव ने भी कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी देश के 100 करोड़ लोगों की आस्था और सनातनी विचारों को बचाने के लिए उनके साथ खड़े हैं। परन्तु समय समय पर लोगों की ह्यधार्मिक भावनाएं ह्य आहत होने को लेकर देश में यह सवाल भी पूछा जाने लगा है कि जब सत्ताधारी नेताओं द्वारा न केवल साधु वेशभूषा का बल्कि सीधे देवी देवताओं तक का मजाक उड़ाया जाता है, उन्हें अपमानित किया जाता है उस समय आखिर इन लोगों की भावनायें कहाँ चली जाती हैं ? याद कीजिये जब गत 4 जुलाई को भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर आए थे उस समय एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक एक रोड शो आयोजित किया गया था।

हिरोशिमा दिवस : युद्ध नहीं, शांति ही मानवता का भविष्य

6 अगस्त को विश्वभर में हिरोशिमा दिवस मनाया जाता है। पाठक जानते होंगे कि यही वह दिन है, जब वर्ष 1945 में अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर पहला परमाणु बम गिराया था। इस दिन विश्वभर में परमाणु हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है तथा शांति, परमाणु निरस्त्रीकरण और मानवता का संदेश दिया जाता है। आज, लगभग आठ दशक बाद भी, यह दिन केवल इतिहास का स्मरण भर नहीं है, बल्कि वर्तमान विश्व को चेतावनी देने वाला एक अवसर भी है। कहना गलत नहीं होगा कि आज पूरी दुनिया मानो बारूद के ढेर पर खड़ी है। हर ओर युद्ध, संघर्ष और तनाव का वातावरण दिखाई देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल के बीच बढ़ता तनाव और टकराव, गाजा में जारी संघर्ष तथा अन्य क्षेत्रीय विवाद वैश्विक शांति के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। वास्तव में, युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होते, बल्कि वे नई समस्याओं की शुरुआत करते हैं। शांति ही मानवता का सबसे शक्तिशाली अस्त्र है। यही संदेश हमें भगवान गौतम बुद्ध के उपदेशों में भी मिलता है। धम्मपद, जो बौद्ध साहित्य के सबसे लोकप्रिय और प्रेरणादायक ग्रंथों में से एक है, गौतम बुद्ध के 423 उपदेशों (गाथाओं) का संग्रह है। इसमें कहा गया है–ह्वन हि वेरेण वेराणि सम्मन्तीध कुदाचनं।अवेरेन च सम्मन्ति, एस धम्मो सनन्तनो।ह्व अर्थात वैर से वैर कभी समाप्त नहीं होता; वैर केवल प्रेम, करुणा और अहिंसा से ही समाप्त होता है। यही सनातन सत्य है। सच तो यह है कि गौतम बुद्ध का यह संदेश आज के युद्धग्रस्त विश्व में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। युद्ध हो या सीमा पर तनाव, आतंकवाद हो या नक्सलवाद अथवा किसी भी प्रकार का सशस्त्र संघर्ष-इनकी सबसे बड़ी कीमत हमेशा आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। हजारों निर्दोष लोगों की जान चली जाती है, लाखों लोग अपने घर छोड़ने को विवश हो जाते हैं और आने वाली पीढ़ियाँ भय, असुरक्षा तथा मानसिक आघात के वातावरण में जीवन बिताने को मजबूर हो जाती हैं। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि हिरोशिमा दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि युद्ध का अंतिम परिणाम केवल विनाश होता है। 6 अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम ने पूरी दुनिया को यह भयावह सच्चाई दिखाई थी कि यदि युद्ध की आग परमाणु हथियारों तक पहुँच जाए, तो उसका दुष्परिणाम केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी मानव सभ्यता को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। वास्तव में, हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध ने मानवता को कभी नहीं जीता। हर युद्ध में एक इंसान दूसरे इंसान से लड़ता है, लेकिन अंततः कोई वास्तविक विजेता नहीं होता। यदि कुछ बचता है, तो वह है–उजड़े हुए शहर, बिछड़े हुए परिवार, मासूम बच्चों की चीखें, माताओं की सूनी गोद, युद्ध का काला धुआं, लहू से सनी धरती और पीढ़ियों तक न भरने वाले घाव। इतिहास गवाह है कि युद्ध केवल सीमाएँ बदलते हैं, मनुष्य का भाग्य नहीं। तलवारें, मिसाइलें और बम कभी शांति स्थापित नहीं कर सकते; वे केवल भय, घृणा और विनाश को जन्म देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी देश युद्ध, हथियारों की होड़ के स्थान पर संवाद, कूटनीति और सहयोग का मार्ग अपनाएँ। विश्व शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी नैतिक दायित्व है कि वह सहिष्णुता, करुणा और भाईचारे के मूल्यों को अपनाए। यदि मानवता ने इतिहास से सबक नहीं लिया, तो भविष्य में फिर किसी ऐसी त्रासदी का सामना करना पड़ सकता है, जिसकी भरपाई सदियों तक संभव नहीं होगी। अंत में यहां पर यही कहना उचित होगा कि मानव सभ्यता का भविष्य युद्ध की विजय में नहीं, बल्कि शांति की विजय में सुरक्षित है। यही वह मार्ग है जो मानवता को विनाश से बचाकर सह-अस्तित्व, सद्भाव और स्थायी शांति की ओर ले जाता है।

कांवड़ यात्रा और बेरोजगार युवाओं का मुद्दाः आस्था और अवसर के बीच का अंतर

भारत में युवाओं की आबादी काफी अधिक है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को देश की ताकत के रूप में देखा जाता है। हर साल लाखों युवा स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय से लाभकारी रोजगार की आशाओं और सपनों के साथ निकलते हैं। वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, अनेकों नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं और भर्ती सूचनाओं का इंतजार करते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के पास डिग्री तो है, लेकिन या तो उनके पास नौकरी नहीं है या वे अंशकालिक रूप से काम करते हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव भी हो सकते हैं। बेरोजगारी आत्मविश्वास को कम कर सकती है, आर्थिक स्वतंत्रता में देरी कर सकती है, परिवारों पर दबाव बढ़ा सकती है और कुछ मामलों में निराशा और हताशा का कारण बन सकती है। कांवड़ यात्रा इस पीढ़ी से जुड़ी है, जो सबसे युवा पीढ़ियों में से एक है। ये लोग गांवों, कस्बों और शहरों से आते हैं। इनमें छात्र, किसानों के बच्चे, दिहाड़ी मजदूर, युवा पेशेवर और बेरोजगार स्नातक शामिल हैं। तीर्थयात्रा में उनकी भागीदारी उनके अपने विश्वास और संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए यह कहना कि बेरोजगारी लोगों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है या धार्मिक यात्राएं बेरोजगारी का कारण बनती हैं, सरल और अनुचित होगा।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

हर साल श्रावण के पवित्र महीने में, उत्तर भारत की सड़कें केसर से भर जाती हैं, क्योंकि लाखों कांवड़िया कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। वे हरिद्वार और गंगोत्री जैसे तीर्थ स्थलों से पवित्र गंगाजल लेकर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर भगवान शिव को अर्पित करते हैं। यह भक्ति, अनुशासन, सहनशीलता और सामूहिक आस्था का एक अद्भुत उदाहरण है। इन तीर्थयात्रियों में युवाओं की संख्या काफी अधिक होती है। उनका उत्साह और शारीरिक शक्ति भारत के युवाओं की अपार ऊर्जा का प्रमाण है। हालांकि, इन युवा तीर्थयात्रियों के साथ एक बड़ा सवाल उठता हैः इनमें से कितने लोग साल के बाकी समय में नौकरी की तलाश करते हैं और एक स्थिर भविष्य बनाने की कोशिश करते हैं? यह धार्मिक आस्था का अपमान नहीं है। बल्कि यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक मुद्दों में से एक के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक तरीका है। आस्था मन को पोषण देती है और रोजगार गरिमा, सुरक्षा और उद्देश्य प्रदान करता है। युवाओं को इन दोनों में से किसी एक को चुनने के लिए कहना राष्ट्र की समस्या नहीं है। बल्कि, समस्या एक ऐसा वातावरण विकसित करना है जिसमें आस्था और अवसर सामंजस्यपूर्ण ढंग से एक साथ मौजूद हों। भारत में युवाओं की आबादी काफी अधिक है। इस जनसांख्यिकीय लाभ को देश की ताकत के रूप में देखा जाता है। हर साल लाखों युवा स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय से लाभकारी रोजगार की आशाओं और सपनों के साथ निकलते हैं। वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, अनेकों नौकरियों के लिए आवेदन करते हैं और भर्ती सूचनाओं का इंतजार करते हैं। बड़ी संख्या में लोगों के पास डिग्री तो है, लेकिन या तो उनके पास नौकरी नहीं है या वे अंशकालिक रूप से काम करते हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव भी हो सकते हैं। बेरोजगारी आत्मविश्वास को कम कर सकती है, आर्थिक स्वतंत्रता में देरी कर सकती है, परिवारों पर दबाव बढ़ा सकती है और कुछ मामलों में निराशा और हताशा का कारण बन सकती है। कांवड़ यात्रा इस पीढ़ी से जुड़ी है, जो सबसे युवा पीढ़ियों में से एक है। ये लोग गांवों, कस्बों और शहरों से आते हैं। इनमें छात्र, किसानों के बच्चे, दिहाड़ी मजदूर, युवा पेशेवर और बेरोजगार स्नातक शामिल हैं। तीर्थयात्रा में उनकी भागीदारी उनके अपने विश्वास और संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए यह कहना कि बेरोजगारी लोगों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है या धार्मिक यात्राएं बेरोजगारी का कारण बनती हैं, सरल और अनुचित होगा। ये धारणाएं गलत हैं क्योंकि ये सामाजिक व्यवहार की जटिलता और आर्थिक वास्तविकताओं को ध्यान में नहीं रखती हैं। हालांकि, यह एक दिलचस्प विरोधाभास है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलने वाले युवा जिस दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हैं, वह अनुकरणीय है, और उनमें वह अनुशासन, सहनशीलता और प्रतिबद्धता भी है जो किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है। शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता, विनिर्माण, वैज्ञानिक अनुसंधान और रोजगार के क्षेत्रों में, यदि समान अवसर उपलब्ध हों, तो यह विशाल मानव संसाधन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़े प्रेरकों में से एक हो सकता है। न केवल पर्याप्त नौकरियां उपलब्ध नहीं हैं, बल्कि स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा और श्रमिकों की अपेक्षाओं के बीच भी एक बड़ा अंतर है। आवश्यक कौशल रखने वाले स्नातकों के लिए भी रोजगार के अवसर अक्सर सीमित होते हैं, और उद्योगों में कुशल श्रमिकों की कमी है। यह विरोधाभास मानव संसाधन आवश्यकताओं और शिक्षा प्रणाली के बीच असंतुलन को दशार्ता है। इसलिए स्कूलों को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ कौशल, आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षणों पर भी ध्यान देना होगा। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कौशल विकास, स्वरोजगार, स्टार्टअप इकोसिस्टम, विनिर्माण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई पहल और नीतियां शुरू की हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप कई युवाओं को नए अवसर मिले हैं। लेकिन, भारत की विशाल युवा आबादी को देखते हुए, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। केवल नीतियां इस समस्या का समाधान करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। लेकिन समाज का भी एक कर्तव्य है। कई परिवारों में सरकारी नौकरी पाना ही सफलता का मुख्य मापदंड बना हुआ है। आधुनिक अर्थव्यवस्था में सरकारी नौकरी के कई विकल्प मौजूद हैं और उन सभी पर विचार करना चाहिए। अर्थव्यवस्था के नए क्षेत्र रोजगार सृजित कर रहे हैं, विशेष रूप से उद्यमिता, डिजिटल सेवाएं, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, पर्यटन, रचनात्मक उद्योग और प्रौद्योगिकी आधारित कंपनियां। किशोरों को इन अवसरों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, न कि केवल सामान्य अवसरों पर। सार्वजनिक चर्चा को आकार देने में मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कांवड़ यात्रा की रिपोर्टिंग आमतौर पर या तो इसकी धार्मिक भव्यता के संदर्भ में की जाती है या कुछ विशिष्ट मुद्दों के संदर्भ में। इसमें युवाओं की भागीदारी से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है। आस्था और कर्म के विचार को दरकिनार करने के बजाय, सार्वजनिक प्रार्थनाओं को इस तथ्य पर केंद्रित किया जाना चाहिए कि इन संगठनों या तीर्थयात्राओं में दिखाई देने वाली प्रतिबद्धता और समर्पण को सामाजिक कार्य, पर्यावरण संरक्षण, आपदा राहत, रक्तदान अभियान और राष्ट्र निर्माण की पहलों में लगाया जा सकता है। भारतीय सभ्यता में कर्म और आध्यात्मिकता कभी एक-दूसरे के विरोधी नहीं रहे हैं। बल्कि, यह पवित्रता और कर्तव्य के बीच संतुलन का उत्सव रहा है। ध्यान, अनुशासन, सादगी और आंतरिक शक्ति, ये सभी भगवान शिव द्वारा प्रतीकित हैं। उनके उपदेश भक्तों को यह याद दिलाते हैं कि आध्यात्मिक विकास हमेशा जिम्मेदार कर्मों के साथ होता है।

बांकीपुर-जब अहंकार जनता से टकराता है, तब लोकतंत्र अपना निर्णय सुनाता है

बांकीपुर का परिणाम भी केवल एक विधायक चुनने की प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि इसने बिहार की राजनीति में सक्रिय प्रमुख दलों और नेताओं के लिए अलग-अलग संकेत छोड़े हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि इस परिणाम से बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी या सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिखी जा चुकी है। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि मतदाताओं ने सभी दलों को यह याद दिलाया है कि जनता किसी की स्थायी जागीर नहीं है। कुछ लोग इस परिणाम को पूरी तरह प्रशांत किशोर (पीके) की राजनीतिक सफलता के रूप में देख रहे हैं। दूसरी ओर कुछ लोग इसे जन सुराज के उभार का प्रमाण बता रहे हैं। लेकिन यदि राजनीतिक घटनाओं का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। किसी भी चुनाव में जीत केवल विजेता की ताकत से नहीं होती है, बल्कि प्रतिद्वंद्वियों की कमजोरियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बांकीपुर के परिणाम में भी यही बात दिखाई देती है। यह केवल एक व्यक्ति या एक दल की सफलता नहीं है, बल्कि कई राजनीतिक भूलों का संयुक्त परिणाम प्रतीत होता है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से बिहार के शहरी क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखने का दावा करती रही है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय दर्शन का एक मूल सिद्धांत है कि मनुष्य जब तक स्वयं को छोटा मानता है, तब तक ईश्वर की कृपा का पात्र बना रहता है। भगवान शिव के संदर्भ में भी यही कहा जाता है कि भोलेनाथ अपने भक्त की विनम्रता से प्रसन्न होते हैं, न कि उसके वैभव या शक्ति से। किंतु जैसे ही व्यक्ति स्वयं को सर्वशक्तिमान समझने लगता है, उसी क्षण उसके पतन की भूमिका भी तैयार होने लगती है। राजनीति भी इस नियम से अलग नहीं है। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है। नेता चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, यदि उसके भीतर अहंकार प्रवेश कर जाए तो जनता उसे आईना दिखाने में देर नहीं लगाती। पटना के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम इसी लोकतांत्रिक चेतना का एक प्रतीक माना जा सकता है। सामान्य तौर पर उपचुनावों को स्थानीय समीकरणों का चुनाव माना जाता है, लेकिन कई बार एक सीट का परिणाम व्यापक राजनीतिक संदेश भी दे जाता है। बांकीपुर का परिणाम भी केवल एक विधायक चुनने की प्रक्रिया नहीं रहा, बल्कि इसने बिहार की राजनीति में सक्रिय प्रमुख दलों और नेताओं के लिए अलग-अलग संकेत छोड़े हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि इस परिणाम से बिहार की राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी या सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिखी जा चुकी है। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि मतदाताओं ने सभी दलों को यह याद दिलाया है कि जनता किसी की स्थायी जागीर नहीं है। कुछ लोग इस परिणाम को पूरी तरह प्रशांत किशोर (पीके) की राजनीतिक सफलता के रूप में देख रहे हैं। दूसरी ओर कुछ लोग इसे जन सुराज के उभार का प्रमाण बता रहे हैं। लेकिन यदि राजनीतिक घटनाओं का निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल दिखाई देती है। किसी भी चुनाव में जीत केवल विजेता की ताकत से नहीं होती है, बल्कि प्रतिद्वंद्वियों की कमजोरियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बांकीपुर के परिणाम में भी यही बात दिखाई देती है। यह केवल एक व्यक्ति या एक दल की सफलता नहीं है, बल्कि कई राजनीतिक भूलों का संयुक्त परिणाम प्रतीत होता है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से बिहार के शहरी क्षेत्रों में मजबूत पकड़ रखने का दावा करती रही है। लेकिन जब कोई राजनीतिक संगठन लगातार सफलता प्राप्त करता है तो उसके भीतर आत्मविश्वास और अहंकार के बीच की दूरी बहुत कम रह जाती है। यदि कार्यकताओं और स्थानीय नेतृत्व को यह महसूस होने लगे कि जनता हर परिस्थिति में साथ रहेगी, तो यह लोकतंत्र की वास्तविकता से दूरी बनाने जैसा है। मतदाता हमेशा अपने सम्मान और अपेक्षाओं को प्राथमिकता देता है। जैसे ही उसे लगता है कि उसकी राय को हल्के में लिया जा रहा है, वह मतदान के माध्यम से संदेश देने का अवसर नहीं छोड़ता। बांकीपुर का परिणाम इसी दृष्टि से भाजपा के लिए आत्ममंथन का अवसर भी माना जा सकता है। जनता दल (यूनाइटेड) लंबे समय से बिहार की राजनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ रही है। लेकिन हाल के वर्षों में उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को बनाए रखने की रही है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गठबंधन की राजनीति में बार-बार बदलते समीकरणों ने पार्टी की वैचारिक स्पष्टता को प्रभावित किया है। यदि कार्यकर्ता और मतदाता दोनों ही भ्रम की स्थिति में हों तो उसका प्रभाव चुनावी प्रदर्शन पर पड़ना स्वाभाविक है। बांकीपुर का परिणाम इस दृष्टि से जदयू के लिए भी एक चेतावनी माना जा सकता है कि केवल संगठनात्मक संरचना पर्याप्त नहीं होती है, राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट होना चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव स्वयं को बिहार की सबसे बड़ी विपक्षी ताकत के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन राजनीति केवल जनसभाओं और सोशल मीडिया की लोकप्रियता से नहीं चलती। यदि चुनावी परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप न आएं तो सबसे पहले नेतृत्व की रणनीति पर प्रश्न उठते हैं। बांकीपुर में अपेक्षित प्रदर्शन न होना यह संकेत देता है कि विपक्ष के सामने भी संगठन, उम्मीदवार चयन और मतदाताओं से संवाद जैसे कई मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में कोई भी राजनीतिक दल स्थायी विजेता या स्थायी पराजित नहीं होता। जनता हर चुनाव में नया मूल्यांकन करती है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति के सबसे चर्चित चुनावी रणनीतिकारों में रहे हैं। उन्होंने अनेक राज्यों में विभिन्न दलों के लिए चुनावी रणनीतियां तैयार की। लेकिन किसी नेता के लिए चुनाव जिताने और स्वयं चुनावी राजनीति में सफल होने के बीच बड़ा अंतर होता है। राजनीति में केवल रणनीति नहीं, बल्कि जनविश्वास, संगठन, धैर्य और दीर्घकालिक स्वीकार्यता भी आवश्यक होती है। इसलिए किसी एक चुनावी परिणाम के आधार पर किसी को भविष्य का निर्विवाद नेता घोषित करना भी जल्दबाजी होगी। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां अंतिम निर्णय जनता का होता है। सत्ता में बैठा दल हो या विपक्ष, नया राजनीतिक विकल्प हो या पुराना नेतृत्व, सभी को अंततः मतदाता के सामने जवाब देना पड़ता है। जब जनता यह महसूस करती है कि उसके विश्वास को स्वाभाविक मान लिया गया है, तब वह मतदान के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता का परिचय देती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम केवल जीत और हार का आंकड़ा नहीं है।

घर तक पहुंचा नल, लेकिन पानी की जिम्मेदारी किसकी?

सिमरन कुमारी

कल्पना कीजिए उस परिवार की, जहां घर में कमाने वाला केवल एक व्यक्ति है और पांच लोगों का पेट उसी की दैनिक मजदूरी से चलता है। महीने की आमदनी पहले ही इतनी सीमित है कि राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवाई और दूसरे जरूरी खर्चों के बाद कुछ बचता नहीं। ऐसे परिवार के घर का नल अगर खराब हो जाए या पाइपलाइन में टूट-फूट हो जाए और पानी आना बंद हो जाए तो उसके सामने सबसे पहला सवाल यही होगा कि मरम्मत के पैसे कहां से आएंगे? कई बार ऐसी स्थिति में परिवार की महिलाएं फिर से पुराने स्रोतों की ओर लौटने को मजबूर हो जाती है। वह पानी के बर्तन उठाती है, हैंडपंप तक जाती है, कतार में खड़ी होती है और घर की जरूरत के मुताबिक पानी लाती है। यानी जिस सुविधा ने उसके श्रम को कम किया था, उसके खराब पड़ते ही वही श्रम फिर उसके हिस्से में लौट आता है। दरअसल, बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में घरों तक नल का पहुंचना सिर्फ पानी आने का एक साधन नहीं है, बल्कि उसने महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाया है। जिन परिवारों की महिलाओं और किशोरियों को कभी पानी भरने के लिए दूर जाना पड़ता था, उनके लिए घर में नल लगना सुविधा के साथ समय और श्रम की बचत भी है। मुजफ्फरपुर के ग्रामीण इलाकों में भी हर घर नल जल योजना के पहुंचने से अनेक परिवारों को इसका लाभ मिला है। खासकर महिलाओं के लिए इसका अर्थ है कि पानी लाने में लगने वाला समय अब दूसरे कामों, पढ़ाई या आजीविका से जुड़े कामों में लगाया जा सकता है। लेकिन किसी सरकारी योजना की असली सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने घरों तक पाइप और नल पहुंच गए, बल्कि इससे होती है कि वे नल कितने समय तक लगातार काम करते हैं। बिहार में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुंचाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के 18 जुलाई 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार बिहार में कुल 1.6755 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 1.6036 करोड़ परिवारों तक नल से जलापूर्ति दर्ज की गई है, यानी लगभग 95.71 प्रतिशत ग्रामीण परिवार नल जल आपूर्ति से जुड़े हैं। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा केवल 1.89 प्रतिशत था। यह उपलब्धि बताती है कि घरों तक पानी पहुंचाने के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने में राज्य ने बड़ी दूरी तय की है। मुजफ्फरपुर और गया में अप्रैल 2025 में किए गए एक अध्ययन में भी ग्रामीण परिवारों में 94 प्रतिशत से अधिक के पास नल का कनेक्शन पाया गया था। अध्ययन के अनुसार 93.80 प्रतिशत परिवारों को कम से कम 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी मिल रहा था और 95.12 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उन्हें महीने में 25 से 30 दिन पानी मिल रहा है। आंकड़े निश्चित रूप से उम्मीद पैदा करते हैं, लेकिन इनके पीछे एक दूसरी तस्वीर भी है, जिस पर उतनी ही गंभीरता से बात करने की जरूरत है और वह है इसके रखरखाव में आने वाले खर्च की. सवाल यह है कि किसी योजना की जिम्मेदारी सरकार और पंचायत के लिए कहां तक है और नागरिकों के लिए कहां से शुरू होती है? नल लगाकर पानी पहुंचा देना पहला कदम है, लेकिन पाइपलाइन, पंप, मोटर, टंकी और वितरण व्यवस्था को चालू हालत में रखना उतना ही जरूरी है। जल जीवन मिशन में पेयजल योजनाओं की योजना, क्रियान्वयन, संचालन और रखरखाव की मूल जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। केंद्र सरकार राज्यों को तकनीकी और वित्तीय सहायता देती है। साथ ही केंद्र ने राज्यों को ऐसी व्यवस्था बनाने की सलाह दी है जिसमें योजनाओं को ग्राम पंचायतों या ग्राम स्तर की जल एवं स्वच्छता समितियों को सौंपकर उनके माध्यम से संचालन और रखरखाव किया जाए। बिहार में ग्रामीण पेयजल योजना का क्रियान्वयन पंचायती राज विभाग से भी जुड़ा है और वार्ड स्तर पर सात सदस्यीय वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति की व्यवस्था बताई गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि पाइप टूटने पर गरीब परिवार को अपनी जेब से हर बार मरम्मत करानी चाहिए। अगर योजना की सार्वजनिक पाइपलाइन या उससे जुड़ी सरकारी जलापूर्ति व्यवस्था में खराबी आई है, तो उसके लिए जिम्मेदार स्थानीय तंत्र को शिकायत दर्ज कराकर मरम्मत की व्यवस्था करनी चाहिए। समस्या यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लोगों को यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि खराब नल की शिकायत कहां करें, किस अधिकारी या समिति से संपर्क करें और शिकायत के बाद कितने समय में समस्या का समाधान होना चाहिए।

विद्युत परियोजनाओं में बनी बाधाः आरओडब्ल्यू समस्याओं पर डीएम सख्त, समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

- मुआवजा, सुरक्षा और प्रशासनिक समन्वय से दूर होंगी अड़चनें, 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन सहित सभी परियोजनाओं की होगी नियमित मॉनिटरिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जिले में निर्माणाधीन विद्युत संचरण (ट्रांसमिशन) परियोजनाओं के शीघ्र निष्पादन को लेकर समाहरणालय सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आर.ओ.डब्ल्यू. (राइट ऑफ वे) से जुड़ी बाधाओं का त्वरित समाधान कर परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा कराना था। बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति, भूमि एवं आर.ओ.डब्ल्यू. से संबंधित समस्याओं तथा निर्माण कार्य में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों की विस्तृत जानकारी दी। जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंडों में चल रही विद्युत अवसंरचना परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। परसा प्रखंड में 400 केवी विद्युत संचरण लाइन के 10 स्थानों पर कार्य प्रभावित होने की जानकारी पर जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में भूमि का नहीं बल्कि फसल क्षति का मुआवजा ऊर्जा विभाग के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार दिया जाता है। उन्होंने सदर अनुमंडल पदाधिकारी को तिथि निर्धारित कर पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

अमनौर प्रखंड में उत्पन्न समस्या के समाधान के लिए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं मशरख प्रखंड के 17 विभिन्न स्थलों पर आ रही बाधाओं को गंभीरता से लेते हुए मढ़ौरा अनुमंडल पदाधिकारी को चरणबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान कर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्माण कार्य तेज कराने का निर्देश दिया गया। छपरा-गोपालगंज बाईपास तथा छपरा-न्यू रघुनाथपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन विद्युत संरचनाओं के कार्य में आ रही बाधाओं के संबंध में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था के साथ कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि मजबूत विद्युत अवसंरचना जिले के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ आर.ओ.डब्ल्यू. से जुड़े लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि जनहित से जुड़ी सभी विद्युत परियोजनाएं तय समय के भीतर पूरी हो सकें। उन्होंने अंचल अधिकारियों एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना स्थलों पर उत्पन्न स्थानीय समस्याओं का तत्काल समाधान करें तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित एजेंसियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करें। जिला पदाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि सभी विद्युत परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा जिन मामलों में प्रशासनिक हस्तक्षेप आवश्यक है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित की विद्युत परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विद्युत विभाग के वरीय अधिकारी, जिला प्रशासन के संबंधित पदाधिकारी, सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महाराजगंज के देवरिया पंचायत भवन में सहयोग शिविर आयोजित, अधिकारियों ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

महाराजगंज। महाराजगंज प्रखंड के देवरिया पंचायत भवन में आयोजित सहयोग शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कई दर्जन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। सीवान। महाराजगंज प्रखंड के देवरिया पंचायत भवन में बुधवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंचायत क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष फरियादी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। अधिकारियों ने एक-एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित मामलों में त्वरित निष्पादन का आश्वासन दिया। इस दौरान कई दर्जन लोगों से आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजते हुए जल्द समाधान का भरोसा दिलाया गया। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) अनिता सिन्हा, अंचलाधिकारी (सीओ) जितेंद्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) बिंदु कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर देवरिया पंचायत के मुखिया आलोक कुमार सिंह ने कहा कि सहयोग शिविर ग्रामीणों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रहा है। इससे लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि पंचायत स्तर पर ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर राहत मिल रही है। मौके पर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सोनू सिंह, मुंगेरी सिंह, प्रिंस सिंह, अंटू सिंह इत्यादि रहे।

संक्षिप्त खबरें

परसा थानान्तर्गत पोक्सो एक्ट कांड में फरार अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित तथा फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर परसा थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर परसा थाना कांड संख्या-404/24 के पोक्सो एक्ट के फरार अभियुक्त मनीष कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

विगत 24 घंटे में 36 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 4 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-36 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबारी में 13, चोरी में 7, हत्या के प्रयास में 6, खनन में 2, वारंट में 3, शराब सेवन में 1, आर्म्स एक्ट में 2, पोक्सो एक्ट में 1, आई0टी0 एक्ट में 1 अभियुक्त शामिल है। वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-20 वाहनों से 33,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-167.885, मोटरसाईकिल-04, टेम्पू-01, ट्रैक्टर-05, बेलोरो-01, बकरी-02, जिन्दा कारतूस-05, टूटा हुआ एम्लीफायर-01, नागदेव का धातु की मूर्ति-01, धातु की कटोरी-07, लड्डु गोपाल का धातु की मूर्त्ति-01, शंकर देव का धातु की मूर्ति-02, धातु का ग्लास-05, हनुमान जी का धातु की मूर्ति-02, धातु का लोटा-01, धातु की थाली-02, धातु का अगरबत्ती स्टेंड-01 एवं पूजा करने वाला अन्य सामान बरामद किए गए

इसुआपुर के डटरा गांव के पास नहर का बांध टूटा

इसुआपुर। प्रखंड के सलेमपुर बैतरणी मुख्य नहर का उत्तरी बांध मंगलवार की रात टूट गया। जिससे पांच गांवों में नहर का पानी घुस गया और सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल डूब गई। घटना की जानकारी विभागीय पदाधिकारियों को दी गई। बावजूद आरोप है कि 12 घंटे बाद विभागीय पदाधिकारी घटनास्थल पहुंचे। जिसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय मुखिया अजय राय के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। वहीं नष्ट हुई फसलों का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की गई। किसानों ने गंडक विभाग के कार्यों की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहा कि प्रतिवर्ष यह नहर बरसात के मौसम में पानी के दबाव को सह नहीं पता और टूट जाता है। जिससे सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल बर्बाद हो जाती है। आक्रोशित किसानों ने फसल के मुआवजे के साथ-साथ नहर निर्माण की गुणवत्ता की जांच किए जाने मांग की है। हालांकि घटनास्थल पर पहुंचे विभागीय एसडीओ एवं इंजीनियर ने बताया कि पानी के दबाव को रोकने के लिए नहर के मुख्य गेट को बंद कर दिया गया है। वहीं नहर के टूटे हुए भाग की मरम्मत की जा रही है।

भोजपुरी भाषा, माटी और संस्कृति के संरक्षण को लेकर 9 अगस्त को प्रखंड स्तरीय सम्मेलन

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौली। भोजपुरी पुनर्जागरण मंच, सिवान के तत्वावधान में 9 अगस्त (रविवार) को दरौली प्रखंड में प्रखंड स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य भोजपुरी भाषा, माटी और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर लोगों को जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। यह सम्मेलन गुरुकुल सेंट्रल स्कूल, कनहोली (दरौली) परिसर में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। आयोजकों ने क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों, साहित्यकारों, कलाकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं आम नागरिकों से सम्मेलन में भाग लेकर भोजपुरी भाषा और संस्कृति को मजबूत बनाने की पहल में सहयोग करने की अपील की है। कार्यक्रम के आयोजक गुरुकुल सेंट्रल स्कूल के प्रबंधक पंकज कुमार सिंह हैं, जबकि भोजपुरी पुनर्जागरण मंच, सिवान जिला इकाई के संरक्षक सुभाष सिंह कुशवाहा ने अधिक से अधिक लोगों से सम्मेलन में शामिल होने का आग्रह किया है। सम्मेलन में भोजपुरी भाषा के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर प्रस्तावित बैठक स्थगित

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय में प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई। अब बैठक की नई तिथि एक-दो दिनों में निर्धारित कर संबंधित पदाधिकारियों को सूचित किया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सिम्पी कुमारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए जल्द ही बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में समारोह के आयोजन, समय निर्धारण, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों तथा अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पांच अगस्त की दोपहर प्रखंड कार्यालय में बैठक आयोजित होनी थी। इसमें प्रखंड प्रमुख एवं उप प्रमुख, प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, अंचल अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, थानाध्यक्ष, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल होना था।

शिव तांडव नृत्य देखने के जुटे दर्शक, खूब झूमे श्रद्धालु

प्रात : किरण संवाददाता

भेल्दी। सारण की वायरल गर्ल चित्राली उपाध्याय द्वारा मंगलवार को शिव तांडव नृत्य की शानदार प्रस्तुति से चार चांद लग गए। शिव तांडव पर भाव नृत्य की प्रस्तुति देखने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु मटिहान पहुंचे हुए थे। मौका था दरियापुर प्रखण्ड के सज्जनपुर मटिहान में आयोजित नौ दिवसीय शिव प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ समारोह का। मंगलवार की रात जैसे ही चित्राली उपाध्याय ने प्रस्तुति देने के लिए भव्य मंच पर चढ़ी तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट व हर-हर महादेव से गूंज उठा। शिव तांडव नृत्य के बीच-बीच में दर्शक हर-हर महादेव जय शिव शंभू के नारे लगाने से माहौल और भक्तिमय बान गया। सबसे पहले उन्होंने शिव तांडव स्तोत्रम से अपनी प्रस्तुति की शुरूआत की। तत्पश्चात भगवान शिव के तांडव से लेकर सभी अलग-अलग भंगिमाओ की शानदार प्रस्तुति पर खूब वाह-वही बटोरी। आयोजक मंडल ने चित्राली उपाध्याय को सम्मानित भी किया। मंच संचालन राजेश उपाध्याय व कमलनयन दूबे ने संयुक्त रूप से किया।

रामगढ़ा व बालबंगारा में सहयोग शिविर, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के रामगढ़ा और बालबंगारा गांव में बुधवार को आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर राशन कार्ड, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म प्रमाण पत्र समेत विभिन्न योजनाओं से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। शिविर में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र निष्पादन का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने कहा कि आम जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े, यही प्रशासन की प्राथमिकता है। राशन कार्ड, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सिवान में भाकपा (माले) की प्रतिवाद सभा, दीपंकर भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

प्रात : किरण संवाददाता

सिवान /बिहार दौरे के क्रम में बुधवार को सिवान पहुंचे भाकपा(माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने अंबेडकर पार्क में आयोजित प्रतिवाद सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट-यूजीसी पेपर लीक के विरोध में हुए छात्र आंदोलन ने देश की राजनीति में बदलाव की शुरूआत कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र, संविधान, शिक्षा, रोजगार और नागरिक अधिकारों पर हमला कर रही है तथा जनता के आंदोलन को दमन के जरिए दबाने का प्रयास किया जा रहा है। यह प्रतिवाद सभा जेन जी आंदोलन पर कथित दमन, गृह मंत्री के इस्तीफे तथा बिहार बंद के दौरान पुलिस कार्रवाई के विरोध में आयोजित की गई थी। सभा में दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि छात्र-युवा आंदोलन को दबाने के बजाय सरकार को शिक्षा और रोजगार के सवालों पर जवाब देना चाहिए। सभा से पूर्व दीपंकर भट्टाचार्य ने पार्टी नेताओं और छात्र प्रतिनिधियों के साथ बिहार बंद के दौरान घायल हुए लोगों एवं पुलिस कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने दरौली प्रखंड के डुमरहर बुजुर्ग गांव पहुंचकर घायल बुलेट गोंड तथा उनके परिजनों से भेंट की। इसके बाद जीरादेई प्रखंड के ठेपहां गांव जाकर आरवाईए नेता विशाल यादव से मुलाकात की तथा सिवान शहर के शेख मुहल्ला में घायल मो. आरिफ के परिजनों से भी मिले। इस दौरान उनके साथ पार्टी के राज्य सचिव कुणाल, केंद्रीय कमेटी सदस्य संतोष सहर, जेएनयू छात्रसंघ की संयुक्त सचिव दानिश, आइसा के राज्य अध्यक्ष धनंजय, राज्य सचिव दीपांकर मिश्रा तथा राज्य उपाध्यक्ष सबा आफरीन मौजूद रहे। जिले के वरिष्ठ माले नेता पूर्व विधायक अमरनाथ यादव, सत्यदेव राम, अमरजीत कुशवाहा और जिला सचिव इंद्रजीत चौरसिया भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

ककरहट चंवर में बिजली से झुलसकर युवक की मौत

दरियापुर। डेरनी थाना क्षेत्र के ककरहट चांवर में एक व्यक्ति की बिजली के करंट से झुलसकर मौत हो गई। घटना रात की बताई जा रही है। मृतक का शव इतनी बुरी तरह जल चुका है कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। घटना के संबंध में डेरनी थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया बिजली के तार काटने के दौरान करंट की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई प्रतीत होती है। हालांकि शव की स्थिति और घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर कोई व्यक्ति बिजली के खंभे पर क्यों चढ़ा था और वह वहां क्या कर रहा था। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि यदि तार काटने का प्रयास किया गया था तो उसके स्पष्ट साक्ष्य भी मिलने चाहिए। दूसरी ओर शव के अत्यधिक जले होने के कारण अन्य संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

पुरानी विरासत, समृद्ध संस्कृति और कुशल कारीगरी का प्रतीक है हथकरघा : एनाएतुल्लाह नन्हे

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। परतंत्र भारत मे जब हस्त निर्मित समान के बदले अंग्रेजों ने ब्रिटिश और यूरोप के देशों से मशीन निर्मित समानों में विशेषकर कपड़े मंगाना शुरू किया तो यहाँ देश के अंदर हाँथों से काम करने वाले बुनकर जो हथकरघा चला कर, कड़ी मेहनत और खून-पसीना एक कर भारत के लोगों के तन ढ़कने का काम करते थे, वे बेरोजगार होने लगें। कारण की ब्रिटिश नीतियों के कारण कच्चे माल का निर्यात रुक गया, जिससे स्थानीय उद्योगों का बहुत ह्रास हुआ एवं मशीन से बनी वस्तुओं के आयात से भारतीय हथकरघा को प्रतिस्पर्धा में काफी कमजोर कर दिया। लोगों के तन ढांकने वाले हथकरघा मजदूर बुनकर जब खुद का तन ढांकने के लिए मजबूर हो गए तो राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने विदेशी समान का बहिष्कार करना शुरू किया और खुद चरखे पर सूत कात कर हथकरघा को बढ़ावा देने और बुनकरों के हित मे स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। 07 अगस्त सन 1905 को स्वदेशी आंदोलन की जो शुरूआत हुई थी। जिससे स्वदेशी उद्योगो में विशेषकर हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने का काम किया था। आजादी के 68 साल बाद सन 2015 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर साल 07 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला किया, तो सबसे पहले तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से शुरू हुआ, जिसे राष्ट्रीय चरखा दिवस भी कहा जाता है। हथकरघा को अंग्रेजी में हैंडलूम कहते हैं। अब जानते हैं कि हथकरघा है क्या ? यह दुनिया के सबसे प्राचीन कुटीर उद्योगों में से एक है और भारत मे कृषि के बाद रोजगार देना वाला दूसरा उद्योग है। जिसे कारीगर (बुनकर) बिना बिजली के मैनुअली अपने हाँथों और पैरों की मदद से चलाते हैं और कपड़ा जैसे सिलने हेतु कपड़े, धोती, लुंगी, गमछा, दरी, चादर, साड़ी, कालीन और कम्बल बुनने का काम करते हैं। उसके लिए उन्हें सबसे पहले कुदरती रेशे और धागे जैसे ऊन, कपास, रेशम और सन या सनई आदि को चरखे पर कातने का काम करते हैं, जिनमे सूती, ऊनी, रेशमी, सिल्क और जरी के धागे होते हैं, जिसे सबसे पहले रंगने का काम करते हैं, उसके बाद उसे बुनते हैं। जरूरत के हिसाब से रंगने और छपाई करने का काम भी कपड़े तैयार होने के बाद भी किया जाता हैं। हर वर्ष भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा 07 अगस्त को हथकरघा दिवस मनाया जाता है और इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले बुनकरों को सम्मानित किया जाता है, साथ ही उनके लिए नई योजनाओं से अवगत कराया जाता है ताकि वे सरकार से समावेश कर अपनी हथकरघा को विकसित कर सके। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिए वोकल फॉर लोकल में तहत भी हस्तनिर्मित और स्थानीय भारतीय वस्त्रों को उपयोग में लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छात्राओं से दुर्व्यवहार मामले के खिलाफ आइसा ने उठाई न्याय की आवाज

- 3 दिनों में कार्रवाई न होने पर जिला स्तर पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर : लोकनायक जयप्रकाश नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी छपरा परिसर में छात्राओं के साथ हुए दुर्व्यवहार और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आइसा ने पीड़ित छात्राओं के लिए न्याय और परिसर में सुरक्षित माहौल की पुरजोर मांग की है। छात्र संगठन आइसा ने कॉलेज प्रशासन के समक्ष मांग की कि छात्राओं के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार तुरंत बंद हो और कैंपस व हॉस्टल में उनकी सुरक्षा की सौ प्रतिशत गारंटी दी जाए। साथ ही किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कॉलेज में 24/7 एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाए। आइसा ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिसर में प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ और प्राथमिक उपचार केंद्र की उचित व्यवस्था करने की मांग की है। वही आइसा नेताओं ने कहा है कि ह्वकैंपस में छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कॉलेज प्रशासन को पीड़ित छात्राओं को न्याय देना ही होगा और बुनियादी सुविधाएं बहाल करनी होंगी। आइसा नेता 3 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि आइसा छात्र संगठन ने कॉलेज प्रशासन को 3 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रशासन ने इन मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो आइसा पूरे छपरा जिले में व्यापक विरोध-प्रदर्शन करेगी। आंदोलन से उत्पन्न किसी भी स्थिति की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी।

बीएड द्वितीय वर्ष फाइनल प्रायोगिक परीक्षा शुरू

मशरक। मशरक के सीमा पर अवस्थित राजेंद्र किशोरी बी. एड. कॉलेज, सुघरी में जय प्रकाश विश्व विद्यालय छपरा द्वारा जारी परीक्षा कार्यक्रम के तहत बी. एड. द्वितीय वर्ष (सत्र 2024-26) के प्रशिक्षुओं के दो दिवसीय प्रायोगिक परीक्षा बुधवार को प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षुओं ने ईपीक - 4 की परीक्षा बाह्य परीक्षक डॉ. चंदना कुमारी, सहायक प्राध्यापक, एल. एन. कॉलेज, मुजफ्फरपुर के पर्यवेक्षण में दिया। संस्थान के प्राचार्य व केन्द्राधीक्षक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि छात्रों का शिक्षण-अभ्यास मूल्यांकन एवं साक्षात्कार कल यानी गुरुवार को महाविद्यालय में आयोजित होगी।

मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद छवि धूमिल करने की साजिश : जयमित्रा देवी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला परिषद, सारण की अध्यक्ष जयमित्रा देवी ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में गरखा भाग-2 के जिला परिषद सदस्य नीतू राय एवं उनके पति राज किशोर राय द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, बेबुनियाद और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि उनकी साफ-सुथरी सार्वजनिक छवि को बदनाम करने की नीयत से झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि इनमें सत्य का कोई आधार नहीं है। अध्यक्ष जयमित्रा देवी ने कहा कि जिला परिषद की योजनाओं के चयन, अनुमोदन, क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता जांच की पूरी प्रक्रिया बिहार सरकार के निर्धारित नियमों और विभागीय प्रावधानों के अनुरूप संचालित होती है। किसी भी योजना को सदन के सदस्यों से मंतव्य प्राप्त करने के बाद ही अनुमोदित किया जाता है। योजनाओं का प्राक्कलन, तकनीकी स्वीकृति, स्थलीय निरीक्षण एवं गुणवत्ता परीक्षण अभियंता और इंजीनियरिंग सेल द्वारा किया जाता है। ऐसे में किसी भी योजना में गड़बड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से अध्यक्ष को जिम्मेदार ठहराना पूरी तरह तथ्यों के विपरीत है। उन्होंने पत्रकारों के बीच जारी लिखित स्पष्टीकरण में भी स्पष्ट किया कि जिला परिषद की संपत्तियों के निर्माण, लीज, दुकानों के आवंटन, किराया वसूली, हाट-बाजारों की बंदोबस्ती, योजना चयन तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच जैसी सभी प्रक्रियाएं संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं निर्धारित नियमावली के अनुसार संपन्न होती हैं। अध्यक्ष की भूमिका केवल वैधानिक और प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित होती है। जयमित्रा देवी ने कहा कि वर्ष 2022 में जिला परिषद की कबाड़ सामग्री जैसे पुराने पेड़, सोलर, इन्वर्टर, डाला और अन्य जीर्ण-शीर्ण संपत्तियों का निस्तारण भी विभागीय प्रक्रिया के तहत किया गया था, जिसमें अध्यक्ष की कोई व्यक्तिगत भूमिका नहीं थी। वहीं वर्ष 2022-23 की योजनाओं में नहर, पईन उड़ाही एवं सफाई कार्यों में की गई रॉयल्टी कटौती भी जिला परिषद के कर्मचारियों और पदाधिकारियों द्वारा नियमानुसार की गई, जिसकी राशि सीधे सरकारी खाते में जमा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विरुद्ध आरोप लगाने वाले सदस्य नीतू राय द्वारा पूर्व में भी विभिन्न न्यायालयों का सहारा लिया गया। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मामले गए, लेकिन आज तक मेरे विरुद्ध एक भी आरोप सिद्ध नहीं हो साका। इसके बावजूद बार-बार झूठे आरोप लगाकर मेरी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित और नियमविरुद्ध है।

सदर प्रखंड में सहकारिता प्रसार पदाधिकारी कमलेश कुमार को भावभीनी विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। सदर प्रखंड परिसर में सहकारिता प्रसार पदाधिकारी कमलेश कुमार के सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सदर प्रखंड के सभी पैक्स अध्यक्षों द्वारा किया गया, जबकि इसकी अध्यक्षता डुमरी पैक्स अध्यक्ष बिनोद कुमार सिंह ने की। समारोह में बड़ी संख्या में पैक्स अध्यक्षों एवं सहकारिता से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लेकर उनके कार्यकाल की सराहना की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में बिनोद कुमार सिंह ने कहा कि कमलेश कुमार ने सदैव सहकारिता की भावना को प्राथमिकता देते हुए किसानों और पैक्सों के हित में पारदर्शिता, समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य किया। उनके व्यवहार, कार्यकुशलता और सहयोगात्मक दृष्टिकोण ने सभी के बीच एक अलग पहचान बनाई है। उनके योगदान को सदर प्रखंड का सहकारिता परिवार हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर राधेकृष्ण प्रसाद, सच्चिदानंद राय, राणा प्रताप सिंह, पार्थ कुमार यादव, सुरेश कुमार सिंह, रूपेश राय, मनीष राय, विश्वजीत सिंह, सिकंदर राय, अनील सिंह तथा अन्य पैक्स अध्यक्षों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला स्तरीय रेड रिबन क्विज का सफल आयोजनः विशेश्वर सेमिनरी के छात्र रहे प्रथम, अब राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के सौजन्य एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से बिहार का अतिप्रतिष्ठित जिला स्कूल के सभागार में जिला स्तरीय रेड रिबन क्विज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में एचआईवी/एड्स, यौन स्वास्थ्य और सुरक्षित रक्तदान के प्रति सटीक जानकारी एवं जागरूकता बढ़ाना है। इस प्रतियोगिता में सारण जिले के विभिन्न सरकारी और निजी विद्यालयों से चयनित 120 छात्र- छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा लिखित परीक्षा और मौखिक (ओरल) राउंड दोनों के आधार पर तैयार की गई थी, ताकि बच्चों के ज्ञान और त्वरित निर्णय क्षमता का सही मूल्यांकन किया जा सके।

विजेताओं को मिला सम्मान, जिला स्कूल के प्राचार्य ने दिया आशीवार्दः कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर विशेश्वर सेमिनरी स्कूल के प्रकाश कुमार एवं रविकांत कुमार, द्वितीय स्थान पर सी एन पी जी उच्च विद्यालय, बेनाउत की अन्नू कुमारी एवं रुखसार खातून, जबकि तृतीय स्थान पर जिला स्कूल की श्रेया कुमारी एवं सुप्रिया कुमारी रही। विजेता टीम को ट्रॉफी, आकर्षक पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी 120 प्रतिभागियों को उनका उत्साह बढ़ाने के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जिला स्कूल के प्राचार्य मनीष कुमार तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ते हैं।

बड़हरा की दो पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित, 104 आवेदन प्राप्त

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। बिहार सरकार के सबका सम्मान-जीवन आसान निश्चय अभियान के तहत बुधवार को बड़हरा प्रखंड की दो पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकौना गंज एवं पंचायत सरकार भवन सेमरिया पंडरिया में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनसे संबंधित आवेदन प्राप्त किए।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकौना गंज में आयोजित शिविर में कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें नल-जल

योजना एवं राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की संख्या सर्वाधिक रही। वहीं पंचायत सरकार भवन सेमरिया पंडरिया में लगे शिविर में 51 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार दोनों शिविरों में कुल 104 आवेदन दर्ज किए गए।शिविर में राजस्व, नल-जल, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों के अलग-अलग काउंटर लगाए गए थे, जहां लोगों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन जमा किए। अधिकारियों ने मौके पर कई मामलों का प्राथमिक स्तर पर समाधान भी किया तथा शेष आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

यूजीसी के निर्देशों की अनदेखी, वीकेएसयू की वेबसाइट पर कई अहम जानकारियां अब भी गायब

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर आवश्यक सूचनाएं सार्वजनिक करने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा की वेबसाइट पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां अब भी अद्यतन नहीं हैं। इससे छात्रों, अभिभावकों, शोधार्थियों और शिक्षकों को आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यूजीसी ने वर्ष 2024 में सार्वजनिक स्व-प्रकटीकरण (Public Self Disclosure) संबंधी दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों को अपनी वेबसाइट पर शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराने को अनिवार्य किया था।

इसके तहत पाठ्यक्रम, संकाय सदस्यों का विवरण, शुल्क संरचना, वार्षिक प्रतिवेदन, शोध गतिविधियां, प्लेसमेंट, छात्र सहायता सेवाएं, शिकायत निवारण प्रणाली, एनएएसी और एनआईआरएफ से संबंधित जानकारी सहित अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं को समय-समय पर अपडेट करना आवश्यक है। हालांकि वीकेएसयू की वेबसाइट पर कई अनुभाग लंबे समय से अद्यतन नहीं किए गए हैं।

विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, विभिन्न विभागों की नवीनतम गतिविधियां, शोध प्रकाशन, प्लेसमेंट से संबंधित जानकारी तथा कई प्रशासनिक सूचनाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं अथवा पुराने सत्र की जानकारी ही प्रदर्शित हो रही है। इससे विश्वविद्यालय की पारदर्शिता और सूचना उपलब्धता पर भी सवाल उठ रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने भी कुछ माह पूर्व सभी राज्य विश्वविद्यालयों और उनके अधीनस्थ कॉलेजों को यूजीसी के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि आवश्यक सूचनाओं का सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

यूजीसी के मानकों के अनुसार वेबसाइट किसी भी विश्वविद्यालय का सार्वजनिक सूचना मंच होती है, जहां छात्र, अभिभावक और आम नागरिक आसानी से संस्थान की अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकें।

शिक्षाविदों का मानना है कि डिजिटल युग में विश्वविद्यालय की वेबसाइट केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संस्थान की कार्यशैली और पारदर्शिता का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में वीकेएसयू प्रशासन को वेबसाइट पर सभी अनिवार्य जानकारियां शीघ्र अद्यतन कर यूजीसी के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को समय पर सही जानकारी मिलेगी, विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा राष्ट्रीय स्तर पर पारदर्शी और उत्तरदायी उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में उसकी पहचान भी मजबूत होगी।

स्थायी नियुक्ति की आहट से वीकेएसयू के इतिहास विषय के अतिथि प्राध्यापकों में बढ़ी चिंता

आरा। बिहार के विश्वविद्यालयों में नौ हजार से अधिक स्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा में कार्यरत इतिहास विषय के अतिथि प्राध्यापकों की चिंता बढ़ गई है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) द्वारा जल्द ही परिणाम जारी किए जाने की संभावना के बीच वर्षों से सेवा दे रहे अतिथि शिक्षकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। वीकेएसयू के अधिकांश अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में इतिहास विषय की शैक्षणिक व्यवस्था वर्तमान में अतिथि प्राध्यापकों के भरोसे संचालित हो रही है। कई कॉलेजों में इतिहास विभाग के स्वीकृत पद पहले से ही अतिथि शिक्षकों के माध्यम से भरे हुए हैं। ऐसे में आयोग से चयनित स्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति होने पर बड़ी संख्या में इतिहास विषय के अतिथि प्राध्यापकों को कार्यमुक्त होना पड़ सकता है।अतिथि प्राध्यापकों का कहना है कि नियमित शिक्षकों की कमी के दौरान उन्होंने सीमित मानदेय पर वर्षों तक विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को संभाला। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी। अब जब स्थायी नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी होने जा रही है, तब उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता गहरा गई है। उनका कहना है कि इतिहास विषय में रिक्तियों की संख्या अपेक्षाकृत कम होने के कारण सबसे अधिक प्रभाव इसी विषय के अतिथि शिक्षकों पर पड़ने की आशंका है, जबकि कई अन्य विषयों में अभी भी स्वीकृत पदों की तुलना में पर्याप्त रिक्तियां मौजूद हैं।

अतिथि प्राध्यापकों ने राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि वर्षों से सेवा दे रहे अनुभवी शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके समायोजन अथवा वैकल्पिक नियुक्ति की नीति बनाई जाए। उनका कहना है कि लंबे अनुभव और शैक्षणिक योगदान को देखते हुए उन्हें एक झटके में बेरोजगार करना न्यायसंगत नहीं होगा।उल्लेखनीय है कि बिहार में स्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के बाद विभिन्न विश्वविद्यालयों और नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसे में वीकेएसयू के इतिहास विषय के अतिथि प्राध्यापक सबसे अधिक असमंजस और चिंता की स्थिति में हैं तथा सरकार से उनके भविष्य की सुरक्षा को लेकर सकारात्मक निर्णय की उम्मीद लगाए हुए हैं।

कौलौडिहरी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में 74 आवेदनों का हुआ निपटार

प्रात: किरण संवाददाता

सहार। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सहार प्रखंड के कौलौडिहरी पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दोनों पंचायतो में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 74 आवेदनों का निपटारा किया गया। इनमें राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, पेयजल, बिजली, भूमि विवाद तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामले शामिल थे। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने मौके पर ही कुछ समस्याओं का समाधान किया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी जनार्दन तिवारी ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप आम लोगों की समस्याओं का समाधान उनके गांव और पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा रहा है।ताकि लोगों को कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। सहयोग शिविर में 74 कुल प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की गई। इस अवसर पर प्रखंड एवं अंचल के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महिला ने किया विषपान, हालत गंभीर

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज सपना सिनेमा रोड मोहल्ले में एक महिला ने विषपान कर लिया। जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार उक्त महिला टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज सपना सिनेमा मोहल्ला निवासी 35 वर्षीया संजना श्रीवास्तव है। बताया जाता है बुधवार की सुबह जब घर में सभी लोग अपने काम में व्यस्त थे। इसी बीच उसने विषपान कर लिया। जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। हालांकि उक्त महिला ने विषपान क्यों किया? इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

संक्षिप्त खबरें

नफरत-हिंसा मुदार्बाद, अमन-इंसाफ ज़िंदाबाद के नारे के साथ सितंबर में जिला सम्मेलन: क्यामुद्दीन अंसारी

आरा। इंसाफ मंच के जिला सचिव अजय कुमार गांधी ने एक प्रेस बयान में कहा है कि आज भाकपा माले जिला कार्यालय बस स्टैंड के पास श्रीटोला में इंसाफ मंच भोजपुर जिला एक अति महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में इंसाफ मंच के राज्य सचिव व आरा विधानसभा से भाकपा माले के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी मौजूद थे.इंसाफ मंच की इस बैठक में संगठन को मजबूत करने पर विशेष चर्चा हुई तथा सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि सितंबर 2026 में इंसाफ मंच का भोजपुर जिला सम्मेलन आरा में किया जाएगा. इंसाफ मंच के भोजपुर जिला कमिटी की बैठक को संबोधित करते हुए इंसाफ मंच के राज्य क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि पिछले दिनों पेपर लीक के सवाल पर तथा शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तिफा के सवाल पर चलाएं गये आंदोलन का पुरजोर समर्थन किया तथा इंसाफ मंच के राज्य सचिव के छात्रों के आंदोलन पर बर्बर लाठीचार्ज, वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ साथ पैलेट गन के इस्तेमाल की कड़े शब्दों में निन्दा की तथा इसके लिए भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेवार ठहराया. क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि इंसाफ मंच बिहार के सिवान में छात्रों पर पुलिस द्वारा ए के 47 चलाने की घटना की आलोचना करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की.इंसाफ मंच के नेता ने नफरत हिंसा मुदार्बाद अमन-इंसाफ जिन्दाबाद का नारा बुलंद किया.

संपत्ति विवाद में भाई को पीटा

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के मीरगंज पानी टंकी मोहल्ले में बुधवार की सुबह संपत्ति बंटवारे के विवाद को लेकर भाई ने भाई की पिटाई कर दी। जिससे वह जख्मी हो गया। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक टाउन थाना क्षेत्र के मीरगंज पानी टंकी निवासी स्व. शत्रुघ्न प्रसाद का 28 वर्षीय पुत्र प्रमोद कुमार है। इधर, जख्मी के भाई रंजीत कुमार ने बताया कि वे लोग चार भाई है, जिसमें एक भाई द्वारा संपत्ति में पांच हिस्सा लगाने की बात कही जा रही है। इसी बात को लेकर बुधवार की सुबह उससे कहासुनी हुई, जिसके बाद उसने अपने अन्य लोगों के साथ मिलकर प्रमोद कुमार की पिटाई कर दी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से समुदाय में दिया गया स्तनपान के महत्त्व का संदेश

भोजपुर- विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को जिला के विभिन्न आयुष्मान मंदिर और निकटवर्ती क्षेत्रों में सीएचओ-पीएसपी (रोगी हितधारक मंच) के सदस्यों द्वारा समुदाय के लोगों को स्तनपान के महत्त्व के बारे में बताया गया. जिला के कोईलवर प्रखंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, धनडिहा में धात्री माताओं और गर्भवती महिलाओं में स्तनपान के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. सभी धात्री माताओं तथा गर्भवती महिलाओं को सीएचओ अबु शबाब के साथ एएनएम निगिता कुमारी के द्वारा चल रहे विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत टिकाकरण केंद्र पर स्तनपान शिशु के लिए महत्वपूर्ण क्यों है बताया गया. उपस्थित लोगों को सीएचओ द्वारा बताया गया कि जन्म के पहले घंटे का स्तनपान नवजात के लिए पहला टीका होता है जो उनके पोषण और इम्यूनिटी की आधारशिला रखता है. उन्होंने बताया कि नियमित स्तनपान से नवजात की मृत्यु का खतरा भी कम जाता है. इसी क्रम में चरपोखरी प्रखंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर नगराव में सीएचओ नीतू मंडोतिया द्वारा चल रहे विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह के तहत स्तनपान शिशु के लिए महत्वपूर्ण क्यों है बताया गया और पहले घंटे का स्तनपान स्तनपान को 'पहला टीका' भी कहते हैं क्योंकि इसमें बच्चे के लिए जरूरी हर चीज होती है।

प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा के निधन पर संभावना विद्यालय में शोक सभा आयोजित

- विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने दी श्रद्धांजलि
- संभावना विद्यालय ने अपना मार्गदर्शक व अभिभावक खो दिया-डॉ. अर्चना सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुटाब) के अध्यक्ष प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा का असमायिक निधन पर बुधवार को शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय विश्वविद्यालय में शोक सभा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह एवं संचालन वरीय शिक्षक अरविंद ओझा ने की। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि प्रो. कन्हैया बहादुर सिन्हा हमारे अभिभावक थे। वे संभावना विद्यालय के स्थापना काल से ही जुड़े रहे थे और समय-समय पर अपना मार्गदर्शन देते रहते थे। पिछले वर्ष संभावना विद्यालय द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में शामिल होकर उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया था। उनके निधन से संभावना विद्यालय ही नहीं बल्कि संपूर्ण शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। विद्यालय के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि प्रो.कन्हैया बहादुर सिन्हा विवि के शिक्षकों के हक एवं अधिकार को लेकर जीवनपर्यंत लड़ाई लड़ते रहे। संभावना विद्यालय ने अपना मार्गदर्शक और अभिभावक खो दिया। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं। शोक सभा में उपस्थित लोगों में उप प्राचार्य ऋषिकेश ओझा, शशिभूषण सिंह, राजेश रमण, संजीव सिन्हा, राधेश्याम तिवारी, जयशंकर सिंह इत्यादि थे।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का 71वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)।बिहार विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के 71वें जन्मदिन के अवसर पर बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के आवास पर बुधवार को सादगी और उत्साह के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने डॉ. प्रेम कुमार के दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार वीडियो कॉल के माध्यम से लाइव जुड़कर समारोह

में शामिल हुए। उन्होंने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं का स्नेह और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया तथा सभी से जनसेवा के कार्यों में निरंतर समर्पित रहने का आह्वान किया। जन्मोत्सव समारोह में उपस्थित लोगों ने केक काटकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और डॉ. प्रेम कुमार के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की। इस दौरान कार्यकताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा।

11वीं में नामांकन शुरू, 11 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) से मान्यता प्राप्त इंटरमीडिएट (प्लस-टू) विद्यालयों में 11वीं कक्षा में नामांकन की प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। विद्यार्थी ऑनलाइन फैसिलिटेशन सिस्टम फॉर स्टूडेंट्स (ओएफएसएस) पोर्टल के माध्यम से 11 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड ने विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नामांकन की तिथि बढ़ाई है, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं समय पर आवेदन कर सकें।बोर्ड द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, सभी शिक्षण संस्थानों को 12 अगस्त तक ओएफएसएस पोर्टल पर नामांकित विद्यार्थियों की सूची अनिवार्य रूप से अपडेट करनी होगी। परीक्षा समिति ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में सीबीएसई, आईसीएसई तथा अन्य राज्य बोर्डों के विद्यार्थी भी 11वीं में नामांकन ले सकते हैं। ऐसे में सभी संस्थानों को छात्र सूची समय पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, बिहार शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए डिजिटल एवं रिकॉर्डेड अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप तैयार यह सामग्री छात्रों को ई-लर्निंग के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएगी। रिकॉर्डेड कंटेंट एनसीईआरटी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, दीक्षा पोर्टल, ई-पाठशाला और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा।इसके अलावा छात्रों की पढ़ाई को अधिक सरल और प्रभावी बनाने के लिए इंटरैक्टिव डिजिटल टेक्स्टबुक, एनीमेशन, वीडियो लेक्चर, ऑडियो बुक्स तथा शिक्षकों के लिए ई-पाठ्य सामग्री भी विकसित की जा रही है।शिक्षा विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ मिलेगा और उनकी सीखने की क्षमता में भी वृद्धि होगी।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत का सपना होगा साकार: प्रो. गुलाब फलहारी

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर छात्रों ने दिखाया हुनर, विजेताओं को किया सम्मानित
- बहुविषयक शिक्षा और नवाचार पर जोर, महाविद्यालय में हुई विचार गोष्ठी

प्रात: किरण संवाददाता

आरा/शाहपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के छह वर्ष पूरे होने पर श्री त्रिदण्डी देव राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गौतमनगर, शाहपुर में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उपलब्धियां। विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं अकादमिक परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. गुलाब फलहारी ने की। प्राचार्य प्रो. फलहारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, भारतीय ज्ञान परंपरा और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, मूल्यपरक और रोजगारोन्मुख शिक्षा देने का आह्वान किया। परिचर्चा में डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शेर सिंह, डॉ. अंबरीश गौतम, डॉ. आस्था कुमारी, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. अबुल कलाम, डॉ. बुध देव राम, डॉ. संतोष तिवारी, डॉ. अफरीन बानो, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. भगवान मिश्र, डॉ. छाया कुमारी, डॉ. एस.एम. फैज तथा डॉ. रूपेश कुमार ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने इसे समावेशी, लचीली, गुणवत्तापूर्ण और भविष्य उन्मुख शिक्षा व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। निबंध प्रतियोगिता में सेमेस्टर-7 की छात्रा कुशी कुमारी प्रथम, सेमेस्टर-5 के विवेक कुमार द्वितीय तथा प्रिंस मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। प्राचार्य ने विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षकेत्तर कर्मियों राजन तिवारी, चंदन तिवारी, गोपाल उपाध्याय और पूजा मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

फुटाब के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. केबी सिन्हा के निधन पर वीकेएसयू शिक्षकों ने जताया शोक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) के स्नातकोत्तर शिक्षक संघ की ओर से बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वामित्र भवन के समीप आकस्मिक शोकसभा आयोजित कर फुटाब के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. के. बी. सिन्हा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शिक्षकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रो. के. बी. सिन्हा का निधन बिहार के उच्च शिक्षा जगत, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने पूरे जीवन में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया। उनके सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, कुशल नेतृत्व और शिक्षा के प्रति समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा।शिक्षकों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों एवं फुटाब परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोकसभा में स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार, सचिव डॉ. आमिर महमूद, उपाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष डॉ. रामधनी राम, प्रो. अनिल श्रीवास्तव, प्रो. दिवाकर पाण्डेय, प्रो. उमेश कुमार, प्रो. पुष्पा द्विवेदी, प्रो. दीपक वर्धन, डॉ. लक्ष्मी कुमारी, डॉ. वकारू जमा, डॉ. निलाम्बुज सरोज एवं डॉ. मुकेश राम सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

केशोपुर के समीप सड़क हादसे में तिलौथू के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर की मौत, साथी गंभीर घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। आरा-बड़हरा मुख्य मार्ग पर बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक ब्लॉक कोऑर्डिनेटर की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान उदवंतनगर थाना क्षेत्र के उदवंतनगर गांव निवासी स्वर्गीय अनंत सिंह के 42 वर्षीय पुत्र अशोक सिंह के रूप में हुई है। वे रोहतास जिले के तिलौथू प्रखंड में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत थे। वहीं घायल की पहचान उदवंतनगर निवासी भोला यादव के रूप में हुई है, जिनका इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों मंगलवार की देर रात

बाइक से आरा-बड़हरा मुख्य मार्ग से गुजर रहे थे। इसी दौरान केशोपुर पेट्रोल पंप के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर दोनों को तत्काल इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही अशोक सिंह ने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल भोला यादव का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बड़हरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान करने तथा चालक का पता लगाने में जुटी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आफत: सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाईवे पर बरसात में भी उड़ रहा है धूल

- ग्रामीणों ने पानी के छिड़काव की उठाई मांग

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। सकड्डी नासरीगंज स्टेट हाइवे पर बरसात में भी धूल उड़ रहा है। इस सड़क के दोनों किनारों और कहीं-कहीं बीच में भी बालू की ढुलाई से लगातार दो तीन वर्षों से गिर रहे धूल के कारण मिट्टी की मोटी परत जमा हो गई है। हालत यह है की बारिश के महीने में भी वर्षा छूटने के कुछ ही देर बाद सड़क पर ट्रकों के तेज परिचालन से धूल उड़ने लगता है। सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाईवे पर बालू के परिवहन से उड़ रही धूल अब आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गई है।

प्रतिदिन सैकड़ों बालू लदे ट्रकों के परिचालन के कारण सड़क पर महीन धूल की मोटी परत जमा हो रही है, ट्रकों की रफ्तार से धूल उड़कर सांस में जा रहे हैं। इस सड़क से गुजरने वाले यात्रियों के आंखों में भी काफी जलन महसूस होती है। जिससे राहगीरों

और स्थानीय ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सकड्डी से संदेश तक स्टेट हाईवे की स्थिति बेहद खराब है। बरसात के मौसम में भी बारिश रुकने के कुछ ही देर बाद सड़क पर धूल उड़ने लगती है। तेज रफ्तार ट्रकों के गुजरने से धूल का गुबार पूरे इलाके में फैल जाता है, जिससे सड़क किनारे रहने वाले लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है। धूल के कारण लोगों को सांस लेने में कठिनाई, लगातार खांसी और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोईलवर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उमेश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार महीन धूल कणों के संपर्क में रहने से लोगों में न्यूमोकोनियोसिस जैसी फेफड़ों से संबंधित बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे मरीजों के फेफड़े धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं, लंबे समय तक खांसी बनी रहती है तथा सांस लेने में परेशानी होती है। स्थानीय ग्रामीण राजीव कुमार ने कहा कि बालू लदे वाहनों के लगातार परिचालन से उड़ने वाली धूल ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। उन्होंने कहा कि सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव नहीं होने से स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। उन्होंने जिला प्रशासन और खनन विभाग से अविलंब नियमित पानी का छिड़काव कराने की मांग की, ताकि लोगों को धूल प्रदूषण से राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो धूल प्रदूषण के कारण क्षेत्र में श्वसन संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या और बढ़ सकती है।

सेवा, संस्कार और पर्यावरण के संकल्प के साथ मनाया गया डॉ. प्रेम कुमार का जन्मदिवस, वृक्षारोपण, गौ-सेवा और दरिद्रनारायण भोज का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार का जन्मदिवस बुधवार को भारतीय जनता पार्टी गया जिला पूर्वी, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों द्वारा सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकार के भाव के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने डॉ. प्रेम कुमार को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया तथा उपस्थित लोगों के बीच मिठाइयों का

वितरण किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी , प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ,संगठन महामंत्री भीखु भाई दलसानिया , मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया जी ने डॉ प्रेम कुमार को दूरभाष पर बधाई दी है। अपने जन्मदिवस को समाज एवं प्रकृति के प्रति समर्पित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने गयाजी स्थित गांधी मैदान परिसर में वृक्षारोपण किया तथा लोगों से अधिकाधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। इसके उपरांत डॉ. प्रेम कुमार ने मानपुर स्थित गौ रक्षिणी में पहुंचकर गौ माता को हरा चारा एवं फल खिलाया तथा गौ संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ सेवा का विशेष महत्व है और इसका संरक्षण हम सभी का नैतिक दायित्व है। जन्मदिवस के अवसर पर उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला कार्यकर्ताओं एवं दिव्यांगजनों को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और दिव्यांगजनों का सम्मान एवं सशक्तिकरण विकसित समाज की पहचान है। इसके बाद डॉ. प्रेम कुमार ने गयाजी के पवित्र विष्णुपद क्षेत्र में दरिद्रनारायण के बीच भोजन का वितरण किया तथा जरूरतमंद लोगों की सेवा को मानवता की सबसे बड़ी पूजा बताया है। अपने जन्मदिवस के अवसर पर उन्होंने भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष विजय मांझी,पप्पू चंद्रवंशी,नीरज निश्चल,सुनील सिन्हा,संतोष सिंह,जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा,,स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य,सारिका वर्मा,मोहन लाल शर्मा, सुनिल बब्बईया, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शंभु यादव, पम्मी सिंह,हरि यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

जिले के विकास कार्यो के लिए भूमि उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस की अध्यक्षता में राजस्व एवं भूमि सुधार से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता (राजस्व), भूमि सुधार उप समाहर्ता तथा जिले के सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने राजस्व एवं भूमि संबंधी मामलों की प्रखंडवार एवं अंचलवार समीक्षा करते हुए सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में संचालित एवं प्रस्तावित सभी विकासात्मक योजनाओं के लिए आवश्यक भूमि की उपलब्धता समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमि उपलब्धता अथवा एनओसी (ठडड) से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के कारण कोई भी निर्माण कार्य, आधारभूत संरचना परियोजना अथवा जनहित की विकास योजना बाधित नहीं होनी चाहिए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सड़क, पुल-पुलिया, विद्यालय, स्वास्थ्य संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्र, पेयजल, सिंचाई, विद्युत, खेल मैदान, पंचायत भवन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवश्यक भूमि चिन्हित कर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं में भूमि हस्तांतरण, जमाबंदी, सीमांकन, अतिक्रमण, म्यूटेशन अथवा अन्य राजस्व संबंधी समस्याओं के कारण कार्य लंबित हैं, उनकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाए। सभी अंचलाधिकारी नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक में सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने, सरकारी भूमि का अद्यतन अभिलेखीकरण, ऑनलाइन दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, परिमापी कार्यों में तेजी लाने तथा न्यायालयों में लंबित राजस्व वादों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।

संक्षिप्त खबरें

सशक्त स्थायी समिति सदस्य ने विधानसभा अध्यक्ष के जन्मदिन पर बधाई दी

गया जी। विधानसभा अध्यक्ष बिहार सरकार सह नगर विधायक गया जी डॉ प्रेम कुमार जी का 71 जन्म दिन का बहुत बहुत शुभकामनाएं देते हुए नगर निगम सशक्त स्थायी समिति सदस्य सारिका वर्मा ,बिंदु,नीशू कुमारी, खुशबू कुमारी, आशा देवी ने केक काटकर विधानसभा अध्यक्ष को बधाई शुभकामनाएं दी उनकी लम्बी उम्र की भावना कामना किए हैं।

अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष के 71 वे जन्मदिन पर बधाई

गया जी। बिहार विधानसभा अध्यक्ष सह नगर विधायक डा प्रेम कुमार के 71 वे जन्मदिन पर उनको अतिथि निवास मे जाकर गया के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रोनक सेठ ने बधाई दी और कहा की इनके रहते हुए गया विकास की राह पर है |सभी लोगों को मदद करने वाले विधायक के जन्मदिन पर बधाई देता हूं।

जड़ी-बूटी दिवस पर अंबा में महिलाओं की अनोखी पहल, औषधीय पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

औरंगाबाद। जड़ी-बूटी दिवस के अवसर पर औरंगाबाद जिले के अंबा के पंचदेव धाम चपरा में महिलाओं ने औषधीय पौधों का रोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। जड़ी-बूटी दिवस के अवसर पर चपरा गांव स्थित पंचदेव धाम परिसर में धाम समिति और पतंजलि महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं ने औषधीय पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में पंचदेव धाम महिला समिति की सरिका शेखर के नेतृत्व में किरण देवी, स्वीटी देवी, संगीता देवी, आरती देवी सहित पतंजलि परिवार की कई महिला सदस्यों ने भाग लिया। महिलाओं ने तुलसी, एलोवेरा, गिलोय सहित कई औषधीय पौधे लगाए और उनके स्वास्थ्य लाभ तथा महत्व पर विस्तार से चर्चा की। धाम के संस्थापक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति और आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों का विशेष महत्व है। वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच औषधीय पौधों का संरक्षण बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने लोगों से अपने घर और आसपास कम से कम एक औषधीय पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में महिलाओं ने वृक्षारोपण, योग और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है।

चोरी के ट्रैक्टर के मामले में मिला क्षतिपूर्ति

औरंगाबाद। जिला उपभोक्ता अदालत ने उपभोक्ता वाद संख्या -63/17 में सुनवाई करते हुए परिवादी के पक्ष में निर्णय लिया। तत्पश्चात विपक्षी बजाज आलियांज जेनरल इंश्योरेंस कंपनी ने परिवादी सुनील सिंह जगतपुर बारूण औरंगाबाद के नाम से 438917 रू का चेक जिला उपभोक्ता अदालत को दिया। जिला उपभोक्ता अदालत के सदस्य बद्रीनारायण सिंह ने बताया कि परिवादी ने अपने महिन्द्रा ट्रेक्टर का इंश्योरेंस इस कम्पनी से कराया जिसकी मूल्य मूल्यांकन 04 लाख थी और बीमावधि 24 जून 16 से 23 जून 17 थी। इसी बीच परिवादी के घर के बाहर लगे ट्रेक्टर 20 मई 17 को चोरी हो गई। जिसकी प्राथमिकी थाना में अज्ञात पर दर्ज कराई गई थी। उसके बाद बीमा कंपनी शाखा एमजी रोड औरंगाबाद से क्षतिपूर्ति राशि मांग की गई, तो कम्पनी ने टालमटोल किया। तो जगनरायण सिंह अधिवक्ता के माध्यम से वकालतन नोटिस 23/11/17 को भेजा गया, जिसका कोई जवाब नहीं आया तो 4 लाख बीमा राशि और 10% ब्याज तथा मानसिक क्षतिपूर्ति राशि सहित 5 लाख की मांग परिवादी द्वारा 21 दिसम्बर 17 को केस द्वारा किया गया था। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि यदि गाड़ी चल नहीं रही है दरवाजे पर खड़ी है तो परमिट की आवश्यकता नहीं है।

विभिन्न मांगों को लेकर छह दिनों से जारी अनिश्चित कालीन हड़ताल

गया जी। बिहार राज्य के नगर निकायों के सफाईकर्मियों के विभिन्न मांगों को लेकर विगत छह दिनों से जारी अनिश्चित कालीन हड़ताल से सम्पूर्ण शहर, बाजार नरक में तब्दील है, आमजन गंदगी से त्राहि- त्राहि कर रहे हैं, सभी घरों के डस्टबीन में सूखा और गिला कचड़ा कई दिनों से पड़े रहने से बीमारियां फैलने का डर बनी हुई है, तो दुसरी ओर सूबे के नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा मूक दर्शक बन चुप्पी साधे हुए हैं। गयाजी में सफाईकर्मी के वर्षों पुरानी मांगों के समर्थन में कॉंग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकताओं ने स्थानीय टावर चौक पर नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा का पुतला दहन कर अनिश्चित कालीन हड़ताल को समाप्त कराने की मांग की ताकि आमजनों को गंदगी से निजात मिल सके |पुतला दहन कार्यक्रम की अध्यक्षता गया कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार झुंना ने किया तथा कार्यक्रम में शामिल बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठु, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस के उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, अमित कुमार सिंह उर्फ रिंकू सिंह, टिंकू गिरी ओंकार शक्ति युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा, दामोदर गोस्वामी, प्रदीप शर्मा, राम प्रमोद सिंह,,शिव कुमार चौरसिया, धर्मेंद्र कुमार निराला, सुनील कुमार पासवान, मुन्ना मांझी, आदि ने कहा कि नगर निकायों के सफाई कर्मचारियों जो वर्षों से ठेका पर काम करते आ रहे हैं, उन्हें स्थायी करने सहित उनके विभिन्न मांगों को राज्य सरकार अविलंब पूरा करे। नेताओं ने कहा कि दो दिनों पहले बिहार विधानसभा के अध्यक्ष गया के वर्षों से विधायक रहे डॉ प्रेम कुमार द्वारा सूबे के नगर विकास एवं आवास मंत्री से हड़ताल समाप्त कराने की बातों का भी कोई असर नहीं पड़ा, बल्कि पूरी तरह जुमला सिद्ध हुआ है।

श्रावणी मेला की भीड़ का फायदा उठा रहे अपराधी, पीड़ित ने बताया FIR दर्ज कराने के बजाय दूसरे स्टेशन जाने की दी गई सलाह

प्रात: किरण संवाददाता

गया। गया जंक्शन पर ट्रेनों में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला 12988 अजमेर-सियालदाह एक्सप्रेस का है, जहां 4 अगस्त को गया जंक्शन से ट्रेन खुलने के दौरान एक महिला यात्री का पर्स चोरी हो गया। पर्स में सोने की चेन, सोने की अंगूठी तथा लगभग 2200-2300 रुपये नकद रखे थे। पीड़ित उमेश गुप्ता, जो पेशे से कैटरर हैं, अपनी पत्नी पुष्पा देवी के साथ किसी कार्य से यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वे गया से रानीगंज जा रहे थे। इसी दौरान गया जंक्शन पर ट्रेन में चढ़ने के समय उनकी पत्नी का पर्स चोरी हो गया। उमेश गुप्ता के अनुसार, उन्होंने बताया कि गया में एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकी। क्योंकि ट्रेन यहां से खुल चुकी थी। उनका कहना है कि रानीगंज स्टेशन के आरपीएफ पोस्ट पर उनका नाम-पता और घटना का विवरण दर्ज कर लिया गया, जबकि अंडाल जीआरपी में लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इतनी भागदौड़ करना उनके लिए संभव नहीं है और स्थानीय स्तर पर ही चोरी गए सामान की बरामदगी का प्रयास किया जाए। लगातार सामने आ रहे हैं चोरी और छिनतई के मामले पिछले माह से लेकर अगस्त माह की शुरूआत तक चलती ट्रेनों में चोरी और छिनतई की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कई यात्रियों ने गया जंक्शन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जबकि कुछ ने अपने गंतव्य स्टेशन पहुंचने के बाद संबंधित जीआरपी थानों में शिकायत दी। सूत्रों की मानें तो गत महीने यहां करीब 10 की संख्या में शिकायतें मिली तो नियमानुसार जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को संबंधित थाने के लिए अग्रसारित कर दिया गया है। जबकि एक यात्री के मोबाइल की चोरी की शिकायत यहां दर्ज कर ली गई है। श्रावणी मेला की भीड़ का उठा रहे फायदा इन दिनों श्रावणी मेला के कारण लगभग सभी ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक है। भीड़ प्रबंधन और अपराध नियंत्रण के लिए रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी एवं जवान तैनात हैं, जो यात्रियों को सतर्क रहने के लिए लगातार जागरूक भी कर रहे हैं। इसके बावजूद अपराधी भीड़ का फायदा उठाकर ट्रेन में चढ़ते-उतरते समय अथवा यात्रियों के सो जाने पर उनके सामान पर हाथ साफ कर रहे हैं।

नैली एवं खुखड़ी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में उमड़ी भीड़

नीमचक बथानी (गया):निमचक बथानी प्रखंड अंतर्गत नैली एवं खुखड़ी पंचायत सरकार भवन में आयोजित सहयोग शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। शिविर में मोहम्मद औरंगजेब (जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि सह युवा जदयू प्रदेश महासचिव), संबंधित पंचायत के मुखिया एवं विधायक प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी (इडड), अंचलाधिकारी (उड), थाना अध्यक्ष सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास, बिजली, पेयजल एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई तथा कई आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सहयोग शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ उठाया है।

रेलवे बोर्ड का नया आदेश गया जंक्शन पर क्यों नहीं लागू? शवों के निष्पादन पर अब भी 5 हजार का ही भुगतान, 7 हजार का आदेश फाइलों में कैद

प्रात: किरण संवाददाता

गया। रेलवे बोर्ड ने मृत शवों को कफन उपलब्ध कराने एवं रेलवे परिसर से उनके निष्पादन (ङ्करस्त्रङ्गर') के लिए भुगतान की राशि बढ़ाने का आदेश जारी किया है, लेकिन गया जंक्शन पर अब भी पुराने आदेश के अनुसार ही भुगतान किया जा रहा है। इससे रेलवे बोर्ड के ताजा आदेश के अनुपालन पर सवाल खड़े हो गए हैं। रेलवे बोर्ड का क्या है आदेश रेलवे बोर्ड ने 15 जून 2018 को जारी आदेश के तहत शवों के निष्पादन एवं कफन उपलब्ध कराने के लिए 1,000 से बढ़ाकर 5,000 (या वास्तविक व्यय, जो कम हो) भुगतान करने का प्रावधान किया था। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने 04 मई 2026 को एक नया आदेश जारी कर इस राशि को 5,000 से बढ़ाकर 7,000 (या वास्तविक व्यय, जो कम हो) कर दिया। आदेश में इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की बात कही गई है। गया जंक्शन पर पुराना आदेश प्रभावी, उसी के अनुसार हो रहा भुगतान जानकारी के अनुसार, गया जंक्शन पर शवों के निष्पादन का कार्य करने वाले व्यक्ति को अभी भी 5 हजार ही दिए जा रहे हैं। रेलवे सूत्रों का कहना है कि अगस्त महीने में दो शवों के निष्पादन के एवज में स्टेशन अधीक्षक (एसएस) की अनुशंसा के बाद कुल 10 हजार का भुगतान किया गया, अर्थात प्रत्येक शव पर 5 हजार। रेलवे अधिकारियों से पूछा गया सवाल, नहीं मिला जवाब इस संबंध में एक मीडिया हाउस ने पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र से यह जानने का प्रयास किया कि रेलवे बोर्ड के 2026 के आदेश के बावजूद गया जंक्शन पर 7 हजार का भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ है। इसी तरह डीडीयू मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना से भी उनके सरकारी व्हाट्सएप नंबर पर इस संबंध में प्रश्न पूछा गया, लेकिन उनकी ओर से भी कोई उत्तर नहीं मिला है। नया आदेश लागू करने का निर्देश नहीं मिला इधर, गया रेल थाना की पुलिस ने भी स्टेशन प्रबंधक से मिलकर रेलवे बोर्ड के नए आदेश के अनुसार 7 हजार भुगतान करने की मांग की। उन्हें रेलवे बोर्ड के 2026 के आदेश की प्रति भी दिखाई गई। रेल पुलिस के एक पदाधिकारी ने बताया कि स्टेशन प्रबंधक का कहना है कि रेलवे बोर्ड का आदेश तो जारी हुआ है, लेकिन उसे प्रभावी ढंग से लागू करने के संबंध में विभागीय स्तर से उनके पास कोई अलग निर्देश या पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए अभी पुराने आदेश के अनुसार ही 5 हजार का भुगतान किया जा रहा है। बड़ा सवाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब रेलवे बोर्ड ने 4 मई 2026 को ही तत्काल प्रभाव से भुगतान राशि बढ़ाकर 7 हजार करने का आदेश जारी कर दिया, तो तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी गया जंक्शन पर इसका अनुपालन क्यों नहीं हो रहा है? क्या विभागीय स्तर पर आदेश का क्रियान्वयन नहीं हुआ, या फिर स्थानीय स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है? इसका जवाब अब रेलवे प्रशासन को देना होगा।

प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में एएम कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

गया। बिहार सरकार द्वारा प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में राज्यव्यापी संयुक्त आंदोलन के आह्वान के तहत अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी चरणबद्ध आंदोलन में भाग लेंगे। महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा उच्च शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है। इसी के विरोध में राज्यव्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत 5 अगस्त से 8 अगस्त 2026 तक सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थल पर काला बिल्ला लगाकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराएंगे। इसके उपरांत 10 अगस्त 2026 को महाविद्यालय में सामूहिक अवकाश रहेगा तथा विश्वविद्यालय मुख्यालय पर आयोजित धरना-प्रदर्शन में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भाग लेंगे। वहीं 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 1:30 बजे से 2:00 बजे तक महाविद्यालय परिसर में विरोध सभा, नारेबाजी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सरकार से प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तथा लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में चल रहे राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के प्रथम चरण के अंतर्गत अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने आज काला बिल्ला लगाकर अपने नियमित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके उपरांत सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन (प्रशासनिक ब्लॉक) के समक्ष एकत्र हुए तथा प्रस्तावित विश्वविद्यालय विधेयक के विरोध में नारेबाजी करते हुए अपना शांतिपूर्ण प्रतिरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं उच्च शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है। उन्होंने सरकार से इस विधेयक को तत्काल वापस लेने की मांग की है। सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शैक्षणिक स्वतंत्रता तथा उच्च शिक्षा के हितों की रक्षा के लिए संयुक्त संघर्ष जारी रहेगा तथा राज्यव्यापी आंदोलन के आगामी सभी चरणों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सब्जी व्यवसाय से मिलकर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दिया कई निर्देश

ओबरा (औरंगाबाद)। प्रखंड मुख्यालय स्थित ओबरा सब्जी मंडी में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ मनोज कुमार ने सब्जी विक्रेताओं से मिलकर उन्होंने व्यवसाय वर्ग के लोगों को कई तरह का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित सभी ठोक तथा खुदरा सभी व्यवसाईयों से मिलकर स्थिति के बारे में जानकारी लिया तथा उन्होंने विक्रेताओं को कई तरह का निर्देश जारी किया। कहा कि मुख्य सड़क पर किसी तरह के कोई अतिक्रमण विक्रेता ना लगे बल्कि सड़क के दोनों तरफ बने नाले के पीछे तरफ खुदरा सब्जी व्यवसाय अपना दुकान लगाना सुनिश्चित करें। मुख्य सड़क पर किसी भी सूरत में दुकान न लगाने की निर्देश दिया तथा कहा कि अपने-अपने दुकान के समय कचरा फेंकना बंद करें। इसके लिए पंचायत योजना के माध्यम से सभी कचरा को एकत्रित कर सुरक्षित स्थान पर फेंका जाएगा। जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सब्जी विक्रेताओं से मिलकर बाजार की समस्याएं के बारे में जानकारी लिया गया निश्चित रूप से बाजार साफ सफाई रखना बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि 2 दिन के अंदर सब्जी व्यवसाय एवं व्यवसाय वर्ग के लोगों एवं जनप्रतिनिधि के उपस्थिति में एक बैठक बुलाकर बाजार को साफ सफाई एवं अतिक्रमण मुक्त करने से संबंधित उन्हें जानकारी दिया जाएगा। सब्जी मंडी के लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संपर्क किया गया है। निश्चित रूप से सब्जी मंडी तथा बाजार साफ सफाई कराए जाएंगे। उन्होंने ओबरा बाजार के विभिन्न मोहल्ले में पहुंचकर स्थिति से अवगत हुए तथा लोगों को कई तरह की साफ सफाई से संबंधित जानकारी दी। मौके पर स्वच्छता पर्यवेक्षक अभिषेक कुमार सोनी को कई तरह का निर्देश दिया। कहा कि ओबरा बाजार का कचरा सुरक्षित स्थान पर गिरने का निर्देश दिया कहा कि बाजार में जहां तहां कचरा ना फेंके संक्रामक बीमारी से बचने की जरूरत है।

जगजीवन महाविद्यालय, गया जी में उच्च शिक्षा विधेयक 2026 के विरोध में सयुक्त आंदोलन की शुरूआत

शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने हर-हाल में आंदोलन को सफल बनाने का लिया संकप

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। विशाल संयुक्त आंदोलन का बिगुल बज गया। आज से बिहार के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 की स्वायत्तता के समर्थन में तथा उच्च शिक्षा अधिनियम, 2026 के विरोध में अगले एक माह तक अलग-अलग चरणों में धरना-प्रदर्शन करेंगे। 5 अगस्त से लेकर 8 अगस्त तक काला-बिल्ला लगाकर अधिनियम के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन करेंगे। उसके बाद 10 अगस्त को बिहार के सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय सामूहिक आकस्मिक अवकाश पर रहते हुए विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर इकट्ठे होंगे और प्रस्तावित उच्च शिक्षा विधेयक, 2026 को वापस लेने के लिए आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। तदुपरांत 11 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक अपने-अपने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रहते हुए दिन के 1:30 बजे से लेकर 2:00 बजे तक प्रत्येक दिन धरना देंगे और यह आंदोलन 5 सितंबर को छात्र एवं अभिभावकों से संवाद के साथ समाप्त हो जाएगा। यदि सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है तो यह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। जगजीवन महाविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी तथा संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि अभी समय उच्च शिक्षा में बुनियादी सुधार का है। नई शिक्षा नीति, 2020 में यह कहा गया है कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के लिए सरकार को अधिक निवेश की आवश्यकता है। लेकिन सरकार शिक्षा के बजट में लगातार कटौती करती चली जा रही है। इसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सरकार सुधार के नाम पर उच्च शिक्षा का बुनियाद ही समाप्त कर देना चाहती है। जगजीवन कॉलेज शिक्षकेत्तर कर्मचारी के अध्यक्ष श्री राजेश कुमार, सचिव श्री जफर अली ने इस आंदोलन को हर हाल में सफल बनाने का संकल्प लिया तथा कहा कि स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ करना कहीं से भी उचित नहीं है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर जगजीवन महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मचारी के प्रक्षेत्रीय मंत्री राजीव कुमार भास्कर एव प्रो. रतिकांत दाश, प्रो. पूर्णेंदु कुमार, डॉ. अनुरानी, डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. शिवकुमार रविदास, श्री रवि रंजन, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. निरुपमा कुमारी, डॉ. नारायण कुमार, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. ऐजाज असलम आदि ने इस आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एमयू हिन्दी विभाग में काव्य प्रतियोगिता का प्रथम चरण संपन्न, तीन विद्यार्थी चयनित

प्रात: किरण संवाददाता

बोधगया। आगामी 7 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन हेतु विद्यार्थियों के चयन के लिए हिंदी विभाग, मगध विश्वविद्यालय के मीराबाई कक्ष में आज काव्य प्रतियोगिता के प्रथम चरण का सफल आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में हिंदी, उर्दू एवं अंग्रेजी विभागों के कुल पाँच प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक रचनाओं का पाठ किया है। निर्णायक मंडल ने मौलिकता, प्रस्तुति एवं काव्य सौंदर्य के आधार पर अंक प्रदान किए हैं। अंतिम परिणाम के अनुसार नौशाद (शोधार्थी, उर्दू विभाग) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुमित्रा कुमारी रजक (शोधार्थी, हिंदी विभाग) एवं शिप्रा कुमारी (स्नातकोत्तर, अंग्रेजी विभाग) संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं। ये तीनों विद्यार्थी कवि सम्मेलन में मंच साझा करने हेतु चयनित हुए हैं। प्रस्तुति देने वाले हिन्दी विभाग के दो अन्य विद्यार्थियों शुभम एवं गोपेश का चयन नहीं हो सका। निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभाग से प्रो. सुशील कुमार सिंह संस्कृत विभाग से डॉ. ममता मेहरा, उर्दू विभाग से डॉ. जियाउल्लाह अनवर एवं हिन्दी विभाग से डॉ. अंबे कुमारी सम्मिलित रहे। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार सिंह ने अतिथि निर्णायकों का स्वागत करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मंच संचालन डॉ. परम प्रकाश राय ने किया है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राकेश कुमार रंजन, डॉ. अनुज कुमार तरुण और मगही विभाग की डॉ. किरण कुमारी शर्मा सहित शोधार्थी सुशीला, नीलम, शुभम एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। विभाग द्वारा बताया गया कि शेष दो स्थानों के चयन हेतु प्रतियोगिता का द्वितीय चरण 6 अगस्त 2026 को हिंदी विभाग में आयोजित किया जाएगा, जिसमें इच्छुक विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

शेरघाटी में चौकीदार पर चाकू से जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

शेरघाटी। शेरघाटी थाना क्षेत्र में बुधवार को ड्यूटी से घर लौट रहे एक चौकीदार पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है |घायल चौकीदार की पहचान ढाब चिड़ैया गांव निवासी शिवकुमार यादव, पिता देवकी यादव, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह शेरघाटी थाना में ड्यूटी पूरी कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान फटिकी चक के समीप आरोपी ने उन पर अचानक चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावर ने उनके शरीर पर तीन स्थानों पर चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही शेरघाटी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल चौकीदार को तत्काल अनुमंडल अस्पताल, शेरघाटी में भर्ती कराया। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। घायल की पत्नी अमिता देवी ने बताया कि उनके पति थाना से ड्यूटी कर घर लौट रहे थे। घर के पास पहुंचते ही उन पर अचानक चाकू से हमला कर दिया गया। उन्होंने आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शेरघाटी के डीएसपी संदीप कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच के दौरान आरोपी चंदन सिंह की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है |घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

नगर परिषद व नगर पंचायत समेत 13 पंचायतों में लगा सहयोग शिविर

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस के मार्गदर्शन में 5 प्रखंडों में सहयोग शिविरह्ल नगर परिषद अरवल नगर पंचायत कुर्था एवं जिले के कुल 13 पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह सहयोग शिविर प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निष्पादन एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है |आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति निम्नवत रही अरवल प्रखंड के सरौती पंचायत में कुल 09 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 03 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। भदासी पंचायत में कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 08 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। |कुर्था प्रखंड के पिंजरावाँ पंचायत में कुल 06 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सभी 06 आवेदनों अग्रेतर कार्रवाई हेतु लंबित है। वहीं बारा पंचायत में कुल 08 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सभी 08 आवेदनों अग्रेतर कार्रवाई हेतु लंबित है। कलेर प्रखंड के कामता पंचायत में कुल 30 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 25 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। उतरी कलेर पंचायत में कुल 30 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 25 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं बेलॉव पंचायत में कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 06 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। करपी प्रखंड के परियारी पंचायत में कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 03 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। मुरारी पंचायत में कुल 141 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 97 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। रामपुर चाय पंचायत में कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 87 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। पुराण पंचायत में कुल 07 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सभी 07 आवेदनों अग्रेतर कार्रवाई हेतु लंबित है।

मगध विश्वविद्यालय में स्तन स्व-परीक्षण पर स्वास्थ्य वार्ता आयोजित

बोधगया, |मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग द्वारा मेदांता हॉस्पिटल, पटना एवं मगध विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ह्लस्तन स्व-परीक्षणह्व विषय पर स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को स्तन स्वास्थ्य, स्तन कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों, बचाव तथा समय रहते जांच के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मेदांता हॉस्पिटल, पटना की स्तन कैंसर विशेषज्ञ डॉ. विनीता ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने स्तन कैंसर के कारणों, संभावित जोखिम कारकों, प्रारंभिक लक्षणों, बचाव तथा जांच से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक साझा कीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य एवं शरीर में होने वाले परिवर्तनों के प्रति सजग रहना चाहिए। समय रहते किसी असामान्य परिवर्तन की पहचान और चिकित्सकीय परामर्श से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव की संभावना बढ़ जाती है। डॉ. विनीता ने स्तन स्व-परीक्षण की आवश्यकता, महत्व और सही तरीके के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि स्तन में गांठ, आकार में असामान्य परिवर्तन, त्वचा में बदलाव अथवा किसी अन्य असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना किसी संकोच के विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्तन कैंसर के प्रति भय उत्पन्न करने के बजाय महिलाओं और युवतियों तक सही, वैज्ञानिक और प्रमाणिक जानकारी पहुंचाना आवश्यक है। स्वास्थ्य वार्ता में मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया है। स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण के साथ बड़ी संख्या में छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। प्रतिभागियों ने स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान, रोकथाम तथा महिला स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की है। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रश्नोत्तर सत्र रहा है। इसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्तन कैंसर के कारणों, लक्षणों, स्तन स्व-परीक्षण, जांच, उपचार, बचाव तथा महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे है। डॉ. विनीता ने छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया तथा उनकी जिज्ञासाओं का सरल और वैज्ञानिक ढंग से समाधान किया।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट एवं एनजीओ की सतर्कता से मानव तस्करी का प्रयास विफल, बचाई गई नाबालिग

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रक्सौल की टीम ने मैत्री ब्रिज, रक्सौल, पूर्वी चम्पारण बिहार के समीप नियमित जांच एवं निगरानी के दौरान एक भारतीय नाबालिग लड़की को मानव तस्करी का शिकार होने से बचाते हुए नेपाल के एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चंपारण एवं स्वच्छ रक्सौल संस्था के प्रतिनिधियों ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेराज देवान (22 वर्ष), निवासी जिला रौतहट, नेपाल के रूप में हुई। आरोपी के साथ लगभग 16 वर्षीय एक भारतीय नाबालिग लड़की थी, जो बिहार के सीतामढ़ी जिले की निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने लड़की को अपना रिश्तेदार बताया, लेकिन एएचटीयू टीम द्वारा की गई गहन पूछताछ एवं काउंसलिंग में यह दावा पूरी तरह असत्य पाया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि लगभग एक माह पूर्व आरोपी सेराज देवान, जो मुस्लिम समुदाय से है, ने फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से पूजा कुमारी (बदला हुआ नाम) से संपर्क स्थापित किया। इसके बाद उसने प्रेम संबंध का झूठा विश्वास दिलाकर उसका भरोसा जीता तथा उसके निजी एवं अश्लील फोटो एवं वीडियो प्राप्त कर लिए। बाद में उन्हीं फोटो एवं वीडियो के आधार पर मानसिक दबाव बनाते हुए शादी का झांसा देकर उसे मुजफ्फरपुर बुलाया। उस समय नाबालिग अपने माता-पिता के साथ पंजाब के जालंधर में रह रही थी, जहां उसके माता-पिता एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं। आरोपी के बहकावे में आकर वह बिना किसी को बताए ट्रेन से मुजफ्फरपुर पहुंच गई, जहां आरोपी पहले से उसका इंतजार कर रहा था। वहां से वह उसे नेपाल ले जा रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह शादी करने के नाम पर लड़की को नेपाल ले जा रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपना फर्जी आधार कार्ड भारत का बनवा रखा था। वहीं नाबालिग के परिजनों से संपर्क करने पर जानकारी मिली कि वह 02 अगस्त 2026 से लापता थी तथा परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। एएचटीयू, 47वीं वाहिनी एसएसबी एवं एनजीओ की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और प्रभावी काउंसलिंग के कारण नाबालिग को संभावित शोषण एवं मानव तस्करी जैसी गंभीर परिस्थिति में फंसने से सुरक्षित बचा लिया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई हेतु आरोपी सेराज देवान एवं नाबालिग लड़की को हरैया थाना, रक्सौल, पूर्वी चंपारण,बिहार के सुपुर्द कर दिया गया। इस संबंध में स्वच्छ रक्सौल संस्था के अध्यक्ष रणजीत सिंह के आवेदन पर कांड संख्या 111/26, दिनांक 04.08.2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में मानव तस्करी रोधी इकाई, 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल से सहायक उप निरीक्षक खेमराज, हवलदार अरविंद द्विवेदी, महिला सिपाही साधना सिन्हा एवं महिला सिपाही श्रीदेवी, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर से आरती कुमारी, राज गुप्ता एवं अभिषेक कुमार, किरण वर्मा,तथा स्वच्छ रक्सौल संस्था से साबरा खातून शामिल रहीं।

सिंह दरबार में गृहमंत्री ने बुलाई सर्वदलीय बैठक देश में सद्भाव और शांति बनाए रखने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में हाल के दिनों में विभिन्न स्थानों पर उत्पन्न सांप्रदायिक तनाव और सामाजिक अस्थिरता की घटनाओं को देखते हुए सिंहदरबार स्थित गृह मंत्रालय में गृहमंत्री सुदान गुरुङ की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में देशभर में शांति, सामाजिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों, सुरक्षा निकायों और प्रशासन के बीच समन्वय बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, राष्ट्रीय अनुसन्धान विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। सभी पक्षों ने हालात को सामान्य बनाए रखने और किसी भी प्रकार की हिंसा या उकसावे की घटनाओं को रोकने के लिए साझा प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की। गृहमंत्री सुदान गुरुङ ने कहा कि नेपाल की पहचान सामाजिक सद्भाव, धार्मिक सहिष्णुता और आपसी भाईचारे से रही है। किसी भी व्यक्ति या संगठन को समाज में वैमनस्य फैलाने, हिंसा भड़काने या कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

11 हजार वोल्ट का तार टूटकर सूखे आम के पेड़ पर गिरा, बड़ा हादसा टला

बगहा। वाल्मीकिनगर के उपरी शिविर-3 नंबर में बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। उपरी शिविर से नीचे जाने वाली सीढ़ी के बगल में राजेश के घर के सामने स्थित सूखे आम के पेड़ की डाल पर अचानक 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर गिर गया। घटना के समय आसपास लोगों की आवाजाही थी, लेकिन संयोगवश कोई इसकी चपेट में नहीं आया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को इसकी सूचना दी, जिसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित लाइन की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। तार टूटने के कारण फिलहाल उपरी शिविर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से जल्द मरम्मत कर बिजली बहाल करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जर्जर तारों की जांच और आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है।यदि चाहें, तो इसे और अधिक प्रभावी ब्रेकिंग न्यूज या स्थानीय संवाददाता शैली में भी तैयार कर सकता हूँ।

नेपाल में गैस सिलेंडर की कमी पर सरकार सख्त, व्यवसायियों के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक

बगहा। नेपाल में रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की बढ़ती कमी और उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने गैस व्यवसायियों और संबंधित एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में देशभर में गैस की आपूर्ति जल्द सामान्य करने, कृत्रिम अभाव रोकने तथा कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, नेपाल ऑयल निगम (एनओसी) के प्रतिनिधियों तथा एलपीजी गैस उद्योग एवं वितरक संघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया। सरकार ने व्यवसायियों से उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कृत्रिम अभाव पैदा करने, अधिक कीमत वसूलने या गैस की जमाखोरी करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ प्रचलित कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नेपाल ऑयल निगम को गैस आयात और वितरण की नियमित निगरानी करने तथा सभी प्रांतों में समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

चितवन में पहिरो से नारायणगढ़-मुग्लिन राजमार्ग बाधित, दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार

बगहा। लगातार हो रही बारिश के बीच चितवन जिले के सिमलताल क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए भूस्खलन (पहिरो) के कारण नारायणगढ़झमुग्लिन राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर गिरने से दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतार लग गई और हजारों यात्रियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला ट्रैफिक पुलिस कार्यालय, चितवन के अनुसार, सुबह भूस्खलन की सूचना मिलते ही पुलिस और सड़क विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर जमा मलबा हटाने के लिए डोजर और अन्य मशीनें लगाई गईं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ समय के लिए दोनों ओर से वाहनों का आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया। करीब दो घंटे तक चले राहत एवं सफाई अभियान के बाद सड़क से मलबा हटाया गया और राजमार्ग पर यातायात पुनः सुचारु कर दिया गया। प्रशासन ने बताया कि लगातार हो रही वर्षा के कारण नारायणगढ़झमुग्लिन राजमार्ग के कई हिस्से भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील बने हुए हैं।

सुस्ता में भूमि अतिक्रमण रोकने पहुंचे एसएसबी पर ग्रामीणों का विरोध, इंडो-नेपाल सीमा विवाद फिर गरमाया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत-नेपाल सीमा के विवादित सुस्ता क्षेत्र में भूमि अतिक्रमण को लेकर एक बार फिर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सीमा पर कथित अतिक्रमण और निर्माण कार्य रोकने पहुंची सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की टीम का नेपाल के सुस्ता गांव के ग्रामीणों ने विरोध किया। घटना के बाद एसएसबी ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए वाल्मीकिनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसएसबी रामपुरवा जी कंपनी के सहायक कमांडेंट द्वारा वाल्मीकिनगर थानाध्यक्ष को भेजे गए पत्र के अनुसार, 2 अगस्त 2026 को लगभग सुबह 11:40 बजे एसएसबी को सूचना मिली कि विवादित क्षेत्र में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसएसबी की गश्ती टीम मौके पर पहुंची और यथास्थिति (स्टेटस-क्वो) बनाए रखने की बात कहते हुए निर्माण कार्य रोकने का प्रयास किया। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इसी दौरान नेपाल के सुस्ता गांव के करीब 150 से 200 ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और निर्माण कार्य रोकने का विरोध करने लगे। एसएसबी के अनुसार, भीड़ ने सीमा क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना दिया, जिससे स्थिति कुछ समय के लिए संवेदनशील हो गई। हालांकि, जवानों ने संयम बरतते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होने दी।एसएसबी का कहना है कि सीमा विवाद से जुड़े मामले में पहले से यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश हैं।

चितवन में लगातार बारिश से बाढ़ का खतरा बढ़ा

बगहा। नेपाल के चितवन जिले में लगातार हो रही वर्षा के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। जल तथा मौसम विज्ञान विभाग ने जिले से होकर बहने वाली छोटी नदियों और नालों में अचानक जलस्तर बढ़ने की संभावना जताते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को भी संभावित आपदा से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। प्रशासन के अनुसार, लगातार बारिश के कारण कई नदी-नालों का बहाव तेज हो सकता है। ऐसे में नदी तटीय क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों से मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। स्थानीय प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। जिला प्रशासन ने पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल और स्थानीय निकायों को संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव की तैयारी पूरी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे उफनती नदियों को पार करने का प्रयास न करें और मछली पकड़ने या अन्य कार्यों के लिए नदी में न उतरें।

विद्यालय के जेई-मेंस, एडवांस, गेट और नीट की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले छात्रों को कैंब्रिज पब्लिक स्कूल ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। शहर के लक्ष्मीपुर स्थित कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल में मंगलवार को एक कार्यक्रम के बीच विद्यालय के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने जेई-मेंस, एडवांस, गेट और नीट की परीक्षा में सफलता हासिल है। विद्यालय के प्राचार्य देवेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक विकास गिरी ने बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली विद्यालय की छात्रा रागिनी कुमारी मिश्रा, छात्र पीयूष कुमार, जान्हवी कुमारी, मो. साहिल, राहुल कुमार, अनमोल कुमार, गर्व कुमार के साथ-साथ निकहत प्रवीण को सम्मानित किया गया। सम्मान कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी मौजूद थे। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन के द्वारा बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक विकास गिरी ने कहा कि इस शैक्षणिक वर्ष में विद्यालय के 6 से अधिक छात्र-छात्राओं का सेलेक्शन नीट और जेई में हुआ है। यह विद्यालय परिवार के साथ-साथ पूरे शहर के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने बच्चों से कहा कि आपने जिस लग्न और निष्ठा के साथ पढ़ाई को किया है, उसी लय को जारी रखना है और आगे जिस भी संस्थान में आप आगे मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए जा रहे है, वहां पूरी निष्ठा के साथ कोर्स को पूरा करें और अच्छे पद पर जाकर देश की सेवा करें. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य देवेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने के लिए बेसिक विषयों पर जानकारी अच्छी होनी चाहिए। हमारी टीम बच्चों को शुरू से ही, बेसिक पाठ्यक्रम को बेहतर तरीके से समझाते हुए बच्चों को इसके लिए तैयार करती है और इसका परिणाम रिजल्ट में देखने को मिला है और हमारी टीम आगे भी और बेहतर करने की कोशिश करेगी. मौके पर अभिभावक ओमप्रकाश मिश्रा, जन्मेजय श्रीवास्तव, नीतू कुमारी, छोटेलाल प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार वर्मा, रूबी वर्मा के साथ-साथ शिक्षक उप प्राचार्य सर्वेश कुमार पाण्डेय, प्रभात रंजन मिश्रा, डॉ. शशि रंजन सिंह, धीरज कुमार गुप्ता, संदीप सागर, दिलीप कुमार कुशवाहा सहित अन्य मौजूद थे।

रक्सौल के जयमंगलापुर में बाढ़ का तांडव, दो जिलों को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्व मार्ग ध्वस्त

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। भेलाही एवं घोड़ासहन को जोड़ने वाली नहर रोड पर बाढ़ का तांडव देखने को मिला है, नेपाल में हो रही भारी बारिश के कारण जयमंगलापुर गांव के समीप देर रात सड़क का एक महत्वपूर्व हिस्सा टूट गया है। जिसके बाद पूर्वी और पश्चिमी चम्पारण को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। इधर सड़क के टूटते ही नहर का पानी तेज बहाव के साथ आसपास के सरेह एवं खेतों में फैल गया और देखते ही देखते 200 बीघा से अधिक क्षेत्र में लगी धान समेत अन्य फसलें इसमें जलमग्न हो गईं। इस विपदा से अचानक खेतों में पानी भरने से किसानों के सामने भारी नुकसान का संकट खड़ा हो गया है। वही दूसरी ओर सड़क क्षतिग्रस्त होने से कई छोटे-बड़े वाहन रास्ते में फंस गए, जबकि राहगीरों को वैकल्पिक मार्ग से आवागमन करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नहर के पानी के बहाव को तत्काल नियंत्रित करने, क्षतिग्रस्त सड़क की जल्द मरम्मत कराने और फसल क्षति का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। वही आसपास के गांवों में भी चिंता का माहौल है।

अनुमंडल मुख्यालय पर सफाई कर्मियों का प्रदर्शन तीन प्रमुख मांगों को लेकर जताया विरोध

बगहा। नगर परिषद बगहा के सफाई कर्मियों ने बुधवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनुमंडल मुख्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मियों ने सरकार और नगर परिषद प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारी सफाई कर्मियों ने बताया कि वे 1 अगस्त से कार्य बहिष्कार पर हैं। हड़ताल के पांचवें दिन भी शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। नगर परिषद क्षेत्र के कई वार्डों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े-कचरे का ढेर लग गया है, जिससे लोगों को दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। सफाई कर्मियों ने कहा कि वर्तमान में उन्हें प्रतिदिन 351 रुपये की मजदूरी दी जाती है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 600 रुपये करने की मांग की। इसके अलावा सभी सफाई कर्मियों को नियमित वर्दी, पहचान पत्र (आईडी कार्ड) और जीवन बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई। इधर, सफाई व्यवस्था ठप रहने से शहर के कई इलाकों में कूड़े का अंबार लग गया है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और प्रशासन से शीघ्र पहल कर सफाई व्यवस्था बहाल कराने और सफाई कर्मियों की समस्याओं का समाधान निकालने की मांग की है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए उप विकास आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने विद्यालय परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाला देश का एक प्रतिष्ठित संस्थान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता के विकास का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही शिक्षकों से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने की अपील की। समारोह के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसकी उप विकास आयुक्त ने सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

42 पंचायतों व नगर निकायों के वार्डों में लगे सहयोग शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले की 42 ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों के चिन्हित वार्डों में बुधवार को राज्य सरकार के निर्देश पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, जबकि शेष आवेदनों के त्वरित निस्तारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। शिविरों में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, कृषि, छात्रवृत्ति एवं अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतों और आवेदनों की सुनवाई की गई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने चनपटिया प्रखंड की औरैया पंचायत सहित अन्य पंचायतों में आयोजित सहयोग शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया, लाभुकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा कि सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों तक सरकारी सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से निष्पादन करें तथा किसी भी पात्र लाभुक को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने दें।

रामनगर में दिनदहाड़े पिस्टल के बल पर 6 लाख की लूट, सीएसपी संचालक बने बदमाशों के निशाने

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला के रामनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े पिस्टल के बल पर करीब छह लाख रुपये की लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई। अपराधियों ने स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) संचालक को निशाना बनाते हुए मुख्य सड़क पर हथियार के बल पर नकदी लूट ली और फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रामनगर थाना क्षेत्र के भावल गांव निवासी निर्भय कुमार सिंह स्टेट बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र संचालित करते हैं। मंगलवार को वह बैंक से करीब छह लाख रुपये निकालकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रामनगर-भावल मुख्य सड़क पर इमलिहवा टोला और खारवानीया टोला के बीच पहले से घात लगाए हथियारबंद बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। पीड़ित के मुताबिक, बदमाशों ने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी और उनके पास मौजूद छह लाख रुपये लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने रामनगर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाए।

नेपाल में आंतरिक विमान दुर्घटनाओं पर बढ़ेगा मुआवजा सरकार 1 लाख अमेरिकी डॉलर क्षतिपूर्ति की तैयारी में

बगहा । नेपाल सरकार आंतरिक (डोमेस्टिक) विमान दुर्घटनाओं में मृतक यात्रियों के परिजनों को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सरकार एक नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक यात्री के लिए अधिकतम एक लाख अमेरिकी डॉलर तक का क्षतिपूर्ति प्रावधान लागू करने पर विचार कर रही है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य घरेलू हवाई सेवाओं में यात्रियों के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना और मुआवजा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा तैयार किए जा रहे प्रस्ताव के अनुसार, वर्तमान मुआवजा व्यवस्था में संशोधन कर घरेलू उड़ानों में दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित परिवारों को अधिक आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इसके लिए संबंधित कानूनों और विमानन नियमों में आवश्यक संशोधन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है। नागरिक उड्डयन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि प्रस्ताव पर संबंधित मंत्रालयों, विमानन प्राधिकरण, बीमा कंपनियों और एयरलाइंस संचालकों से परामर्श किया जा रहा है। सभी पक्षों की सहमति के बाद इसे मंत्रिपरिषद की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

घर में संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

बगहा। बगहा पुलिस जिला के लौकरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव रामपुर पंचायत के रामपुर गांव में बुधवार को 63 वर्षीय अशोक साहनी का शव उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही लौकरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, अशोक साहनी का मंगलवार की शाम गांव के कुछ लोगों से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। परिजनों का आरोप है कि विवाद के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। बुधवार सुबह काफी देर तक जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकले तो परिजन उन्हें देखने पहुंचे। कमरे में बेड पर वह मृत अवस्था में पड़े मिले। परिजनों का कहना है कि उनके मुंह, नाक और कान से खून निकल रहा था, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। घटना की सूचना पर लौकरिया थानाध्यक्ष रमन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्या कहते हैं थानाध्यक्ष लौकरिया थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि मौत के वास्तविक कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल परिजनों की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

चोरी से बिजली का तार काटने में एक चोर की मौत

दरियापुर। डेरनी थाना क्षेत्र के रामजीतपुर चंवर में चोरी से बिजली का तार काटने के दौरान करंट से झुलस कर एक चोर की मौत हो गई।घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात में कुछ बिजली का तार काटने वाले गिरोह के सदस्य तार काटने पहुंचे।इसी दौरान एक चोर बिजली के पोल पर तार काटने के लिए चढ़ा।इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गया और झुलस कर पोल के नीचे गिर गया।जिससे उसकी मौत हो गई।जिसके बाद अन्य चोर उसे इसी हालत में छोड़ कर भाग गए।हालांकि सुबह में जब ग्रामीण चंवर की तरफ गए तो बिजली के एक पोल के पास धुंआ देख पास जाने पर एक व्यक्ति का झुलसा हुआ शव दिखाई दिया।इसके बाद काफी संख्या में लोग जुट गए।घटना की सूचना मिलते ही डेरनी पुलिस तथा विद्युत विभाग के जेई संजय कुमार रमण भी अपनी टीम के साथ पहुंचे।उस स्थल की जांच की गई तो मृतक के शव से थोड़ी दूरी पर तार काटने वाला एक बड़ा सा कैची देख लोगों ने समझा कि बिजली के तार काटने वाले गिरोह का मृतक सदस्य था।समाचार प्रेषण तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।चोर का पूरा शरीर झुलस गया है।पुलिस ने उसके शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया है।पुलिस व बिजली विभाग की टीम मृतक के अन्य साथियों की तलाश में लगी हुई है।इधर बिजली के तार काटने के दौरान झुलस कर चोर की मौत से ग्रामीणों में काफी खुशी है।

वीटीआर से निकले किंग कोबरा और अजगर आमने-सामने, घर के बाहर दिखते ही मची दहशत

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से निकलकर एक विषैला किंग कोबरा और एक विशाल अजगर आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गए। दोनों सांप गनौली वन क्षेत्र कार्यालय के समीप सोनालाल साह के घर के पास आमने-सामने आ गए। दोनों विशाल सांपों को एक साथ देखकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दोनों का सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, गनौली वन क्षेत्र कार्यालय के समीप रहने वाले सोनालाल साह के पुत्र नितेश कुमार ने बताया कि मंगलवार रात परिवार के सभी सदस्य सोने की तैयारी कर रहे थे। तभी घर का पालतू कुत्ता लगातार भौंकने लगा। कुत्ते के असामान्य व्यवहार पर जब परिवार के लोग बाहर निकले तो देखा कि करीब 12 फीट लंबा किंग कोबरा और लगभग उतने ही आकार का अजगर घर के पास आमने-सामने थे। दोनों सांप घर के अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे। यह नजारा देखते ही परिवार के लोग घबरा गए और शोर मचाने लगे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही स्नेक मैन मुरारी कुमार के नेतृत्व में वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण जंगलों में कई स्थानों पर जलभराव हो गया है। ऐसे में सांप और अन्य वन्यजीव सुरक्षित स्थान की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं। विभाग की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 06 अगस्त, 2026

मंत्री श्रवण कुमार के भागलपुर आगमन पर एनडीए कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। श्रवण कुमार, नेता, विधायक दल, जनता दल (यूनाइटेड) सह मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार के भागलपुर आगमन पर जदयू के जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा फूलमाला, पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार ने जदयू की 72 सदस्यीय जिला कमेटीझ्र2026 की अधिसूचित सूची को विधिवत जारी किए। जदयू जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि जिला कमेटी का गठन संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाएगा। मंत्री

श्रवण कुमार ने स्वागत एवं सम्मान के लिए पार्टी के सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) संगठन की मजबूती ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने नवगठित जिला कमेटी के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम करेंगे। पूर्व सांसद सुबोध राय, पूर्व विधायक लक्ष्मीकांत मंडल,सुड्डू साईं, महादेव मंडल, शबाना दाऊद, शैलेन्द्र तोमर, रेनू सिंह,प्रदीप कुशवाहा, विजय मंडल ,सीपु मंडल ,सकलदेव मंडल, वीरेंद्र कुमार सिंह, दीपक सिंह ,नंदन राय, संजीव कुमार, शाबान खान ,कुणाल रत्न प्रिय, बृजेश सिंह , प्रिंस कुशवाहा, नासिर अहमद,अनिरुद्ध मंडल, दिवाकर सिंन्हा,मनीष कुमार, विकास कुमार,अवधेश सिंह, एहसान उल राजा डेविड, पीयूष सिंह, फैजल खान के साथ साथ काफी तादाद में नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएम ने प्रस्तावित मदर डेरी प्लांट निर्माण कार्य स्थल निरीक्षण को पहुंचे ,दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने बुधवार को जमालपुर ईस्ट कॉलोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रस्तावित मदर डेयरी प्लांट के निर्माण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया तथा कार्य प्रारंभ करने में आ रही समस्याओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। मौके पर जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी, मदर डेयरी के अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि मदर डेयरी प्लांट की स्थापना जिले के दुग्ध उत्पादकों एवं आम उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं मदर डेयरी के प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्माण कार्य में आ रही सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए निर्माण कार्य अविलंब प्रारंभ कराया जाए, ताकि परियोजना निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो सके और इसका लाभ आमजन को प्राप्त हो सके।

संक्षिप्त खबरें

श्यामा मंदिर की अव्यवस्था के खिलाफ न्याय मंच का धरना, 14 सूत्री मांग पत्र सौंपा

दरभंगा। मां श्यामा न्याय मंच के बैनर तले बुधवार को माधवेश्वर परिसर स्थित श्यामा मंदिर के मुख्य द्वार पर एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना के माध्यम से श्यामा मंदिर परिसर में व्याप्त कथित अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, श्रद्धालुओं को हो रही परेशानियों तथा बिना निविदा कराए गए निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई गई। आंदोलनकारियों ने 14 सूत्री मांगपत्र न्यास समिति के अध्यक्ष, सचिव सह जिलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपते हुए 15 दिनों के भीतर कार्रवाई की मांग की। धरना की अध्यक्षता समाजसेवी प्रियंका झा ने की। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यास समिति के प्रभारी प्रबंधक एवं अध्यक्ष की कार्यशैली के कारण मंदिर परिसर में अव्यवस्था बढ़ी है तथा साड़ी गोदाम में हुई आग की घटना की अब तक जांच नहीं हुई है। छात्र नेता दीपक झा ने न्यास समिति के कार्यों में बाहरी हस्तक्षेप समाप्त करने तथा कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की। मिथिला स्टूडेंट्स यूनियन के अविनाश भारद्वाज ने भी धार्मिक स्थल की व्यवस्था सुधारने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। मंच की प्रमुख मांगों में वित्तीय अनियमितताओं की जांच, वर्तमान न्यास समिति को भंग करने, श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, सीसीटीवी लगाने, श्यामा जानकी विवाह भवन का जीर्णोद्धार कराने तथा मंदिर प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। मंच ने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

10 अगस्त से शुरू होगा कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18, प्रोमो में बिग बी ने दिया नया टर्म बीवी पगलू

पटना। 10 अगस्त 2026 से प्रसारित होने वाले कौन बनेगा करोड़पतिझ्र सीजन 18 के प्रीमियर से पहले जारी नए प्रोमो में मेगास्टार अमिताभ बच्चन एक कंटेस्टेंट के साथ मजेदार बातचीत करते नजर आए। कंटेस्टेंट की प्रोफाइल में ऑक्युपेशन के स्थान पर बीवी पगलू लिखे होने पर बिग बी ने चुटीले अंदाज में कहा, हम सोचते हैं कि आप लेबर मिनिस्ट्री में काम कर रहे हैं, इधर तो ऑक्युपेशन आ रहा है बीवी पगलू। इस पर कंटेस्टेंट ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, सर, आदमी सिर्फ अपनी बीवी की नौकरी करता है। जवाब सुनकर अमिताभ बच्चन ने हँसते हुए कहा, ये सही बात है, वो मालकिन है और हर पति को मान लेना चाहिए। ऐसे ही रहोगे तो जीवित रहोगे, वरना निकल दिए जाओगे।

सहयोग शिविर, 148 में से 137 आवेदनों का निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर ।सदर प्रखंड के नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत भवन में बुधवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया प्रमिला देवी ने की ।शिविर में पहुंचे डीआरडीए के निदेशक अमरेश कुमार का मुखिया प्रमिला देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्वजीत कुमार तिवारी और पूर्व मुखिया रविंद्र मंडल ने बुके देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक अमरेश कुमार ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य पंचायत के हर व्यक्ति तक सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कोई भी व्यक्ति किसी भी योजना से वंचित न रहे, इसी को लेकर विभाग द्वारा यह शिविर आयोजित किया गया है। 148 आवेदनों में 137 का निपटारा शिविर में 148 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 137 आवेदनों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया। शेष 11 आवेदनों का निष्पादन जल्द किया जाएगा। बीडीओ विश्वजीत कुमार तिवारी ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान निदेशक ने एक आवास योजना के लाभुक को आवास की चाबी भी सौंपी। आज के शिविर में राशन कार्ड, जॉब कार्ड, ए-श्रम कार्ड, भवन निर्माण कार्ड, वृद्धा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, सहित अन्य योजना का स्वीकृति वितरण किया गया। शिविर में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मोनिका कुमारी, नया रामनगर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार वर्मा, कनीय अभियंता पीएचईडी चंदन कुमार, कनीय अभियंता विनोद कुमार, नंदनी कुमारी, प्रभारी राजस्व अधिकार मौजूद रहे।

भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ, शाखा-हवेली खड़गपुर की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ, शाखाझ्रहवेली खड़गपुर की कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक शाखा अध्यक्ष ग्रामीण चिकित्सक सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का आयोजन जिला उपाध्यक्ष अवधेश कुमार के सौजन्य से संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास एवं समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इसके लिए रविवार, 9 अगस्त को एक अंतिम तैयारी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें स्वतंत्रता दिवस समारोह की विस्तृत रूपरेखा, कार्यक्रम एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यों की सक्रिय भागीदारी तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय एवं सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में सचिव रजी आलम, वशिष्ठ नारायण उर्फ बसु, मनोज कुमार, स्वदेश कुमार गुप्ता, दयानंद निराला, रूपेश रंजन, जितेंद्र कुमार, कौशल कुमार, अरुण कुमार, अवधेश कुमार, जवाहर पटेल उर्फ पिंटू जी, मनोज कुमार सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

आयुक्त ने बॉडी डिस्ट्रेस वारंट के निष्पादन की समीक्षा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से की

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । आयुक्त मुंगेर प्रमंडल, मुंगेर -सह-आयुक्त, भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर की अध्यक्षता में बुधवार को मुंगेर एवं भागलपुर प्रमंडल अंतर्गत वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक भागलपुर उपमहानिरीक्षक मुंगेर, बेगुसराय एवं संबंधित जिले के जिला पदाधिकारी वरीय पुलिस अधीक्षक पुलिस अधीक्षकअपर समाहर्ता- सह -नोडल पदाधिकारी के साथ बॉडी वारंट डिस्ट्रेस वारंट के निष्पादन के संबंध में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी पुलिस अधीक्षक ने नीलाम -पत्र वाद के,लंबित बॉडी वारंट एवं लंबित distress वारंट निष्पादन की अद्यतन जानकारी से

आयुक्त को अवगत कराया`विगत 3 दिनो मे 2500 लगभग लंबित बॉडी वारंट एवं लंबितŕ२३१ी२२ वारंट का निष्पादन किया गया है`आयुक्त ने एक सप्ताह के अन्दर सभी लंबित बॉडी वारंट एवं लंबितŕ२३१ी२२ वारंट का 100 प्रतिशत निष्पादन कराने का निर्देश दिया। उक्त बैठक में आयुक्त के सचिव, उपस्थित रहे।

जमालपुर विधायक व मुंगेर डीएम संयुक्त रूप से आशिकपुर स्थित स्लम बस्ती का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर एवं जमालपुर विधायक नचिकेता मंडल ने बुधवार को संयुक्त रूप से जमालपुर ईस्ट कॉलोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत आशिकपुर स्थित स्लम बस्ती का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बस्ती में निवास कर रहे महादलित परिवारों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा उनके लिए सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में विस्तृत चर्चा की। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को मूलभूत सुविधाओं के साथ सम्मानपूर्ण जीवन उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से नगर विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से स्लम बस्तियों के समुचित विकास एवं पुनर्वास की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आशिकपुर स्थित सरकारी भूमि को नियमानुसार अतिक्रमणमुक्त कराकर वहां बहुमंजिला आवासीय भवन के निर्माण के लिए डीपीआर शीघ्र तैयार किया जाए तथा आवश्यक प्रस्ताव नगर विकास एवं आवास विभाग को भेजा जाए, ताकि योजना पर जल्द से जल्द कार्य प्रारंभ कराया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित आवासीय परिसर का निर्माण पूर्ण होने के उपरांत जमालपुर नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर रहने वाले महादलित परिवारों की पूर्व से तैयार सूची के आधार पर पात्र लाभुकों को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आवास आवंटित किए जाएंगे। इससे वर्षों से अस्थायी एवं असुविधाजनक परिस्थितियों में जीवन-यापन कर रहे परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध होगा तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। जमालपुर विधायक नचिकेता मंडल ने कहा कि महादलित परिवारों के पुनर्वास की यह पहल सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने अधिकारियों से सभी आवश्यक औपचारिकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने तथा योजना के क्रियान्वयन में समन्वय बनाकर कार्य करने का आग्रह किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थल की उपलब्ध भूमि, निर्माण की संभावनाओं तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि योजना के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्र परिवारों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर जमालपुर अंचल अधिकारी, नगर परिषद जमालपुर के कार्यपालक पदाधिकारी, जदयू जिलाध्यक्ष सौरभ निधि सहित जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

डुबने से मृत चार लोगों के आश्रितों को मिला चार चार लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान, विधायक ने सौंपा चेक

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। कुशेश्वरस्थान एवं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड में डूबने से जान गंवाने वाले चार लोगों के आश्रितों को बुधवार को आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से मिलने वाली चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया .दोनों प्रखंड मुख्यालयों में आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में विधायक अतिरेक कुमार ने लाभुकों को चेक सौंपते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया .कुशेश्वरस्थान प्रखंड कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने अकोनमा गांव के मृतक आनंद कुमार के पिता मिलन यादव तथा डुबहा गांव के मृतक श्याम सुंदर कुमार के पिता इंद्र नारायण यादव को चार-चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया . वहीं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड कार्यालय स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिरौना गांव के मृतक सिकेन्दर मुखिया के पिता विलास मुखिया तथा श्रीपुर गोबराही गांव के मृतक राज किशोर राय की मां पूजा देवी को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि का

चेक सौंपा गया .इस अवसर पर विधायक अतिरेक कुमार ने कहा कि बिहार सरकार के खजाने पर सबसे पहला अधिकार आपदाओं से प्रभावित लोगों का है.उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए धैर्य बनाए रखने की अपील की और कहा कि सरकार हर संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है .कुशेश्वरस्थान प्रखंड के कार्यक्रम में डीसीएलआर मयंक सिंह, प्रमुख हीरा प्रसाद सिंह, बीडीओ चंदन कुमार, 20 सूत्री अध्यक्ष राज कुमार राय, आरओ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे- वहीं कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के कार्यक्रम में एसडीओ शशांक राज, प्रमुख अंजनी भारती, बीडीओ प्रभा शंकर मिश्रा, सीओ राकेश रोशन भारती, भाजपा मंडल अध्यक्ष रौशन कुमार राय एमएलसी प्रतिनिधि संतोष कुमार झा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बरियारपुर में गंगा मुक्ति आंदोलन की बैठक में नि:शुल्क शिकारमाही की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बरियारपुर, नजीरा बिंद टोली में मंगलवार को धनराज सिंह की अध्यक्षता में गंगा मुक्ति आंदोलन की बैठक हुई। बैठक में नि:शुल्क शिकारमाही, मछली की उपलब्धता, कॉपरेटिव और संगठन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में भागलपुर से आए उदय, अनिरुद्ध और योगेंद्र सहनी शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने कहा कि फ्री फिशिंग के बावजूद टैक्स लिया जा रहा है और अवैध बंदोबस्ती हो रही है। वक्ताओं ने कहा कि नदियां मछलियों का प्राकृतिक स्रोत हैं। सरकार को नीली क्रांति के बजाय इस पर ध्यान देना चाहिए। पारंपरिक मछुआरों की आजीविका के लिए नदियों को टैक्स फ्री रखने की मांग उठी। बैठक में कॉपरेटिव की सदस्यता ऑनलाइन करने और ट्रेड यूनियन बनाने पर भी जोर दिया गया। संगठन विस्तार के लिए धनराज सिंह, रामाशीष सिंह, बालेश्वर सिंह, पवन सिंह, रूद्र सिंह और योगेंद्र सिंह की 6 सदस्यीय तदर्थ कमेटी बनाई गई। अंत में तय हुआ कि इन मांगों को लेकर अगस्त के अंतिम सप्ताह में मुंगेर जिला मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा और मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपा जाएगा।

श्रावणी मेला के सातवें दिन बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक

भागलपुर सुल्तानगंज।श्रावणी मेला के सातवें दिन श्रम संसाधन एवं प्रवासी कल्याण विभाग द्वारा बाल श्रम उन्मूलन हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया/इस मौके पर श्रम संसाधन विभाग के प्रखंड पदाधिकारी अभीनव आलोक ने बताया कि बाल श्रम उन्मूलन अभियान को लेकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है/जो सुल्तानगंज के नमामि गंगे घाट, सीढ़ी घाट, रेलवे स्टेशन, कृष्णागढ़ चौक, धांधी बेलरी धर्मशाला में नुक्कड़ नाटक आयोजन करते हुए लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि बात कही /इस मौके पर कलाकार एवं कांवड़िया गण मौजूद थे।

धरहरा के सहयोग शिविर में उमड़ी भीड़, 123 आवेदन प्राप्त, विधायक ने अधिकारियों को दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा प्रखंड की महरना पंचायत में बुधवार को आयोजित सहयोग शिविर आम लोगों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरा। शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़े 123 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर लोगों को राहत दी गई। वहीं शेष आवेदनों के शीघ्र निस्तारण का अधिकारियों ने भरोसा दिलाया। शिविर का उद्घाटन जमालपुर विधायक नचिकेता मंडल, जिला अध्यक्ष सौरभ निधि, वरीय उपसमाहर्ता कुमारी खुशबू तथा मुखिया रेखा देवी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विभागवार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक नचिकेता मंडल ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। अधिकारियों से उन्होंने संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाने की अपील की। विभागवार मिले आवेदन शिविर में कुल 123 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें– प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) झ्र 17 आवेदन आयुष्मान भारत कार्ड झ्र 27 आवेदन सामाजिक सुरक्षा योजना झ्र 6 आवेदनभूमि सुधार विभाग झ्र 21 आवेदन खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग झ्र 4 आवेदन अन्य विभागों से भी कई आवेदन प्राप्त हुए ।शिविर के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने कई आवेदनों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया, जबकि शेष मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने का आश्वासन दिया ।इस अवसर पर बीडीओ रश्मि भारती, सीओ बिरेंद्र कुमार, पीओ कुमार सुंदरम, बीपीआरओ अनीशा कुमारी, सीडीपीओ अमृता रंजन, बीएओ अशोक प्रियदर्शी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सबसे व्यस्त बाजार की सड़क बनी जानलेवा, रोज हादसों का खतरा, मरम्मत की मांग तेज

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र के अंबेडकर चौक से लालू एकता पार्क, सब्जी मार्केट होते हुए सूर्यवंशी मार्केट तक की मुख्य सड़क इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई परत और ऊबड़-खाबड़ सतह के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। यह नगर का सबसे व्यस्त व्यावसायिक इलाका है, जहां सुबह से देर शाम तक हजारों लोगों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग पर लगभग हर दिन टोटो, ई-रिक्शा, मोटरसाइकिल और साइकिल चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कई बार वाहन गड्ढों में फंसकर या असंतुलित होकर पलट जाते हैं, जिससे लोग घायल हो जाते हैं। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। इसी सड़क पर नगर का प्रमुख सब्जी मार्केट, कई प्रतिष्ठान और व्यावसायिक संस्थान हैं। बड़ी संख्या में लोग रोज खरीदारी के लिए यहां पहुंचते हैं। कई निजी एवं सरकारी स्कूलों की बसें भी इसी मार्ग से गुजरती हैं। भारी भीड़ और खराब सड़क के कारण हर समय जाम और हादसे का खतरा बना रहता है। स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों का कहना है कि सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार नगर परिषद प्रशासन और संबंधित जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकल सका। लोगों का कहना है कि चुनाव के दौरान विकास, बेहतर सड़क और मूलभूत सुविधाओं के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद इन समस्याओं पर अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं देती। इसका खामियाजा आम जनता को रोजाना भुगतना पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि खराब सड़क के कारण ग्राहकों को भी परेशानी होती है, जिससे बाजार का कारोबार प्रभावित हो रहा है। राहगीरों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद प्रशासन और संबंधित विभाग से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने, गड्ढों को भरने तथा पूरे मार्ग का पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि शहर के सबसे व्यस्त बाजार की यह स्थिति विकास के दावों पर सवाल खड़े करती है और अब लोगों को आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर काम दिखाई देना चाहिए।

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क, मुंगेर की बदहाल सड़कों पर राजद का हमला, आंदोलन की चेतावनी

मुंगेर । राजद के प्रदेश महासचिव सह पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव और युवा राजद नेता गजेंद्र कुमार हिमांशु उर्फ अरविंद ने संयुक्त बयान में कहा कि शहर की सड़कों की हालत तालाब जैसी हो गई है। हर प्रमुख मार्ग पर गड्ढे और जलजमाव : नेताओं ने बताया कि टाउन हॉल मुख्य गेट से आजाद चौक, पीएनबी के पीछे से राजीव गांधी चौक होते हुए आजाद चौक, चुआबाग श्-मार्ट से लल्लू पोखर बजरंगबली मंदिर तक की सड़कें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। इसी तरह राजीव गांधी चौक से निम्तला होकर गोयनका हॉस्पिटल जाने वाली सड़क और दिलीप बाबू धर्मशाला से पुराबसराय रेलवे ब्रिज तक जलजमाव की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा, स्थिति ऐसी है कि यह समझना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क ।सरकार और विधायक पर लगाया आरोप : राजद नेताओं ने आरोप लगाया कि स्थानीय भाजपा विधायक की निष्क्रियता और बिहार सरकार, नगर विकास व पथ निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण मुंगेर की जनता नरकीय जीवन जीने को मजबूर है। सुशासन का दावा करने वाली सरकार के कार्यकाल में आम राहगीर, टोटो चालक, स्कूली बच्चे, महिलाएं और व्यापारी रोज दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। आंदोलन की दी चेतावनी :राजद ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने अविलंब सड़कों का कायाकल्प नहीं किया, तो राजद जनता के अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में जमकर गरजा नगर निगम का बुलडोजर, 50 अवैध झुग्गियों को किया ध्वस्त

गुरुग्राम, एजेंसी। नगर निगम मानेसर ने अवैध कब्जों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए गांव नौरंगपुर में 50 अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई करीब आधा एकड़ निजी भूमि पर की गई और म्युनिसिपल कार्पोरेशन एक्ट की धारा 261 के तहत संपन्न हुई। निगम आयुक्त प्रदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों के अनुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई का नेतृत्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ शशिकांत ने किया। कार्रवाई के दौरान एसडीओ विकास शर्मा, जेई देवेंद्र कुमार, मंदीप, और तकनीकी सुपरवाइजर धीरज कुमार सहित नगर निगम की प्रवर्तन शाखा के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। टीम ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से अंजाम दिया। आयुक्त प्रदीप सिंह ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य आमजन को परेशानी देना नहीं, बल्कि कानून का पालन सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि निजी भूमि पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार का स्थायी या अस्थायी निर्माण करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में निगम कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्रवाई करेगा। आयुक्त ने यह भी कहा कि निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रवर्तन शाखा को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि जहां भी नियमों के विरुद्ध निर्माण या कब्जे की सूचना मिले, वहां तुरंत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार का निर्माण शुरू करने से पहले निगम और संबंधित विभागों से आवश्यक स्वीकृति जरूर प्राप्त करें। बिना अनुमति निर्माण करने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम क्षेत्र में जहां भी नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, वहां बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की नसीहत, जनसेवा पर जोर दें जनप्रतिनिधि

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को निर्वाचित अधिकारियों को विनम्र लोक सेवक के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कल्याण-डोंबिवली नगर निगम के शिवसेना प्रतिनिधियों से जनसेवा और जमीनी नेतृत्व को प्राथमिकता देने को कहा। शिंदे ने कहा, 'मेरे लिए, 'मुख्यमंत्री' का अर्थ 'मुख्य सेवक' है।' उन्होंने प्रतिनिधियों को सुलभ रहने और नागरिकों की शिकायतों का तुरंत समाधान करने की याद दिलाई। शिंदे ने जोर देकर कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधि लोगों के सेवक हैं, सत्ता के मालिक नहीं। उन्होंने सतत शहरी विकास पर भी बात की। शिंदे ने नगर निकायों से बुनियादी ढांचे के विस्तार को पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित करने का आग्रह किया। उन्होंने विकास परियोजनाओं में अनावश्यक पेड़ काटने से बचने और वृक्षारोपण अभियान शामिल करने पर जोर दिया। इसमें च्ष्ठस्ष्ट अधिकारी, स्थानीय विधायक और पदाधिकारी शामिल हुए।

आपकी बेटी का वीडियो है मेरे पास...पार्क में दोस्त संग बैठी युवती का वीडियो बनाकर पिता को दी धमकी

साहिबाबाद, एजेंसी। टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में दोस्त संग पार्क में बैठी युवती का वीडियो बनाने, पीड़िता के पिता को फोन कर धमकी ने का मामला सामने आया है। युवती के पिता ने एओए अध्यक्ष समेत दो पर केस दर्ज कराया है। एक सोसायटी निवासी युवती सोमवार शाम अपने मित्र के साथ पार्क में बैठी थी। आरोप है कि सोसायटी के सुरक्षा सुपरवाइजर सुनील ने दोनों की वीडियो बनाकर एओए अध्यक्ष जय प्रकाश ठाकुर को भेजी। जिसके बाद एओए अध्यक्ष ने उन्हें फोन कर बेटी को समझाने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि बेटी के फोटो, वीडियो उनके पास है। युवती के पिता ने अकारण मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए सुरक्षा सुपरवाइजर और एओए अध्यक्ष के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मिसिर के बाद बड़ा झटका: 15 लाख का इनामी नक्सली मदन महतो पत्नी सहित गिरफ्तार

कुख्यात रवि सरदार भी हत्थे चढ़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड में नक्सलियों का अंतिम अध्याय भी लगभग खत्म होने चला है. सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में 15 लाख का इनामी मदन महतो, 5 लाख का रवि सरदार और 2 लाख की इनामी मीना, जो मदन महतो की पत्नी है, को गिरफ्तार कर लिया गया है. झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गिरफ्तारी की पुस्टि की है. गिरफ्तार नक्सलियों के पास से तीन एक-47 राइफल भी बरामद किए गए हैं.

झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सल विरोधी अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है. सरायकेला-खरसावां जिले में चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने कुल 22 लाख रुपये के इनामी तीन हार्डकोर माओवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार माओवादियों में 15 लाख रुपये का इनामी मदन महतो, 5 लाख रुपये का इनामी रवि सरदार तथा मदन महतो की पत्नी और 2 लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी मीना शामिल हैं.

जानकारी के अनुसार, झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के सक्रिय सदस्य सरायकेला-खरसावां क्षेत्र में मौजूद हैं. सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया. अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने तीनों माओवादियों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है. गिरफ्तार मदन महतो लंबे समय से माओवादी संगठन का सक्रिय सदस्य रहा है और उस पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं, रवि सरदार पर 5 लाख रुपये और महिला माओवादी मीना पर 2 लाख रुपये का इनाम था. तीनों पर नक्सली हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, लेवी वसूली और अन्य गंभीर मामलों में संलिप्त रहने के आरोप हैं.

चतरा में मॉब लिंचिंग! नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में भीड़ द्वारा युवक की पीट-पीटकर हत्या

चतरा, एजेंसी। जिला के टंडवा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई. जहां आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी. गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई. इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है. परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले शौच के लिए घर से निकली एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म का आरोप युवक पर लगाया गया. मंगलवार सुबह लड़की के घर लौटने और परिजनों को आपबीती बताए जाने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए. आरोप है कि लोगों की भीड़ ने युवक को घर से बाहर निकालकर सड़क पर लाठी-डंडों और पत्थरों से जमकर पीटा. युवक के पिता के साथ भी मारपीट किए जाने का दावा किया जा रहा है. वहीं इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है. जिसमें मॉब लिंचिंग की इस घटना में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हमलावरों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है. वहीं, अफवाहों के जरिए तनाव फैलाने की कोशिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और बिना पुष्टि किसी सूचना पर विश्वास नहीं करने की अपील की है. इससे पहले स्थानीय लोगों का आरोप था कि पुलिस के सामने भी युवक की पिटाई जारी रही.

गुटखा देने में देरी करने पर दुकानदार को गोली मार दी

आईटीबीपी का हवलदार गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र के खेड़ी भनौता गांव में छुट्टी पर आए आईटीबीपी के हवलदार ने जल्दी गुटखा न देने पर दुकानदार को गोली मार दी। घायल दुकानदार का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी पिस्तौल बरामद कर ली है।

पुलिस के मुताबिक खेड़ी भनौता गांव में उदय प्रताप सिंह दुकान चलाते हैं। उदय प्रताप के पड़ोस में सुरेंद्र सिंह परिवार के साथ रहते हैं। सुरेंद्र आइटीबीपी में हवलदार हैं। वह फिलहाल छुट्टी पर घर आया था। आरोपी सुरेंद्र सोमवार को पड़ोसी उदय प्रताप की दुकान पर पहुंचा और गुटखा मांगने लगा। दुकान पर ग्राहकों की भीड़ थी, इसलिए दुकानदार को गुटखा देने में देरी हो गई। इसी बात पर हवलदार सुरेंद्र भड़क गया और दुकानदार से गाली-गलौज करने लगा। दुकानदार ने विरोध किया तो गुस्से में आकर हवलदार सुरेंद्र ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल निकाली और दुकानदार पर फायर कर दिया। गोली उदय प्रताप के पेट को छू कर निकल गई। इस बीच आरोपी मौके से भाग गया। आसपड़ोस के लोगों ने घायल दुकानदार को अस्पताल पहुंचाया, जहां घायल का इलाज चल रहा है। घायल उदय प्रताप की हालत खतरे से बाहर है।

सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपी सुरेंद्र हवलदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। सोमवार को आरोपी घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को रूपवास बाईपास के समीप से गिरफ्तार किया है। आरोपी की लाइसेंस से पिस्तौल बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी हवलदार ने बताया कि गुस्से में आकर उसने डराने के लिए दुकानदार की तरफ पिस्टल की थी। इसी बीच अचानक गोली चल गई। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जिला प्रशासन को आरोपी हवलदार की पिस्टल के लाइसेंस को निरस्त करने के लिए पत्र लिखा है। पुलिस की तरफ से जिला प्रशासन को पत्र भेजा जाएगा। प्रशासन द्वारा लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई जाएगी।

महबूबा मुफ्ती ने उल्टा पकड़ा झंडा

महबूबा ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (क्कष्टक्क) की प्रेसिडेंट महबूबा मुफ्ती ने महबूबा की लीडरशिप में दर्जनों पीडीपी कार्यकर्ताओं ने श्रीनगर में पार्टी के हेडक्वार्टर पर विरोध प्रदर्शन किया. महबूबा ने अपनी

आर्टिकल 370 हटाए जाने की सातवीं सालगिरह से एक दिन पहले मंगलवार रात श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन किया.

महबूबा मुफ्ती ने धरना प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा पकड़ा. उनकी इस हरकत को लेकर वह विवादों में आ गई. हालांकि बताया जा रहा है कि महबूबा ने बाद में राष्ट्रीय ध्वज को ठीक से पकड़ लिया. पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अपने ऑफिस के बाहर मोमबत्तियां जलाकर धरना दिया. उन्होंने कहा, 'भारत सरकार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से बातचीत करनी चाहिए और उनके अधिकार और संवैधानिक दर्जा वापस दिलाना चाहिए जो 5 अगस्त, 2019 को उनसे छीन लिया गया.' महबूबा ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 जम्मू-कश्मीर के लोगों को 'मंजूर नहीं' है. उन्होंने कहा, 'पीडीपी लोगों की इज्जत के साथ-साथ आर्टिकल 370 को वापस लाने की मांग करती है.' और कहा कि उस दिन की घटनाओं को लोग भूल नहीं सकते. महबूबा ने कहा कि धरने के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ 'मारपीट' की, जो पार्टी ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहती थी. पीडीपी और अपनी पार्टी ने आर्टिकल 370 हटाए जाने की सातवीं सालगिरह पर मंगलवार को कश्मीर में विरोध प्रदर्शन करने का प्लान बनाया था. 5 अगस्त, 2019 को, केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आर्टिकल 370 और 35 को हटा दिया था और पुराने राज्य को लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया. सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस भी विरोध प्रदर्शन में शामिल है. दोनों पार्टियों ने कहा कि वे इस दिन को 'ब्लैक डे' के तौर पर मनाएंगी. हालांकि, बीजेपी नेता मंगलवार को अपने श्रीनगर ऑफिस में एक जश्न का कार्यक्रम कर रहे हैं, जो सत्ताधारी नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी के 'ब्लैक डे' विरोध प्रदर्शनों का मुकाबला करेगा.।

नतीजों से मायूस डीएमके को ऑक्सीजन, डीएमके ने दिखाया दम

थलपति विजय का दांव पड़ा उल्टा? कैसे स्टालिन की गिरफ्तारी से डीएमके को मिली संजीवनी

चेन्नई, एजेंसी। क्या तृषा पर टिप्पणी को लेकर विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी का दांव तमिलनाडु के मुख्यमत्री थलपति विजय पर

उल्टा पड़ गया है। मंगलवार को स्टालिन की गिरफ्तारी और उसके बाद ष्ठरूस्य के रिएक्शन को लेकर यह चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों में यह कहा जा रहा है कि इस मुद्दे ने हाल ही में सत्ता गंवाने वाली द्रमुक को संजीवनी बूटी दे दी है। इससे पहले मंगलवार को तमिलनाडु में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मुख्यमत्री विजय की दोस्त एक्ट्रेस तृषा पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने डीएमके नेता उदयनिधि को गिरफ्तार कर लिया। उन पर महिलाओं के प्रति अपमानजनक और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी करने के आरोप लगाए गए। मंगलवार सुबह तंजावुर पुलिस की एक टीम चेन्नई में उनके ईसीआर नीलांकरई स्थित घर पहुंची और स्टालिन को आठ घंटे से ज्यादा के सफर के बाद तंजावुर ले जाया गया। हालांकि देर रात मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशानुसार बेल पर उन्हें रिहा कर दिया गया।

तृषा पर की थी अभद्र टिप्पणी: इससे पहले स्टालिन ने कावेरी और मेकेदातु विवाद पर द्रमुक की विरोध रैली में तृषा पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। रैली में भाषण देते वक्त जब कुछ लोगों ने तृषा-तृषा के नारे लगाए तब उदयनिधि स्टालिन ने विजय और तृषा को लेकर अपमानजक बाते कहीं। इस दौरान वे मुस्कुराते हुए भी नजर आए। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी थी। फिलहाल पूछताछ के बाद उन्हें स्टेशन बेल पर रिहा कर दिया गया है। चेंगीपट्टी पुलिस स्टेशन से बाहर निकलने पर सैकड़ों द्रमुक कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बीते मई महीने में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके को बड़ी हार मिली। इस चुनाव में थलपति विजय ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाई और द्रमुक को करारा झटका लगा था। हालांकि अब नतीजों के बाद बैकफुट पर दिख रही डीएमके को उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी के बाद अचानक एक नया राजनीतिक मुद्दा मिल गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम ने काफी दिनों से निराश बैठे डीएमके कैडर में ऑक्सीजन फूंकने का काम किया है।

केरल के मंत्री ने महिलाओं के मुफ्त बस यात्रा को लेकर दिया विवादित बयान, भड़के महिला संगठन

पलक्कड़ , एजेंसी। सूबे के परिवहन मंत्री सी पी जॉन के एक बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है. उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना को निजी स्कूलों और निजी अस्पतालों को चुनने की उनकी आदत से जोड़ा है, जिसकी महिला संगठनों ने कड़ी आलोचना की है. केरल बस परिवहन संघ के राज्य सम्मेलन में बोलते हुए मंत्री ने जनता के इस व्यवहार पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा- 'महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा कर रही हैं, लेकिन अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों के बजाय पैसे देकर निजी स्कूलों में भेजती हैं. यहां तक कि क्षमता न होने पर भी वे सरकारी अस्पतालों के मुकाबले निजी अस्पतालों को चुनती हैं. केरल के लोगों का यह व्यवहार हैरान करने वाला है.' उन्होंने यह भी कहा कि मुफ्त यात्रा योजना से बसों में बहुत भीड़ हो गई है. इन बयानों का 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वूमेंस एसोसिएशन' की केरल राज्य समिति ने कड़ा विरोध किया है. संगठन ने इन टिप्पणियों को महिला-विरोधी और महिलाओं का अपमान करने वाला बताया. उन्होंने मांग की कि मंत्री अपने शब्द वापस लें और बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें. संगठन का कहना है कि इन बयानों ने महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई है और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों का मज़ाक उड़ाया है. आलोचनाओं का जवाब देते हुए जॉन ने कहा कि उनके बयानों को गलत समझा गया. उनका मकसद महिलाओं पर हमला करना नहीं, बल्कि समाज की कमियों को सामने रखना था. उन्होंने यह भी कहा कि बसों में मुफ्त यात्रा करना महिलाओं का कानूनी अधिकार है और वे अपनी बात पर कायम हैं. इसके बाद से इन बयानों पर काफी बहस छिड़ गई है. आलोचकों ने मंत्री पर महिलाओं को लेकर एक जैसी सोच (रूढ़िवादिता) रखने का आरोप लगाया, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि इन टिप्पणियों ने सरकारी स्कूलों और स्वास्थ्य संस्थाओं पर जनता के भरोसे से जुड़े बड़े सवाल खड़े किए हैं.

शेख हसीना के हटने के बाद बांग्लादेश चुनौतियों में घिरा

ढाका, एजेंसी। 5 अगस्त 2024, यह वह तारीख थी, जब बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन इस कदर बढ़ चुका था कि इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। प्रदर्शनों के दौरान फैली हिंसा और युवाओं के सरकार के खिलाफ गुस्से के चलते आखिरकार शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अपनी जान बचाने के लिए उन्हें भारत में शरण तक लेनी पड़ी। तब से लेकर अब तक पद्मा नदी में काफी पानी बह चुका है। इस दौरान बांग्लादेश में दो सरकारें बन चुकीं, जिनमें एक अंतरिम सरकार और एक जनता की ओर से चुना हुआ शासन है। दोनों ही सरकारों की तरफ से आवाम के लिए कई बड़े फैसले लिए जा चुके हैं और यह देश दो साल पहले की क्रांति से काफी आगे बढ़ चुका है।

5 अगस्त 2024 को छात्रों (जेन-जी) के नेतृत्व में आरक्षण के मुद्दे पर भड़का जन-आक्रोश शेख हसीना सरकार की सख्ती के बाद नियंत्रण के बाहर हो गया। इसका असर यह हुआ कि हसीना को प्रधानमंत्री होने के बावजूद सैन्य विमान से भारत भागना पड़ा। इसके साथ ही उनके 15 साल के सत्तावादी शासन का अंत हो गया। शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसने देश में स्थिरता बहाल करने और संस्थागत सुधारों की नींव रखने की कोशिश की। हालांकि, लगातार बढ़ती धार्मिक हिंसा और शेख हसीना के राजनीतिक दल और कार्यकर्ताओं के खिलाफ बर्बर हमलों को रोकने में वे असफल रहे,

जिसकी काफी आलोचना हुई। इसके अलावा उन्होंने बांग्लादेश को भारत से दूर करने में भी बड़ी भूमिका निभाई।

12 फरवरी 2026 को देश में संसदीय चुनाव कराए गए, जिन्हें पिछले दो दशकों में सबसे विश्वसनीय चुनाव माना गया। हालांकि, इसमें भी शेख हसीना की आवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया। यानी उनका एक भी प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं उतर पाया, जिससे बांग्लादेश के इन चुनावों की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल उठे। इन चुनावों में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनेलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 300 में से 209 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया और सरकार बनाई। जमात-ए-इस्लामी 68 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल बनी, जबकि छात्रों की नई नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी) को छह सीटें मिलीं।

सांविधानिक सुधारों की कोशिश

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की तरफ से एक जुलाई नेशनल चार्टर तैयार किया गया था। इसमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल को अधिकतम 10 वर्ष करने, न्यायपालिका और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को बढ़ाने और दो सदन वाली संसद जैसे बड़े सुधार शामिल थे। हालांकि, इसी दौरान बांग्लादेश में आवामी लीग पार्टी को प्रतिबंधित करने का फैसला किया गया और उसके प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने तक पर रोक लगा दी, जिससे यूनुस की निष्पक्ष छवि को बड़ा झटका लगा।

आर्थिक उतार-चढ़ाव का दौर: शेख हसीना के जाने के समय देश की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में थी। मुद्रास्फीति करीब 12% थी और विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 20 अरब डॉलर रह गया था। उधर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बैंकों के बोर्ड भंग किए, मुद्रा विनिमय दर को बाजार आधारित किया और आईएमएफ और विश्व बैंक से वित्तीय कर्ज लिया। हालांकि, इसके बावजूद पहले अमेरिका की तरफ से लगाए गए आयात शुल्क और फिर अमेरिका-ईरान युद्ध से बांग्लादेश को भारी नुकसान हुआ है। बांग्लादेश में जुलाई 2024 की क्रांति के बाद शासन तो बदल गया, लेकिन इस बदलाव के बीच कई पुरानी चुनौतियां बरकरार रही हैं और कुछ नए गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट भी उभर कर सामने आए हैं।

व्यवस्था परिवर्तन और सांविधानिक सुधारों की चुनौती

द डिप्लोमैट मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में शासक भले ही बदल गए हों, लेकिन पूरी व्यवस्था को बदलने का ऐतिहासिक और बुनियादी काम दो साल बाद भी अधूरा है। फरवरी 2026 के चुनावों के साथ हुए जनमत संग्रह में लगभग 68% जनता ने इन सुधारों के पक्ष में हां का वोट दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद बीएनपी ने इस जनमत संग्रह के नतीजों को लागू करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है और संविधान सुधार परिषद की शपथ लेने से इनकार कर दिया। बीएनपी न्यायपालिका पर अपना कार्यकारी नियंत्रण और प्रभाव बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के अलग सचिवालय के उस प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल रही है, जिसका उसने पहले समर्थन किया था।

दुबई में एक और भारतीय युवक की दर्दनाक मौत, कार शोरूम में ब्लास्ट से गई जान

दुबई एजेंसी। दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर फटने से केरल के रहने वाले एक प्रवासी भारतीय की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 800 से अधिक भारतीय नागरिकों की मौत हुई, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत मौतें खाड़ी देशों में हुईं। दुबई मीडिया कार्यालय के अनुसार, सोमवार को हुए इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हुई और पांच अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को शिजिन पॉल की मौत की पुष्टि की और कहा कि वह उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए परिजनों तथा स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉल उस कार शोरूम में सोशल मीडिया प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे, जहां यह विस्फोट हुआ। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक सहकर्मी ने अखबार को बताया कि आग लगने का पता चलते ही कर्मचारी शोरूम से बाहर निकल गए। कुछ लोगों ने अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले कि आग पर काबू पाया जाता. गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496